विश्वकर्मा फर्नीचर
मो. 98261-32636,90987-54366,98274-96911

तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 37 अंक 98 | कोरबा, बुधवार , दिनांक 07 जनवरी 2026 डाक 08 जनवरी 2026 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा

शीतकालीन सत्र के दौरान आम आदमी पार्टी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के विधायकों ने पोस्टर पकड़े हुए हैं।

देश-विदेश

दिल्ली-एनसीआर में कोहरे का कहर और हवाई संकट बढ़ा कश्मीर-हिमाचल में बर्फबारी, यूपी में स्कूल बंद

फीचर पेज

रीना रॉय : पर्दे की पहली नागिन ने जब चुराया लोगों का दिल, हर रोल में दिखीं बेहद खास

छावनी बना दिल्ली का तुर्कमान गेट

मस्जिद के पास बुलडोजर एक्शन, भीड़ ने किया पुलिस पर पथराव, आंसू गैस का प्रयोग

नईदिल्ली 07 जनवरी [एजेंसी]।

दिल्ली देश की राजधानी दिल्ली के तुर्कमान गेट स्थित फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण पर एमसीडी की बुलडोजर कार्रवाई की। MCD ने दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देशों पर अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। देर रात हुई कार्रवाई का स्थानीय लोगों ने विरोध किया। देखते ही देखते भीड़ आक्रोशित हो गई। भीड़ ने पुलिस और कार्रवाई कर रही टीम पर पथराव कर दिया। पथराव के बाद इलाके में तनाव का माहौल हो गया।

पुलिस ने स्थिति को संभाल लिया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि अतिक्रमण हटाने के कार्रवाई के दौरान कुछ उपद्रवियों ने पत्थराव कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर हालात काबू किए। पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी छोड़े। फिलहाल स्थिति सामान्य है। दिल्ली के रामलीला मैदान इलाके में सैयद फैज इलाही मस्जिद और पास के कब्रिस्तान से सटी ज़मीन पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई हिंसक रूप ले ली। दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देशों के बाद दिल्ली नगर निगम के अधिकारी जब तोड़फोड़ करने पहुंचे, तो स्थानीय लोगों के एक समूह ने कथित तौर पर पत्थरबाजी की, जिसमें कम से कम पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। सेंट्रल रेंज के संयुक्त पुलिस आयुक्त मधुर वर्मा ने बताया कि दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार, एमसीडी ने सात जनवरी को तड़के दिल्ली के रामलीला मैदान के पास तुर्कमान गेट स्थित फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण हटाया। इस कार्रवाई के दौरान, कुछ उपद्रवियों ने पत्थरबाजी करके अशांति फैलाने का प्रयास किया। संयमित और न्यूनतम बल प्रयोग से स्थिति को तुरंत नियंत्रण में लाया गया और बिना किसी तनाव के सामान्य स्थिति बहाल की गई। ज्वाइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस, सेंट्रल रेंज, मधुर वर्मा ने कहा कि तोड़फोड़ के दौरान, कुछ बदमाशों ने पत्थरबाज़ी करके गड़बड़ी पैदा करने की कोशिश की।

स्थिति को तुरंत नियंत्रित किया गया और कम से कम बल का इस्तेमाल करके सामान्य स्थिति बहाल की गई, यह सुनिश्चित किया गया कि स्थिति बिगड़े नहीं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मस्जिद के निकट बरात घर के एक हिस्से को बुलडोजर चलाकर तोड़ा गया है। इसके साथ ही मस्जिद के आस-पास में अवैध अतिक्रमण को तोड़ा है। बरात घर के अलावा दो दुकानें और तीन डिस्पेंसरी पर कार्रवाई की गई है।

झारखंड में जंगली हाथी का आतंक एक रात में 7 लोगों को मार डाला

चाईबासा,07 जनवरी [एजेंसी]।

नोवामुंडी प्रखंड के जेटेया थाना क्षेत्र अंतर्गत बाबरिया गांव में 6 जनवरी की रात जंगली हाथी के हमले से एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पति-पत्नी और उनके दो मासूम बच्चे शामिल हैं। इसके अलावा दूसरे परिवार के एक सदस्य की भी हाथी के हमले में जान चली गई। घटना रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है। बताया गया कि सभी लोग अपने घर में सो रहे थे, तभी हाथी ने अचानक घर पर हमला कर दिया।

इस दौरान परिवार का एक बच्चा किसी तरह जान बचाने में सफल रहा। बाबरिया गांव में मृतकों की पहचान सनातन मेराल, उनकी पत्नी जोंकों कुई, उनके दो मासूम बच्चों और मोगदा लागुरी (दूसरे परिवार से) के रूप में हुई है। हाथी का आतंक बाबरिया गांव तक सीमित नहीं रहा। बड़ा पासीया गांव में भी हाथी के हमले में एक ग्रामीण की मौत हो गई। वहीं लांपाईसाई गांव में एक अन्य ग्रामीण को हाथी ने रौंदकर मार डाला। इन दोनों गांवों में मृतकों की पहचान समाचार लिखे जाने तक नहीं हो पाई थी।घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। सूचना मिलने पर वन विभाग और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। हाथी की निगरानी की जा रही है। प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने और सुरक्षा के उपाय किए जाने की बात कही जा रही है।

टोंटो प्रखंड के बांडीझारी गांव निवासी 35 वर्षीय मंगल सिंह हेंब्रम की हाथी के हमले में मौके पर ही मौत हो गई। इसी रात बिरसिंहहातु गांव के कुचुबासा टोली निवासी 55 वर्षीय उर्दूप बहंदा भी हाथी की चपेट में आ गए और उनकी जान चली गई। वहीं सदर प्रखंड के रोरो ग्राम निवासी 57 वर्षीय विष्णु सुंडी की भी हाथी के हमले में मौत हो गई।इस दौरान बिरसिंहहातु गांव की मानी कुंटिया और सुखमति बहंदा गंभीर रूप से घायल हो गईं। ये तीनों घटनाएं एक जनवरी की रात घटीं। गोइलकेरा थाना क्षेत्र के सायतवा गांव में हाथी ने मंदरू कयोम के 13 वर्षीय पुत्र रेंगा कयोम को कुचलकर मार डाला।

वहीं चक्रधरपुर थाना क्षेत्र के बाईपी गांव निवासी नंदू गागराई की 10 वर्षीय पुत्री ढिंगी गागराई को हाथी ने पटक दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। चार जनवरी की अहले सुबह गोइलकेरा प्रखंड अंतर्गत संतरा वन क्षेत्र की कुईडा पंचायत के अमराई कितापी गांव स्थित तोपनोसाई टोले में दंतैल हाथी ने 47 वर्षीय महिला को कुचलकर मार डाला। इस हमले में महिला के पति रंजन टोपनो और 10 वर्षीय पुत्र काहिरा टोपनो भी घायल हो गए। सोमवार की अहले सुबह गोइलकेरा के संतरा वन क्षेत्र अंतर्गत बिला पंचायत के वन ग्राम मिस्त्रीबेड़ा में हाथी ने हमला कर 50 वर्षीय जोंगा लागुरी की जान ले ली। इस दौरान उनके पति 52 वर्षीय चंद्र मोहन लागुरी भी गंभीर रूप से घायल हो गए।दंतैल हाथी ने गोइलकेरा के सोवा गांव में हमला कर कुंदरा बाहदा, उनके 6 वर्षीय पुत्र कोदमा बाहदा और 8 माह की पुत्री सामू बाहदा की जान ले ली। वहीं परिवार की 3 वर्षीय बच्ची जिंगीं बाहदा गंभीर रूप से घायल हो गई।

फाफाडीह के पास बुलाकर 2 करोड़ की ठगी

रायपुर। शेयर मार्केट में निवेश पर बड़े मुनाफे का झांसा देकर ओडिशा के कारोबारी से 2 करोड़ रुपए की ठगी की गई है। मैसेंजर प्लेटफॉर्म पर कारोबारी एक ग्रुप से जुड़ा, जहां शेयर मार्केट में निवेश से संबंधित जानकारियां मिलने लगीं। कारोबारी ने शुरुआत में 1 लाख निवेश किए। इसके एवज में कारोबारी को 13 लाख रुपए का मुनाफा दिया गया। इससे कारोबारी झांसे में आ गया। इसके बाद ठगों ने कहा कि 2 करोड़ रुपए निवेश करने पर पांच दिन में 40 लाख रुपए का मुनाफा मिलेगा। इस ऑफर के साथ ही कारोबारी ठगों के झांसे में आ गया और 2 करोड़ रुपए निवेश कर दिया।

इसके लिए कारोबारी को रायपुर बुलाया गया और फाफाडीह के पास उनसे कैश में पैसे लिए गए। कारोबारी रकम देकर वापस चला गया। इसके बाद न तो मुनाफा मिला और न ही मूल रकम वापस मिली। कारोबारी की शिकायत पर पुलिस ने जांच के बाद ठगी का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि ओडिशा निवासी नेमीचंद जैन का बड़ा कारोबार है। कुछ माह पहले नेमीचंद के मोबाइल पर एक लिंक आया था।

बारामूला में प्रतिबंधित संगठन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

बारामूला। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन जम्मू-कश्मीर इत्तिहादुल मुस्लिमीन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए बारामूला जिले में तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से की गई। बारामुला पुलिस के अनुसार, यह तलाशी अभियान पुलिस पोस्ट मीरगुंड के अधिकार क्षेत्र में आने वाले मिर्चीमार्ग, मीरगुंड इलाके में चलाया गया। पुलिस टीमों ने यहां दो व्यक्तियों के आवासों पर तलाशी ली। इनमें गुलाम हुसैन मलिक, पुत्र मोहम्मद इब्राहिम मलिक और गुलाम मोहम्मद सोफी, पुत्र मोहम्मद अब्दुल्ला सोफी शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, दोनों व्यक्ति पहले प्रतिबंधित संगठन जम्मू-कश्मीर इत्तिहादुल मुस्लिमीन से जुड़े रह चुके हैं। यह कार्रवाई एफआईआर नंबर 45/2025, थाना पट्टन के तहत की गई है। मामला यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम) की धारा 10 और 13 के साथ-साथ बीएनएस की धारा 147 और 148 के अंतर्गत दर्ज है। तलाशी से पहले पुलिस ने सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, सिंहपोरा, पट्टन से वैध तलाशी वारंट प्राप्त किया था। पुलिस ने बताया कि तलाशी की पूरी कार्रवाई कार्यकारी मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, सिंहपोरा की मौजूदगी में संपन्न की गई। इसके अलावा, संबंधित नंबरदार भी मौके पर मौजूद रहे। तलाशी के दौरान कानून द्वारा निर्धारित सभी नियमों और प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन किया गया। जम्मू-कश्मीर इत्तिहादुल मुस्लिमीन एक प्रमुख कश्मीरी शिया राजनीतिक और धार्मिक संगठन है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने मार्च 2025 में इस संगठन पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत 5 साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया। सितंबर 2025 में एक विशेष ट्रिब्यूनल ने इस प्रतिबंध की पुष्टि करते हुए इसे एक गैरकानूनी संघ घोषित किया। इसकी स्थापना 1962 में मोहम्मद अब्बास अंसारी द्वारा की गई थी। 2022 में उनके निधन के बाद से, संगठन का नेतृत्व उनके बेटे मसरूर अब्बास अंसारी कर रहे हैं।

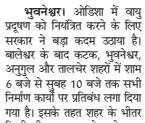

दिल्ली के बाद अब ओडिशा में प्रदूषण का कहर, सात दिनों के लिए कड़े प्रतिबंध लागू

भुवनेश्वर। ओडिशा में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। बालेश्वर के बाद कटक, भुवनेश्वर, अनुगुल और तालचेर शहरों में शाम 6 बजे से सुबह 10 बजे तक सभी निर्माण कार्यों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके तहत शहर के भीतर किसी भी प्रकार का तोड़-फोड़ का कार्य नहीं किया जा सकेगा। स्थानीय प्रशासन और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को प्रतिदिन तीन बार सड़कों पर पानी का छिड़काव करने के निर्देश दिए गए हैं। खुले में कचरा जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा और ढाबों में कोयले को ईंधन के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। इसके अलावा बिना ढके सामान ले जाने वाले ट्रकों को शहर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

इन प्रतिबंधों का सख्ती से पालन हो, यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी पुलिस, स्थानीय प्रशासन, सभी कार्यकारी एजेंसियों और आरटीओ को दी गई है। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री गणेश रामसिंह खुंटिया ने कहा है कि यह प्रतिबंध अगले 7 दिनों तक लागू रहेगा।

सहारनपुर में मस्जिद में नमाज पढ़ने को लेकर खूनी संघर्ष, छतों से बरसाए गए ईंट-पत्थर, इलाके में तनाव

सहारनपुर, 07 जनवरी [एजेंसी]।

नागल थाना क्षेत्र के गांव नोजली दनियालपुर में स्थित हाजरा मस्जिद में नमाज अदा करने को लेकर विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते ईंट-पत्थरबाजी में बदल गया। जिससे गांव में खलबली मच गई। इस दौरान महिला समेत दो लोग घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। नोजली दनियालपुर निवासी गुलजार और यूनुस ने तहरीर देते हुए पुलिस को बताया कि उनके गांव में हाजरा मस्जिद में सभी लोग वर्षों से मिल-जुलकर नमाज अदा करते आ रहे हैं, लेकिन हाल ही में एक पक्ष उन्हें नमाज पढ़ने से रोक रहा है। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई, जो बाद में हिंसक झड़प में बदल गई। आरोप है कि दूसरे पक्ष के कुछ लोग मस्जिद की छत पर चढ़ गए और वहां से ईंट-पत्थर फेंकने लगे। जिसमें अमरीशा गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं दूसरे पक्ष के इकराम ने आरोप लगाया कि गांव का एक पक्ष मस्जिद की देखरेख और जिम्मेदारी को लेकर दबाव बना रहा था। उनका कहना है कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तो उनके साथ मारपीट की गई।

जिसमें वह घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी राजकुमार चौहान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालते हुए भीड़ को तितर-बितर कराया। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गांव में फिलहाल शांतिपूर्ण माहौल है।

कर्नाटक पुलिस की घिनौनी हरकत, सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रही भाजपा कार्यकर्ता के फाड़े कपड़े

नई दिल्ली 7 जनवरी। कर्नाटक के हुबली में एक भाजपा कार्यकर्ता पर पुलिस ने प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिया और इस दौरान कपड़े फाड़ दिए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कांग्रेस पार्षद सुवर्णा कल्लाकुंतला की शिकायत के बाद बीजेपी महिला कार्यकर्ता को हिरासत में लिया गया था। यह शिकायत केशवापुर राणा में मतदाता सूची संशोधन के दौरान कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच हुए विवाद से संबंधित है। आरोप है कि हिरासत के दौरान महिला ने विरोध किया और आपत्ति जताई, जिसके बाद पुलिस ने कथित तौर पर उस पर हमला किया और उसके कपड़े फाड़ दिए। बताया जा रहा है कि महिला पूर्व कांग्रेस कार्यकर्ता है जो हाल ही में भाजपा में शामिल हुई है। यह विवाद इस आरोप से शुरू हुआ कि उसने अधिकारियों को कुछ मतदाताओं के नाम हटाने में मदद की, जिसे वह नकारती है। इसी आरोप के चलते कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। पुलिस ने अभी तक हिरासत में कथित दुर्व्यवहार पर कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया है। इस घटना से इलाके में राजनीतिक तनाव और बढ़ गया है और दोनों दलों ने एक-दूसरे के खिलाफ शिकायतें दर्ज कराई हैं।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक

चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS
(Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010

-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

साहिती इंफ्राटेक से जुड़े मामले में ईडी ने सप्लीमेंट्री चार्ज की प्रक्रिया पूरी की

हैदराबाद 7 जनवरी। एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी) ने हैदराबाद की एक कोर्ट में साहिती इंफ्राटेक वेंचर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के एक्स-डायरेक्टर और सेल्स एंड मार्केटिंग हेड बी. लक्ष्मीनारायण, संधू पूर्णचंद्र राव के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के प्रोविज़न के तहत सप्लीमेंट्री प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट फाइल की है। ईडी के हैदराबाद ज़ोनल ऑफिस ने कहा कि कोर्ट ने सप्लीमेंट्री प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट पर कॉग्निजेंस लिया है। सेंट्रल एजेंसी ने तेलंगाना पुलिस द्वारा SIVIPL, बी. लक्ष्मीनारायण और दूसरों के खिलाफ वर्ल्ड-क्लास रेजिडेंशियल गेटेड कम्युनिटी बनाने के लिए प्री-लॉन्च ऑफर का एडवर्टाइजमेंट करने और होने वाले खरीदारों से भारी रकम इकट्ठा करने के लिए दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की। हालांकि, कंपनी कस्टमर्स को फ्लैट्स डिलीवर करने या उनके पैसे रिफंड करने में फेल रही और इस तरह उनकी मेहनत की कमाई को ठग लिया। इसके बाद, SIVIPL और दूसरी ग्रुप एंटिटीज़ द्वारा किए गए अलग-अलग प्रोजेक्ट्स के इन्वेस्टर्स/बायर्स की कंप्लेंट्स के आधार पर कई और FIRs रजिस्टर की गईं। ईडी ने एक बयान में कहा कि 700 से ज़्यादा घर खरीदने वालों से, जिन्हें फ्लैट/विला देने का वादा किया गया था, कुल मिलाकर करीब 360 करोड़ रुपये की ठगी की गई। जांच में पता चला कि SIVIPL के पास RERA/HMDA की ज़रूरी परमिशन नहीं थी। इसके अलावा, प्रोजेक्ट के लिए कोई ESCROW अकाउंट नहीं था और इन्वेस्टर्स से मिले पैसे अलग-अलग बैंक अकाउंट में जमा किए गए और कैश में भी लिए गए। आरोपियों ने SIVIPL के गैर-कानूनी तरीके से लॉन्च किए गए प्रोजेक्ट्स में इन्वेंट्री बेचकर 800 करोड़ रुपये से ज़्यादा का फंड इकट्ठा किया और बिना ज़रूरी परमिशन/अप्रूवल के इन्वेंट्री बेचने के झूठे बहाने लोगों को धोखा दिया।

मैं शादी करूंगी... श्रद्धा कपूरका बड़ा ऐलान! फैन के सवाल पर तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली 7 जनवरी। बॉलीवुड की स्त्री श्रद्धा कपूर को चाहने वालों की कोई कमी नहीं है। सोशल मीडिया पर उनकी फैन फॉलोइंग ग्लोबल आइकॉन प्रियंका चोपड़ा से भी ज्यादा है। एक तरफ जहां फैंस श्रद्धा की सादगी पर दिल हार जाते हैं, तो वहीं रिपोर्ट्स की मानें तो उनके दिल पर सिर्फ राहुल मोदी का कब्जा है। पिछले काफी समय से बॉलीवुड के गलियारों से श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी के अफेयर के किस्से सुनने को मिलते हैं। अब एक बार फिर से श्रद्धा कपूर अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार बात उनकी शादी तक पहुंच चुकी है।

महापौर ने ठंड के मद्देनजर अनुभव भवन तुलसी नगर में हीटर किया प्रदान

कोरबा । वरिष्ठ नागरिकों के लिए कोरबा महापौर ने ठंड के मद्देनजर अनुभव भवन तुलसी नगर में इलेक्ट्रिक हीटर प्रदान किया। साथ ही अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन देते हुए महापौर संजू देवी राजपूत और पार्षद नरेंद्र देवांगन ने वरिष्ठ नागरिकों से आशीर्वाद प्राप्त किया।

जानकारी के अनुसार जनपदीय वरिष्ठ नागरिक संघ के अनुभव भवन तुलसी नगर पहुंचकर कोरबा महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने इलेक्ट्रिक हीटर प्रदान किया। उन्होंने वरिष्ठ जनों के मनोरंजन के लिए कैरम बोर्ड उपलब्ध कराने के साथ ही सबको आश्वस्त किया कि उनकी अन्य जरूरतो की पूर्ति भी अतिशीघ्र कर ली जाएगी। वरिष्ठ पार्षद और भारतीय जनता युवा मोर्चा के महामंत्री नरेंद्र देवांगन ने वरिष्ठ जनों से आशीर्वाद लेते हुए कहा कि आपके भरोसे पर केंद्र प्रदेश और स्थानीय सरकार खरा उतरेगी। वरिष्ठ नागरिक संघ के संरक्षक कमलेश यादव, क्षेत्रीय पार्षद मथुरा चंद्रा और राकेश अग्रवाल ने भी लोगों को संबोधित किया। इस अवसर पर संघ के संयोजक श्री नायडू, अध्यक्ष गणेश दास महंत, श्री गोरहा, श्री पांडे, हरकेश यादव, केवल साहू, होरीलाल जायसवाल, आदि सहित बड़ी संख्या में अन्य उपस्थित थे।

पाईप लाईन लिकेज की मरम्मत के कारण पानी हुआ था मटमैला

कोरबा । नगर निगम कोरबा के वार्ड क्र. 10 भिलाईखुर्द के अंतर्गत आने वाली हाउसिंग बोर्ड कालोनी में आपूर्ति किए गए पानी के मटमैला होने के कारण क्षतिग्रस्त हुई उक्त पाईप लाईन की मरम्मत का कार्य करना था, पाईप लाईन की मरम्मत के पश्चात अब हाउसिंग बोर्ड कालोनी में शुद्ध व साफ जल की आपूर्ति की जा रही है। कोरबा नगर निगम के कार्यपालन अभियंता जलप्रदाय राकेश मसीह ने बताया कि वार्ड क्र. 10 भिलाईखुर्द अंतर्गत बरबसपुर स्थित हाउसिंग बोर्ड कालोनी में जलापूर्ति की जाने वाली पाईप लाईन क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिसके कारण एक दिन के लिए आकस्मिक रूप से जलापूर्ति बाधित भी हुई। निगम द्वारा उक्त क्षतिग्रस्त पाईप लाईन की मरम्मत करा दी गई है तथा पाईप लाईन के मरम्मत के कारण स्वभाविक रूप से पानी में मिट्टी धुली, जिसके परिणाम स्वरूप उस दिन नलों से मटमैला पानी निकला। उन्होने बताया कि उक्त क्षतिग्रस्त पाईप लाईन की मरम्मत होने के पश्चात अब नियमित रूप से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति जा रही है।

ग्राम पंचायत पोड़ी में पीपीएल सुपर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

कोरबा । कोरबा जिले के ग्राम पंचायत पोड़ी में स्थित पोड़ी हाई स्कूल मैदान में 06 जनवरी को पीपीएल सुपर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ हर्षोल्लास और खेल उत्साह के साथ किया गया। इस आयोजन को लेकर क्षेत्र के युवाओं एवं खेलप्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला।

प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जनपद सदस्य (लालपुर) भोलापुरी गोस्वामी उपस्थित रहे। वहीं पोंडी-उपरोड़ा के सरपंच सहेत्तर सिंह राज एवं पोंडी क्षेत्र से पत्रकार विनोद बरेठ ने विशेष अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल भावना, अनुशासन और आपसी भाईचारे के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का संदेश दिया।

पीपीएल सुपर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता में कुल 7 टीमें भाग ले रही हैं, जिनके बीच लीग आधार पर रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे। प्रतियोगिता का आयोजन 10-10 ओवर के फॉर्मेट में किया जा रहा है, जिससे दर्शकों को तेज, रोचक और प्रतिस्पर्धात्मक क्रिकेट देखने को मिलेगा। आयोजन समिति द्वारा मैदान की बेहतर तैयारी, खिलाड़ियों की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए समुचित व्यवस्थाएं की गई हैं। प्रतियोगिता में विजेता टीम को 51,000 रुपये की नगद राशि प्रथम पुरस्कार के रूप में प्रदान की जाएगी, जबकि उपविजेता टीम को 25,000 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। इसके साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।उद्घाटन मैच के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, युवा खिलाड़ी एवं खेलप्रेमी दर्शक मौजूद रहे। आयोजन समिति ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिताएं ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच देने के साथ-साथ युवाओं को खेल के माध्यम से सकारात्मक दिशा प्रदान करती हैं।

श्रीकृष्ण की छटा से सजी शहर की दीवारें

कोरबा। कोरबा शहर को सुंदर और आकर्षक बनाने की दिशा में नगर निगम के प्रयास लगातार रंग ला रहे हैं। सीएसईबी चौक से बुधवारी बाजार के मध्य नगर निगम द्वारा निर्मित बाउंड्री वॉल पर भगवान श्रीकृष्ण के विभिन्न मनोहारी रूपों को कुशल चित्रकारों द्वारा उकेरा गया है। श्रीकृष्ण की लीलाओं और स्वरूपों से सजी यह दीवारें राहगीरों को सहज ही अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं और पूरे क्षेत्र को एक अलग ही आध्यात्मिक व कलात्मक पहचान दे रही हैं।

वहीं दूसरी ओर चौक में रंग-बिरंगी और आकर्षक सजावटी कलाकृतियों से माहौल और भी खूबसूरत हो गया है। इससे न केवल शहर की सुंदरता बढ़ी है, बल्कि नागरिकों में स्वच्छता और सार्वजनिक स्थलों के प्रति अपनत्व की भावना भी विकसित हो रही है। बताया जा रहा हैं की नगर निगम आयुक्त के नेतृत्व में शहर सौंदर्य करण को लेकर लगातार योजनाबद्ध प्रयास किए जा रहे हैं। आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को देखते हुए निगम प्रशासन पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष कोरबा को स्वच्छता सर्वेक्षण में आठवां स्थान प्राप्त हुआ था, वहीं इस वर्ष नगर निगम की कोशिश है कि बेहतर तैयारी और नवाचार के जरिए रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार किया जाए।शहर की दीवारों पर उभरती कला, स्वच्छता पर जोर और सुनियोजित प्रयास यह संकेत दे रहे हैं कि कोरबा न केवल साफ-सुथरा बल्कि सुंदर और प्रेरणादायक शहर बनने की ओर तेजी से अग्रसर है।

मुख्यमंत्री ज्ञान प्रोत्साहन योजना प्राचार्यों को दिशा निर्देश जारी

कोरबा। जिला शिक्षा अधिकारी कोरबा द्वारा मुख्यमंत्री ज्ञान प्रोत्साहन योजना सत्र 2025-26 के संबंध में सर्व संबंधित प्राचार्यों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किया गया है।जारी निर्देश के अनुसार लोक शिक्षण संचालनालय छ.ग. द्वारा मुख्यमंत्री ज्ञान प्रोत्साहन योजना सत्र 2025-26 अंतर्गत कक्षा 12वीं अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों के कुल लक्ष्य विरूद्ध पर्याप्त समय दिये जाने उपरांत भी आवेदन प्राप्त नहीं हुये है, शेष बचे पात्र विद्यार्थियों के आवेदन प्राप्ति हेतु 30 जनवरी 2026 तक पोर्टल में उपलब्ध करा दिया गया है

बंग समाज ने कालीबाड़ी में लगाया आनंद मेला

कोरबा । बंग समाज द्वारा शनिवार 3 जनवरी को कालीबाड़ी एस.ई.सी.एल. कोरबा ग्राउंड में विशाल आनंद मेला का आयोजन किया गया। जिसमें टाइटल स्पॉन्सर के रूप में प्रथम ज्वेलर्स निहारिका, गोल्ड स्पॉन्सर के रूप में एनकेएच हॉस्पिटल एवं को-स्पॉन्सर के रूप में पुष्पक इलेक्ट्रॉनिक्स, शाह जेठालाल ज्वेलर्स, कावेरी रेस्टोरेंट, संज्ञान मोटर्स यामाहा, सिल्वर सेंटर, श्री मेडिको, वर्धमान ज्वैलर्स, ऑटो सेंटर, तत्व आर्किटेक्ट्स एंड प्लानर्स, केक शॉप, इंडियन हॉलीडेज एवं अंकुर टेंट हाउस का सहयोग मिला। इस आनंद मेला में बंग समाज की महिलाओं द्वारा पारंपरिक व्यंजनों के स्टाल लगाए गए एवं पेंटिंग और पौधों के स्टॉल भी लगाए गए। इस कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि पार्षद नरेंद्र देवांगन, कालीबाड़ी पुरोहित सहदेव चक्रवर्ती, कोरबा बंग समाज के महासचिव अधिवक्ता श्यामल मल्लिक एवं कोरबा बंग समाज के कोषाध्यक्ष संजय दुबे द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। पुष्पक इलेक्ट्रॉनिक्स के संचालक राकेश रामानी एवं श्रीमती सुमन रामानी द्वारा सभी बंग समाज की महिलाओं को एप्रन उपहार के रूप में देकर उनका उत्साह बढ़ाया। एप्रन का वितरण पार्षद नरेंद्र देवांगन एवं सुमन रामानी द्वारा किया गया। यह आनंद मेला हर साल पोष के महीने में आयोजित किया जाता है। इस कार्यक्रम में महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत द्वारा महिलाओं का उत्साह बढ़ाने के लिए स्वयं एक-एक स्टॉल जाकर महिलाओं से मिली एवं व्यंजनों का स्वाद चखा। प्रत्येक स्टॉल बंगाल की पारंपरिक व्यंजन

खासकर चावल के आटे और नारियल एवं गुड़ की फीलिंग द्वारा पीठे कहे जाने वाले स्वादिष्ट मीठे व्यंजनों से सजे हुए थे। बंगाल में पोष के महीने में इस तरह के व्यंजनों से त्यौहार मनाने की पारंपरिक रिवाज है। इस आयोजन में रीता विश्वास, रिनी दुबे, बेबी डे, संध्या डे, शिवानी दास, मिष्टी मुखर्जी, निर्मला गिरी, टुंपा विश्वास, शिप्रा शीट, नीतू चौधरी, सविता सरकार, चंपा बैनर्जी, सुमी दास, रत्ना दत्ता, पूजा रानी माजी, मिली गांगुली, मनुपा चक्रवर्ती, छवि हालदार, संघमित्रा चक्रवर्ती आदि महिलाओं द्वारा बंगाल की पारंपरिक व्यंजनों को परोसा गया, साथ ही रंग धारा कला मंच के कमल मजूमदार एवं टीम के द्वारा बेहतरीन कलाकृतियों का स्टॉल लगाया गया और रिटायर्ड सीएसईबी कर्मचारी अनिमेष गांगुली द्वारा खूबसूरत व सजावटी फूलों के पौधों का भी स्टॉल लगाया गया। अमित बैनर्जी एवं श्रेयश्री सरकार के द्वारा मंच संचालन करते हुए खूबसूरत संगीत के कार्यक्रम को परोसा गया जिसमें मुख्य रूप से अमित बनर्जी, अपूर्वा ठाकुर, हैप्पी, मोनिका, समित, डॉ संजय अग्रवाल, विजय अरोरा एवं अन्य कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी गई। संदीप डांस ग्रुप द्वारा डांस का परफॉर्मेंस भी हुआ। अंत में हॉजी गेम करा कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

कटघोरा में खुलेगा जिले का दूसरा ''सखी वन स्टॉप सेंटर''

कोरबा । छत्तीसगढ़ के आकांक्षी जिला कोरबा में महिलाओं की सुरक्षा और सहायता की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। जिले के कटघोरा में दूसरे ''सखी वन स्टॉप सेंटर'' के संचालन को शासन से हरी झंडी मिल गई है। केंद्र सरकार की परियोजना क्रियान्वयन समिति की बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कोरबा सहित प्रदेश के 7 अन्य जिलों में अतिरिक्त सेंटर खोलने की स्वीकृति दी गई थी, जिसके परिप्रेक्ष्य में अब यहाँ तैयारियां तेज हो गई हैं।

सखी वन स्टॉप सेंटर का मुख्य उद्देश्य निजी या सार्वजनिक स्थानों पर हिंसा से पीड़ित महिलाओं को एकीकृत सहायता प्रदान करना है। यहाँ महिलाओं को आपातकालीन चिकित्सा सहायता, पुलिस सहायता और कानूनी परामर्श, मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग, अस्थायी आश्रय मिलेगा।

इस सेंटर को सुचारू रूप से चलाने के लिए विभिन्न पदों पर भर्ती प्रक्रिया लगभग पूरी कर ली गई है। आवेदन की अंतिम तिथि 31 दिसंबर थी। स्वीकृत पदों में केंद्र प्रशासक, साइको सोशल काउंसलर, केसवर्कर, पैरा लीगल कार्मिक, पैरा मेडिकल स्टाफ, कार्यालय सहायक, रसोइया और सुरक्षा गार्ड शामिल हैं। यदि नियमित भर्ती में विलंब होता है, तो संरक्षण अधिकारी और पर्यवेक्षकों की अस्थायी सेवाएं लेकर सेंटर को तत्काल शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

एक ओर जहाँ दूसरे वन स्टॉप सेंटर की खुशी है, वहीं दूसरी ओर जिले में 'सखी निवास' (वर्किंग वुमन हॉस्टल) योजना अब भी फाइलों और तलाश में अटकी हुई है। भारत सरकार के मिशन शक्ति अभियान के तहत 50 बिस्तरों वाले इस सर्वसुविधायुक्त हॉस्टल के लिए विभाग को उपयुक्त किराए का भवन नहीं मिल रहा है। विभाग के पास 37,500 रुपये प्रतिमाह तक का किराया देने का बजट है, लेकिन मानकों (सीसीटीवी, गीजर, वाटर कूलर, ऑफिस स्पेस) पर खरा उतरने वाला भवन कोरबा में उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।

दस बजे तक कार्यालय में उपस्थिति के साथ बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम में ऑनलाइन एंट्री अवश्य करें अधिकारी-कर्मचारी: कलेक्टर

कोरबा। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने आज समय-सीमा की बैठक में फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय, मुख्यमंत्री जनदर्शन, पीजीएन जनशिकायत, मानव अधिकार आयोग, कलेक्टर जनदर्शन से संबंधित लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को शीघ्रता से कार्यवाही के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि लंबित पत्रों का परीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित कर संबंधित को सूचित किया जाना चाहिए। उन्होंने शासन के निर्देशानुसार सभी विभागों में आधार-फेस आधारित बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम में ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया कि वे निर्धारित समय में कार्यालय पहुँचे और अपने अधीनस्थ कर्मचारियों की भी समय पर उपस्थिति सुनिश्चित कराते हुए ऑनलाइन एंट्री दर्ज कराएँ। कलेक्टर ने किसी प्रकार की तकनीकी समस्या होने पर एनआईसी से समन्वय कर इसका निराकरण करने के निर्देश देते हुए विलंब से आने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध नोटिस जारी करते हुए कार्यवाही की बात कही है।कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर श्री दुदावत ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को सियान जतन दिवस के माध्यम से नियमित शिविर लगाते हुए वरिष्ठ नागरिकों की नियमित स्वास्थ्य जाँच करने के निर्देश दिए। उन्होंने शिविर में पर्याप्त चिकित्सकीय अमला की ड्यूटी लगाते हुए शुगर, बीपी, हाइपरटेंशन की जाँच के निर्देश भी दिए।कलेक्टर ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि वे तहसीलदार, पटवारी, समिति के माध्यम से किसानों से जुड़ी समस्याओंकृरकबा संशोधन, अन्य त्रुटियों को दूर करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मूल किसानों को धान बेचने में किसी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े और शासन द्वारा दी जा रही सुविधा का लाभ मिल सके।बैठक में कलेक्टर ने पसान में पीएचसी के पास स्वीकृत भवन के कार्य में प्रगति नहीं होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए हाउसिंग बोर्ड के अधिकारी को निर्देशित किया कि दो दिवस के भीतर कार्य प्रारंभ कराएँ, अन्यथा संबंधित ठेकेदार को ब्लैकलिस्टेड करते हुए टर्मिनेट करना सुनिश्चित करें।कलेक्टर श्री दुदावत ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को पीएम सूर्यघर योजना में प्रगति लाने और जनपद स्तर पर बैठक आयोजित कर सरपंच और सचिवों के माध्यम से इच्छुक हितग्राही को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस माह के भीतर लक्ष्य अनुसार प्रगति लाने के निर्देश भी दिए।कलेक्टर ने सभी विभागों में बंद हो चुकी योजनाओं के अंतर्गत बैंक खातों को बंद करते हुए इस माह तक रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश कोषालय अधिकारी को दिए।

उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशानुसार आवारा पशुओं, आवारा कुत्तों के रहवास, भोजन तथा सुरक्षा के लिए शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, खेल परिसरों सहित महत्वपूर्ण स्थानों पर बाउंड्रीवाल/फेंसिंग लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षा अधिकारी को अहाताविहीन विद्यालयों की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।कलेक्टर ने आवारा कुत्तों के टीकाकरण, नसबंदी करने, अस्पतालों में एंटी रेबीज टीका एवं अन्य दवाइयाँ उपलब्ध रखने, महत्वपूर्ण मार्गों पर आवारा मवेशियों के जमावड़े वाले स्थान का चिन्हांकन कर दुर्घटनाओं को रोकने के संबंध में भी निर्देश दिए।

आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप पर न्यायालय ने ठहराया महिला को दोषी

दोष सिद्ध होने पर सत्र अदालत ने सुनाई 5 साल की सश्रम कैद की सजा

कोरबा । हत्या और आत्महत्या से जुड़े एक गंभीर मामले में कोरबा की सत्र अदालत ने एक अहम फैसला सुनाया है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एस. शर्मा की अदालत ने एक महिला को दोषी ठहराते हुए पांच वर्ष के सश्रम कारावास और पांच हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

लोक अभियोजक राजेंद्र साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त मामला कोरबा-चांपा मार्ग अंतर्गत उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम कुकरीचोली का है। 12 मई 2024 को पति अपनी पत्नी और पुत्री के साथ घर के एक कमरे में सो रहा था। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। दरवाजा तोड़कर अंदर देखा गया तो पति का शव खून से लथपथ पड़ा था, जबकि पत्नी सुजाता और पुत्री जयशिका अचेत अवस्था में मिली थीं।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि पत्नी और पुत्री की हत्या की गई थी, जबकि पति ने आत्महत्या की थी।जांच में सामने आया कि मृतक पुरुष ने उरगा के सलिहाभांठा ओवरब्रिज के पास रहने वाली महिला के मकान का निर्माण कार्य किया था। इस कार्य के एवज में महिला पर पुरुष के करीब 1 लाख 88 हजार 100 रुपये बकाया थे। लंबे समय से भुगतान नहीं मिलने के कारण पुरुष मानसिक तनाव में था और लगातार राशि की मांग कर रहा था। पुलिस ने उसके घर से मजदूरी भुगतान से संबंधित दस्तावेज जब्त किए, जिनमें बकाया राशि का उल्लेख था। साथ ही महिला के यहां काम करने वाले अन्य मजदूरों और मृतक के परिजनों के बयान दर्ज किए गए, जिनसे बकाया भुगतान की पुष्टि हुई।

सभी साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर पुलिस ने महिला के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया। मामले की सुनवाई कोरबा की सत्र अदालत में चल रही थी। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने कठोर सजा की मांग करते हुए कहा कि आरोपी की प्रताड़ना के कारण पुरुष और उसका पूरा परिवार खत्म हो गया। वहीं बचाव पक्ष ने दलील दी कि आरोपी महिला है और उसके ऊपर बच्चों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने माना कि मृतक की आत्महत्या और पत्नी व पुत्री की हत्या से अपराध की गंभीरता और बढ़ जाती है। इसके बाद न्यायालय ने महिला को दोषी ठहराते हुए पांच वर्ष के सश्रम कारावास और पांच हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई।

सौर सुजला योजना ने बदली किस्मत: केंदई की बधानो बिंझवार बनीं आत्मनिर्भर किसान

कोरबा । ग्राम केंदई की श्रीमती बधानो बिंझवार आज ग्रामीण क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और प्रगतिशील खेती का जीवंत उदाहरण हैं। पहले उनकी खेती केवल सीमित सिंचाई पर निर्भर थी। बिजली उपलब्ध न होने या डीज़ल के बढ़ते खर्च के कारण वे खेतों को समय पर पानी नहीं दे पाती थीं। इससे फसल उत्पादन कम होता था और परिवार की आर्थिक स्थिति भी प्रभावित रहती थी।

स्थिति तब बदली, जब उन्हें सौर सुजला योजना के तहत सोलर पंप का लाभ मिला। सोलर पंप लगने के बाद उनके खेतों को नियमित और निरंतर पानी मिलना शुरू हुआ। अब वे बिना किसी रुकावट के समय पर सिंचाई कर पाती हैं। परिणामस्वरूप धान के साथ अन्य फसलों का उत्पादन भी बढ़ा। बेहतर सिंचाई से फसल की गुणवत्ता सुधरी और बाजार में उचित मूल्य मिलने लगा।

सोलर पंप ने न केवल डीज़ल खर्च को समाप्त किया, बल्कि समय और मेहनत दोनों बचाए। सिंचाई की सुविधा पक्की होने से श्रीमती बधानो बिंझवार की खेती अब मुनाफे की खेती बन चुकी है। उनकी आय में लगातार वृद्धि हुई है और परिवार आर्थिक रूप से मजबूत हुआ है। आज वे गांव की महिलाओं और किसानों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं, यह दिखाते हुए कि सही सुविधा और प्रयास से ग्रामीण जीवन में भी बड़ा परिवर्तन संभव है।

पी. एम. विश्वकर्मा योजना से बदली शाहिना की जिंदगी

कोरबा। छत्तीसगढ़ शासन की पी. एम. विश्वकर्मा योजना ने कोरबा जिले की शाहिना अंजुम के जीवन में एक नई दिशा दी है। परंपरागत दर्जी कार्य से जुड़ी शाहिना हमेशा से अपने व्यवसाय को आधुनिक तरीके से आगे बढ़ाना चाहती थीं, परंतु संसाधनों और बेहतर तकनीक की कमी उनके सामने बड़ी चुनौती थी।लाइवलीहुड कॉलेज कोरबा में टेलर (दर्जी) ट्रेड का प्रशिक्षण उनके लिए अवसरों का नया द्वार साबित हुआ। प्रशिक्षण के दौरान शाहिना ने न सिर्फ आकर्षक और आधुनिक डिज़ाइनिंग के तरीके सीखे, बल्कि नए उपकरणों का उपयोग कर गुणवत्तापूर्ण और आकर्षक परिधान तैयार करना भी सीखा। इस कौशल विकास ने उनके आत्मविश्वास को कई गुना बढ़ा दिया।

सरकार की योजना के माध्यम से उन्हें एक सप्ताह के प्रशिक्षण के दौरान चार हजार रुपये का स्टाइपेंड मिला, जिससे प्रशिक्षण अवधि में आर्थिक सहयोग मिला। इसके साथ ही बिना गारंटर एक लाख रुपये तक का लोन प्राप्त होना उनके लिए बड़ा सहारा साबित हुआ। इसी आर्थिक सहायता से उन्होंने अपनी दर्जी की दुकान को आधुनिक रूप देकर काम का दायरा बढ़ाया।आज शाहिना अंजुम अपने हुनर, मेहनत और सरकारी योजनाओं के सहयोग से अपने परंपरागत व्यवसाय को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही हैं। उनकी कहानी इस बात का प्रमाण है कि सही प्रशिक्षण, तकनीक और थोड़ी सी आर्थिक सहायता से कोई भी उद्यम नई उड़ान भर सकता है। शाहिना अब आत्मनिर्भर हैं और अपने कार्य से परिवार का सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर रही हैं।

विधायक के प्रयास से रामपुर विधानसभा क्षेत्र के कई गांवो में बनेगी सड़क

कोरबा। रामपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक फूल सिंह राठिया ने एक बार फिर अपनी सक्रिय कार्यशैली से यह सिद्ध कर दिया है कि वे घोषणाओं से नहीं, बल्कि धरातल पर विकास कार्यों से पहचान बनाते हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत कोरबा जिले के रामपुर विधानसभा क्षेत्र में 23.50 किलोमीटर लंबाई की ग्रामीण सड़कों के निर्माण एवं अनुरक्षण कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है। इन सड़कों पर कुल 2175.59 लाख (जीएसटी सहित) की लागत आएगी। यह स्वीकृति बैच-1, वर्ष 2025-26 के अंतर्गत दी गई है। प्रस्तावित सड़कें करतला और कोरबा विकासखंड के ग्रामीण अंचलों में बनाई जाएंगी, जिससे लंबे समय से बुनियादी सड़क सुविधा से वंचित गांवों को मुख्य मार्गों से जोड़ा जा सकेगा। इनमें चोरभट्टी से तराईमार वाया कछार मार्ग (7.40 किमी) सबसे लंबा है, जिसकी लागत ?696.87 लाख निर्धारित की गई है। विधायक फूल सिंह राठिया ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कें केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक विकास की नींव होती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि दूरस्थ गांवों को मुख्यधारा से जोड़ना उनकी प्राथमिकता है और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

स्थानीय ग्रामीणों ने इन सड़कों की स्वीकृति को क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में अहम कदम बताया है।

कोल अफसरों के ग्रेच्युटी की सीमा बढ़ी

कोरबा। कोल इंडिया लिमिटेड ने अपने अधिकारियों और गैर-संघीकृत पर्यवेक्षकों को बड़ी राहत देते हुए ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दी है। इस संबंध में कोल इंडिया प्रबंधन ने सोमवार को आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है। नए साल की शुरुआत में लिए गए इस फैसले से कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों में कार्यरत अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों में खुशी का माहौल है।

कोल इंडिया के नीति प्रकोष्ठ के अंतर्गत मानव संसाधन विभाग के महाप्रबंधक की ओर से जारी आदेश के अनुसार संशोधित ग्रेच्युटी सीमा 1 अक्टूबर 2025 से प्रभावी होगी। आदेश में बताया गया है कि यह निर्णय डीपीई वेतन पुनरीक्षण दिशानिर्देश-2017 के क्रियान्वयन के तहत लिया गया है। कंपनी प्रावधानों के अनुसार 1 अक्टूबर 2025 को औद्योगिक महंगाई भत्ता 50 प्रतिशत से बढ़कर 51.8 प्रतिशत हो जाने के कारण ग्रेच्युटी सीमा में 25 प्रतिशत की वृद्धि का प्रावधान लागू किया गया है।

आदेश के तहत अब कोल इंडिया लिमिटेड और उसकी सभी अनुषंगी कंपनियों में कार्यरत अधिकारियों एवं गैर-संघीकृत पर्यवेक्षकों को बढ़ी हुई ग्रेच्युटी सीमा का लाभ मिलेगा। इससे पहले ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा 20 लाख रुपये निर्धारित थी, जिसे बढ़ाकर अब 25 लाख रुपये कर दिया गया है। इस आदेश के जारी होने के बाद कोल इंडिया के कर्मचारियों के बीच भी ग्रेच्युटी सीमा बढ़ाने को लेकर चर्चा तेज हो गई है। कर्मचारियों का कहना है कि स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड में ग्रेच्युटी की सीमा 20 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपये की जा चुकी है, ऐसे में कोयला कर्मचारियों को भी इसी तर्ज पर लाभ मिलना चाहिए। इसे लेकर श्रमिक संगठनों द्वारा पूर्व में कोल इंडिया प्रबंधन को पत्र भी लिखा जा चुका है।

धान खरीदी की पारदर्शी प्रक्रिया ने किसान रामचन्द्र का उत्साह बढ़ाया

कोरबा। इस साल प्रदेश में धान खरीदी शुरू होते ही किसानों में नई ऊर्जा और उमंग देखने को मिली। किसानों के लिए समर्थन मूल्य पर फसल बेचने का अवसर, उनकी मेहनत को सही मूल्य मिलने का भरोसा लेकर आया है। सुचारू व्यवस्था और ऑनलाइन टोकन सुविधा ने किसानों का आत्मविश्वास और बढ़ा दिया, जिससे वे बिना किसी झंझट के अपनी फसल उपार्जन केंद्रों में बेचने पहुँच रहे हैं।

पाली विकासखंड की सहकारी समिति चैतमा में रजकम्मा गाँव के किसान रामचन्द्र अहीर ने 0.3290 हेक्टेयर जमीन पर उगाई गई धान की 16 क्विंटल उपज बेची। रामचन्द्र ने बताया कि खरीदी प्रक्रिया बेहद सहज और त्वरित थी, जिससे उन्हें अपने प्रयास का उचित मूल्य मिला और वे पूरी तरह संतुष्ट हुए। उन्हें यह देखकर खुशी हुई कि समर्थन मूल्य ने उनकी मेहनत का सही सम्मान किया।

रामचन्द्र ने ऑनलाइन टोकन के जरिए पहले ही अपना पंजीकरण कर लिया था। घर बैठे ही टोकन मिलने के बाद समिति पहुंचते ही उन्होंने बिना किसी परेशानी के अपनी धान बिक्री पूरी की। मोबाइल ऐप और सुव्यवस्थित व्यवस्था ने उन्हें समय की बचत और सहज अनुभव प्रदान किया। समिति में कर्मचारियों का सहयोग और त्वरित खरीदी ने उनके मन में आत्मविश्वास और विश्वास को और मजबूत किया।किसान रामचन्द्र मुस्कुराते हुए कहते हैं समर्थन मूल्य पर हमारी धान खरीदी ने हमारी मेहनत को सही पहचान दी। हमारी उपज का मूल्य बढ़ा और हमें नई ऊर्जा मिली। सरकार की इस व्यवस्था ने हमें भविष्य में और बेहतर खेती करने की प्रेरणा दी।

आगामी जनगणना 2027 हेतु कोरबा में GOOGLE EARTH PRO आधारित भू-संदर्भण प्रशिक्षण आयोजित

कोरबा । आगामी जनगणना 2027 की तैयारी को तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने तथा ग्रामों की भौगोलिक सीमा और स्थिति के सटीक भू-संदर्भण के लिए आज कलेक्टर सभा कक्ष, कोरबा में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन दोपहर 01:00 बजे किया गया, जिसमें जनगणना कार्य निदेशालय, छत्तीसगढ़ द्वारा जिला कोरबा के लिए नियुक्त नोडल अधिकारी श्री बैद्यनाथ कुमार ने के उपयोग संबंधी विस्तृत तकनीकी जानकारी प्रदान की।नोडल अधिकारी ने बताया कि आगामी जनगणना 2027 पूर्णतः डिजिटल मोड में संचालित की जाएगी। इसके प्रथम चरण का कार्य अप्रैल 2026 से सितंबर 2026 तक तथा द्वितीय चरण का कार्य फरवरी 2027 में संपादित किया जाएगा।

पंकज पटेल ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सक्ती के पद पर कार्यभार ग्रहण किया

सक्ती। पंकज पटेल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कोरिया से स्थानांतरण होने पर सक्ती जिले में अपनी ज्वाईनिंग देकर पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर (भापुसे) से सौजन्य भेंट की पुलिस अधीक्षक द्वारा उनको जिले की भौगोलिक राजनैतिक एवं सामाजिक व अपराधिक गतिविधियो के संबंध में जानकारी दी। श्री पकंज पटेल इसके पूर्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में बेमेतरा, मुंगेली एवं कोरिया में अपनी सेवाएं दे चुके है। मूलत: रायगढ़ निवासी पंकज पटेल एसडीओपी के रूप में नारायणपुर एवं कटघोरा जिला कोरबा में पदस्थ रहे है तथा अपने व्यवहार एवं सूझबूझ से विभिन्न अवसरों पर पूर्व में पदस्थ जिलो मे कानून व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण में सफल रहे हैं। पंकज पटेल की ज्वाईनिंग के समय रक्षित निरीक्षक उमेश कुमार राय, निरीक्षक प्रभारी स्टेनो वाय.एन.शर्मा एवं कार्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित था।

न्यूनतम पारा 3.8 डिग्री पहुंचा

अंबिकापुर। उत्तर-पश्चिम से आ रही बर्फीली हवाओं ने सरगुजा में ठंड के तेवर तीखे कर दिए हैं। मंगलवार को अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान गिरकर 3.8 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। पूरा जिला शीतलहर की चपेट में है। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक येलो अलर्ट जारी किया है। भीषण ठंड और बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर अजीत वसंत ने जिले के सभी प्राथमिक विद्यालयों (कक्षा 1 से 5वीं तक) में 10 जनवरी तक अवकाश घोषित कर दिया है।

8 लाख मादक पदार्थ के साथ पकड़ाया पुलिस कर्मी

जांजगीर। शिवरीनारायण पुलिस ने महासमुंद के आरक्षक को गांजा तस्करी करते गिरफ्तार किया गया है। आरोपी आरक्षक कार में नाबालिग के साथ गांजा डिलीवरी करने निकला था। पुलिस को कार की तलाशी में थैले में 15 पैकेट गांजा मिला। इसका वजन 15 किलो 700 ग्राम पाया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 7 लाख 85 हजार रुपए है। शिवरीनारायण पुलिस के अनुसार आरक्षक चंद्रशेखर साहू (37) पुलिस लाइन महासमुंद में पदस्थ है। पुलिस को 5 जनवरी को सूचना मिली थी कि कार नंबर- सीजी 06 एचएई 2340 में दो लोग गांजा लेकर जा रहे हैं। सूचना पर पुलिस ने नाकाबंदी कर जांच शुरू की। इस दौरान संदिग्ध कार को रोककर तलाशी ली गई। कार की तलाशी में थैला मिला, जिसमें गांजा पैकेट्स में बंद था। पुलिस ने फौरन आरक्षक चंद्रशेखर साहू, निवासी सलखंड, थाना बसना, जिला महासमुंद व कार में मौजूद नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया। नाबालिग को किशोर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। वहीं आरोपी आरक्षक को रिमांड पर भेज दिया गया है। आरोपी से दो मोबाइल व कार की जब्ती की गई है। पांच दिन में तीन मामले में 23 किलो गांजा जब्त हुआ नए साल के पहले पांच दिन में जिले में तीन अलग-अलग जगहों पर गांजा तस्करी के मामले सामने आए हैं। पुलिस ने इन मामलों में 23 किलो गांजा जब्त कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गांजा ओडिशा से होकर महासमुंद होते हुए शिवरीनारायण और बलौदा-बाजार के रास्ते बिलासपुर और मुंगेली भेजा जा रहा था।

साहू समाज का नही हुआ अपमान:हरप्रसाद

बंदर राजा का दिया है उदाहरण

भूपेश के नेतृत्व में साहू समाज को मिली है तवज्जो

जाँजगीर। गत दिवस बिलासपुर के लिंगियाडीह में आयोजित सभा में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी ने एक कहानी में बंदर राजा का उदाहरण देकर उप मुख्यमंत्री अरुण साव जी की सच्चाई बताने का प्रयास किया है के साव जी को मोहरा बनाकर बीजेपी रखी है उप मुख्यमंत्री होने के बावजूद भी किसी तरह के प्रभावशालिता नही दिखाई दे रहा है जबकि ज़्यादातर साहू वोट बीजेपी के पक्ष में था ज्ञात हो कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के समय में साहू समाज की आराध्य देवी माता कर्मा के जन्मजयन्ति के अवसर पर अवकाश की घोषणा किया गया और साहू समाज के विकास के लिये तेलघानी बोर्ड का गठन किया गया उनके ही कार्यकाल में राजिम महोत्सव के लिए पर्याप्त फंड उपलब्ध कराया गया उक्त बाते हरप्रसाद साहू सचिव प्रदेश कांग्रेस कमेटी छत्तीसगढ़ ने कही उन्होंने आगे और कहा कि इनके साथ साथ ज़्यादा से ज़्यादा साहू बंधुओं को निगम,बोर्ड ,मण्डल और आयोग में नियुक्ति मिली है,और साहू समाज के अपमान की बात है तो अरुण साव उप मुखमंत्री सहित भाजपा के अन्य लोगो को बताना चाहिये कि अभी तक जितनी नियुक्ति हुई है उसमे साहू समाज को कितनी प्रतिशत हिस्सेदारी मिली है भाजपा साहू समाज का सिर्फ़ उपयोग करती है जबकि वास्तविक समय में उन्हें पीछे कर देती है स्व ताराचंद साहू जी को किनारे करनी वाली बीजेपी कब से साहू समाज का हितैषी बन गई इसी तरह उत्तरप्रदेश में भी केशव मौर्य जी जोकि साहू समाज से आते है उनके नेतृत्व में चुनाव जीती तथा योगी जी को ताज पहना दिया साहू हितैषी है अगर अरुण साव जी तो उन्हें इस बात पर गौर करनी चाहिए साहू समाज किसी भी राजनैतिक दल का गुलाम नही है समय समय पर आईना दिखाने का कार्य समाज द्वारा किया जाता रहा है जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण यह है कि सन् 2018 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी के साहू 13 उम्मीदवारों को हार जा मुँह देखना पड़ा था सिर्फ़ एक सीट ही बीजेपी जीती थी जिस व्यक्ति ने अपने कार्यकाल में साहू समाज का सुध लिया था और जिसने समाज के लिए कोई अपमानित शब्द का उपयोग ही नही किया उस व्यक्ति से साहू समाज माफी की माँग क़तई नही करता है

कटौद में 300 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब जब्त

जांजगीर। जिला पुलिस ने जहरीली महुआ शराब पीने वालों के संदिग्ध मौत के केस सामने आने पर छापेमारी शुरू की है। नवागढ़ पुलिस ने मंगलवार को कटौद में छापेमारी कर 300 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब बरामद की है। यहां फैक्ट्री की तरह बड़ी मात्रा में शराब बनाई जा रही थी।

पुलिस ने अलग-अलग 8 ड्रम में रखी शराब और मौके से बड़ी मात्रा में जब्त महुआ लहान नष्ट किया है। इसके अलावा शराब बनाने का बर्तन भी जब्त किया गया है। इसी तरह कोटमीसोनार पुलिस ने आरोपी किशन दास के कब्जे से 12 लीटर, बलौदा पुलिस ने मनोबोध धनुवार के कब्जे से 10 लीटर और नवागढ़ पुलिस ने रथराम यादव के कब्जे से 10 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब बरामद कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

नरियरा में निकाली जा रही प्रभात फेरी

नरियरा। नगर पंचायत नरियरा के बीच स्थित महावीर गुड़ी पर स्थित हनुमान मंदिर प्रांगण में प्रतिदिन हनुमान चालीसा पाठ, श्रीराम स्तुति और रामचरित मानस के दोहों के साथ आरती का आयोजन किया जाता है। प्रत्येक माह नगर की 6 से 7 टोलियों में यह प्रभात फेरी माह के अनुसार बदलती रहती है। यह परंपरा नगर में वर्षों से निरंतर जारी है और आज भी उसी उत्साह, मर्यादा और अनुशासन के साथ मनाई जाती है। प्रभात फेरी सुबह ब्रह्म मुहूर्त में मंदिर परिसर से प्रारंभ होती है और नगर के प्रमुख चौक-चौराहों, मुख्य मार्गों और मोहल्लों से होकर गुजरती है। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होते हैं। वे अपने हाथों में श्रीराम दरबार की भव्य तैलचित्र झांकी, भगवा ध्वज और दीप लेकर नृत्य करते हुए नगर भ्रमण करते हैं। इस दौरान जय श्रीराम और हरि बोल जैसे जयघोष पूरे वातावरण को भक्तिमय बना देते हैं। नगर के

वरिष्ठ नागरिकों ने बताया कि यह प्रभात फेरी केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि नरियरा नगर की सांस्कृतिक पहचान भी है। भजन-कीर्तन से गूंजी गलियां प्रभात फेरी के दौरान भजन-कीर्तन, मृदंग, मंजीरा और ढोलक की मधुर ध्वनि से नगर की गलियां गूंज उठती हैं। श्रद्धालु नए और पारंपरिक भजनों का सामूहिक गायन करते हुए अनुशासन और भक्तिभाव के साथ आगे बढ़ते हैं।

शराब पीने पैसे नहीं देने पर महिलाओं पर लाठी से हमला

सक्ती। नगर के वार्ड-6 में राम मंदिर के पास सत्संग भवन में 4 जनवरी की शाम करीब 5 बजे शकुंतला देवी गर्ग मोहल्ले की 10-12 महिलाओं के साथ हर दिन की तरह भजन-कीर्तन कर रही थीं। इस दौरान मोहल्ले का शत्रुघन केंवट वहां पहुंचा और शराब पीने के लिए पैसे मांगने लगा। महिलाओं के मना करने पर गाली-गलौज करने लगा और जान से मारने की धमकी देकर चला गया। वह कुछ देर बाद लाठी लेकर लौटा और महिलाओं पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में शकुंतला देवी गर्ग का सिर फट गया। लक्ष्मी शर्मा के सिर, हाथ व गर्दन में गंभीर चोटें पहुंची। सीता देवी अग्रवाल को माथे, कंधे और गले में अंदरूनी चोटें आई हैं।

महिलाओं की चीख-पुकार सुनकर मोहल्लेवासी पहुंचे। तब तक आरोपी भाग चुका था। घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना फौरन थाने में दी गई, जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश कर रही है।

कलेक्टर ने नेशनल रोवर-रेंजर जम्बूरी के लिए जिले के दल को दिखाई हरी झण्डी

जांजगीर-चांपा। कलेक्टरजन्मेजय महोबे ने नेशनल रोवर-रेंजर जम्बूरी दुधली, बालोद के लिए जिले के 136 सदस्यीय दल को आज कलेक्टोरेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान जिले से तीन बसों के माध्यम से दल जम्बूरी के लिए प्रस्थान किया। इस अवसर पर पूर्व संसदीय सचिव अंबेश जांगड़े, नगर पालिका जांजगीर-नैला अध्यक्ष श्रीमती रेखा गढ़ेवाल, जिला मुख्य आयुक्त भारत स्काउट एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ हितेश यादव, पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी अशोक सिन्हा सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। स्कूल शिक्षा मंत्री एवं राज्याध्यक्ष भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ गजेन्द्र यादव के नेतृत्व में दुधली, बालोद में नेशनल रोवर-रेंजर जम्बूरी का आयोजन किया जा रहा है। जम्बूरी के अंतर्गत 7 एवं 8 जनवरी को राज्य स्तरीय पूर्वाभ्यास शिविर तथा 9 से 13 जनवरी तक नेशनल जम्बूरी कैम्प आयोजित होगा। जिले से चयनित 136 प्रतिभागी जिला सचिव श्री दीपक कुमार यादव, डीओसी स्काउट डॉ. सुरेन्द्र कुमार सोनी एवं डीओसी गाइड कु. श्वेता जायसवाल के नेतृत्व में प्रदर्शनी, क्विज, एडवेंचर गतिविधियों सहित विभिन्न जम्बूरी आयोजनों में सहभागिता करेंगे। नेशनल रोवर-रेंजर जम्बूरी में देश-विदेश से लगभग 15 हजार रोवर एवं रेंजर शामिल होंगे।

अंतर विद्यालयिन बालिका खो खो प्रतियोगिता सत्र 2025-26

चांपा। दिनांक 05 जनवरी 2026 को शा. उ. मा. वि. धारशिव (रोगदा) मे बालिका खो खो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस प्रतियोगिता में कुल 8 विद्यालय के खिलाडियों ने भाग लिया। फाइनल मैच शा. उ. मा. वि. धारशिव रोगदा एवं शा. पूर्व. मा. शाला, धाराशिव के मध्य खेल गया। जिसमे शा. उ. मा. वि. धारशिव रोगदा की टीम विजेता रही। प्रतियोगिता मे मुख्य अतिथि के रूप मे नरेन्द्र कौशिक जिलाध्यक्ष भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा रहें इन्होने विद्यार्थी जीवन मे खिलाड़ियों के शारीरिक मानसिक बौद्धिक विकास पर जोर देते हुये खेल को हमेशा खिलाडी भावना से खेलते हुये अपनी प्रतिभा को सर्वोच्च स्तर पर स्थापित करने की बात कही ।कार्यक्रम मे विजेता टीम को 3000/- रुपये नगद राशि एवं विजेता ट्रॉफी प्रदान की गयी वही दूसरी ओर उपविजेता टीम को 2000/- नगद राशि एवं उपविजेता ट्रॉफी प्रदान की गयी। बेस्ट रनर, बेस्ट चेसर एवं सर्वश्रेष्ठ खिलाडी के रूप मे 200/-,200/- एवं 500/- के साथ स्मृति चिन्ह प्रदान की गयी। अन्य सभी प्रतिभागी टीमो को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। खेल प्रतियोगिता को सुचारु रूप से संपन्न करवाने के लिए आये सभी रेफरीयो को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। अंत मे डीक्सेना सर जी के द्वारा अतिथियों एवं खिलाडियों को धन्यवाद ज्ञापित कर उनका सम्मान किया।

शा. उ. मा. वि. धारशिव (रोगदा) के समस्त आदरणीय शिक्षकों के योगदान से यह प्रतियोगिता सफलता पूर्वक संपन्न हो सका। कार्यक्रम मे मुख्यरूप से अनूप कुमार राय सेवानिवृत पूर्व जिला क्रीड़ा अधिकारी, जिला कोरबा नवागढ़ विकासखंड क्रीड़ा अधिकारी अशोक कुमार साहू पंचु राम सरपंच ग्राम पंचायत धारशिव देवेंद्र यादव अध्यक्ष शाला विकास समिति, गोपी यादव कश्यप प्राचार्य शा. हाई.स्कूल, रोगदा, प्राचार्य धैर्य पब्लिक स्कूल, रोगदा, प्राचार्य गुरुकुल स्कूल, हरदी मिश्रा प्राचार्य वंदे मातरम् विद्यालय नवागढ़, चौबे दहिदा, राठौर आमनारा हरदी, व्यायाम शिक्षक राठौर , व्यायाम शिक्षक हंस सर कुटरा उपस्थित रहे।

जिले के सभी शासकीय उचित मूल्य दुकानों में 2 से 9 तक मनाया जा रहा चावल उत्सव

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ राज्य गठन की रजत जयंती के अवसर पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा विभागीय गतिविधियों के विशेष सप्ताह के रूप में मनाया जा रहा है। जिसके तहत 02 से 09 जनवरी 2026 तक छत्तीसगढ़ रजत जयंती चावल उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिला खाद्य अधिकारी श्री कौशल साहू ने बताया कि इसी क्रम में रजत जयंती चावल उत्सव का आयोजन जिले के सभी शासकीय उचित मूल्य दुकानों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, निगरानी समिति के सदस्यों, दुकान संचालकों एवं हितग्राहियों की सहभागिता के साथ कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

उत्सव के माध्यम से सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने का संदेश दिया गया। विशेष सप्ताह के अंतर्गत शेष राशन कार्ड धारियों एवं हितग्राहियों की ई-केवाईसी पूर्ण कराने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है, ताकि सभी पात्र हितग्राही योजनाओं का लाभ निर्बाध रूप से प्राप्त कर सकें। इसके साथ ही सभी उचित मूल्य दुकानों में प्रदर्शित सूचना बोर्ड, स्टॉक पंजी, वितरण पंजी एवं चावल उत्सव पंजी को अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे रिकॉर्ड संधारण में पारदर्शिता बनी रहे। आज जिले के शासकीय उचित मूल्य दुकान सिवनी (आईडी क्रमांक 542004027) में छत्तीसगढ़ रजत जयंती चावल उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती उमा राजेंद्र राठौर, जनपद सदस्य बलौदा श्री चुड़ामणि राठौर, ग्राम पंचायत सिवनी की सरपंच श्रीमती कृष्ण कुमारी गोंड, ग्राम पंचायत सिवनी के सचिव राधेश्याम पाटले सहित प्राथमिकता, अंत्योदय, निराश्रित एवं सामान्य राशन कार्डधारी हितग्राही उपस्थित रहे। इस अवसर पर सेल्समेन श्रीमती राधिका राठौर द्वारा माह जनवरी 2026 के अंतर्गत हितग्राहियों को चावल, शक्कर एवं नमक का वितरण किया गया।

कलेक्टर ने ली शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी के प्राचार्यों की बैठक

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने मंगलवार को आकांक्षा आवासीय विद्यालय जांजगीर के सभाकक्ष में आगामी बोर्ड परीक्षा की तैयारियों के संबंध में शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्यों की बैठक ली। कलेक्टर ने स्कूलवार परीक्षा परिणामों का विश्लेषण कर कम परिणाम के कारणों पर चर्चा की और आगामी बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर रणनीति के साथ शिक्षण कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं में अब अधिक समय शेष नहीं है, ऐसे में रणनीति के साथ बच्चों को तैयारी कराई जाए। कठिन विषयों पर निरंतर अभ्यास, कमजोर विद्यार्थियों की पहचान कर विशेष मार्गदर्शन, विषयवार ब्लूप्रिंट की समझ तथा पूर्व वर्षों के प्रश्न पत्रों का अभ्यास अनिवार्य रूप से कराया जाए। कलेक्टर ने परीक्षा परिणाम को शत-प्रतिशत तक लाने के लिए हर संभव प्रयास सुनिश्चित करने कहा।

बैठक में उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के बेहतर परिणाम ही शिक्षकों के कार्य का वास्तविक मूल्यांकन हैं। प्रत्येक विद्यार्थी की क्षमता के अनुसार व्यक्तिगत मार्गदर्शन देकर उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया जाए। कलेक्टर ने सभी प्राचार्यों, शिक्षकों एवं अधिकारियों से टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि जिले के विद्यार्थी राज्य स्तर पर श्रेष्ठ प्रदर्शन करें, यही सामूहिक लक्ष्य होना चाहिए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता, मेन्यू के अनुसार वितरण तथा बच्चों की नियमित उपस्थिति पर सतत निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि मध्यान्ह भोजन में किसी भी प्रकार की शिकायत सामने नहीं आनी चाहिए।

इसके साथ ही कलेक्टर ने सभी विद्यालयों में अपार आईडी निर्माण कार्य को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्कूली विद्यार्थियों के आधार अपडेशन कार्य में भी तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन विद्यार्थियों का आधार अपडेट लंबित है, उनका शीघ्र सत्यापन एवं अद्यतन कराया जाए। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री अशोक सिन्हा, डीएमसी श्री एच. आर. जायसवाल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जमानत के नाम पर रिश्वत मांगी, आरक्षक निलंबित

जांजगीर। चांपा कोर्ट परिसर में एक महिला अधिवक्ता से रिश्वत मांगने वाले आरक्षक रंजीत कुमार अनंत को एसपी विजय कुमार पांडेय ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह मामला 2 जनवरी का है, जब अकलतरा की अधिवक्ता प्रियंका एक आरोपी की जमानत कराने पहुंची थीं। आरक्षक ने जुगाड़ से काम कराने का झांसा देकर नया साल के खर्चे के रूप में 3000 रुपये की मांग की। उसने ऑनलाइन माध्यम से 1000 रुपये प्राप्त किए और शेष राशि के लिए दबाव बनाया। महिला अधिवक्ता की लिखित शिकायत पर गंभीरता दिखाते हुए एसपी ने जांच के बाद दोषी आरक्षक को लाइन अटैच कर दिया है।

आवास निर्माण के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाने पर होगा काम

जांजगीर-चांपा। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत प्रदेश में निर्धारित समय-सीमा में आवास निर्माण कार्य पूर्ण कराए जाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रत्येक माह की 7 तारीख को ग्राम पंचायत स्तर पर आवास दिवस आयोजित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। यह आयोजन चावल महोत्सव एवं महात्मा गांधी नरेगा के रोजगार दिवस के साथ अनिवार्य रूप से किया जाएगा।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोकुल रावटे के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में आवास निर्माण से जुड़ी समस्याओं का त्वरित निराकरण, हितग्राहियों को प्रोत्साहन एवं योजना के प्रावधानों की जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर निम्न बिंदुओं पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है। जिसमें प्रत्येक ग्राम पंचायत में स्वीकृत, निर्माणाधीन एवं पूर्ण आवासों के हितग्राहियों की सूची का वाचन कर स्वीकृति प्रमाण पत्र का वितरण किया जाएगा। 90 दिवस के भीतर अथवा शीघ्रता से आवास निर्माण पूर्ण करने वाले हितग्राहियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। निर्धारित प्रगति के बाद भी लंबित किश्तों के प्रकरणों में ज्ञल्ब् पूर्ण कराकर 7 दिवस के भीतर राशि हस्तांतरण सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत 90 दिवस की अकुशल मजदूरी राशि के भुगतान की स्थिति पर चर्चा की जाएगी। आवास निर्माण में आ रही स्थानीय समस्याओं एवं बाधाओं का प्रत्येक माह 7 तारीख तक चरणबद्ध (2-2) निराकरण कर हितग्राहियों को अवगत कराया जाएगा।

जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारी-कर्मचारी इस कार्य की सतत समीक्षा करेंगे। निर्माण सामग्री, राजमिस्त्री एवं सेंटरिंग प्लेट की उपलब्धता में आ रही समस्याओं के निराकरण हेतु सभी भागीदारों, स्व-सहायता समूह सदस्यों के साथ सामूहिक चर्चा की जाएगी तथा मार्गदर्शिका के अनुसार सामग्री बैंक की स्थापना सुनिश्चित की जाएगी। पीएम जनमन के हितग्राहियों के आवास निर्माण कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण कराने हेतु विशेष प्रेरणा एवं चर्चा की जाएगी। पंचायत पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को योजना के प्रावधानों तथा अन्य विभागों के साथ अभिसरण (कन्वर्जेंस) की संभावनाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों पर चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के टोल फ्री नंबर 1800-233-1290 का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा, ताकि हितग्राही अपनी समस्याओं का त्वरित समाधान प्राप्त कर सकें।

सेमरा पंचायत में सम्मान, सुरक्षा और विकास की नई कहानी

जांजगीर-चांपा। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने विकासखंड नवागढ़ के ग्राम पंचायत सेमरा में केवल पक्के मकान ही नहीं बनाए, बल्कि ग्रामीण जीवन को सम्मान, स्थायित्व और आत्मविश्वास भी दिया है। यह योजना सबके लिए आवास के संकल्प को धरातल पर उतारते हुए पंचायत के समग्र विकास की मजबूत नींव रख रही है।

ग्राम पंचायत सेमरा के निवासी श्री देवारू कुर्रे, पिता श्री कोंदाराम कुर्रे, का नाम आवास प्लस की स्थायी प्रतीक्षा सूची में वित्तीय वर्ष 2024-25 में दर्ज हुआ। इससे पहले वे पत्नी और बच्चों के साथ कच्चे खप्पर के मकान में रहते थे, जहाँ बरसात में पानी भर जाना आम बात थी। ग्राम सभा से अनुमोदन उपरांत सरपंच, सचिव एवं पंचायत अमले के सहयोग से आवश्यक दस्तावेज जमा किए गए और योजना का लाभ सुनिश्चित हुआ। योजना अंतर्गत 1.20 लाख की वित्तीय सहायता, मनरेगा के माध्यम से 21,870 की मजदूरी राशि तथा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) से 12,000 शौचालय निर्माण हेतु प्राप्त हुए। पंचायत, रोजगार सहायक एवं तकनीकी अमले के मार्गदर्शन में उनका आवास समयबद्ध रूप से पूर्ण हुआ। आज श्री देवारू कुर्रे का परिवार स्वच्छ, सुरक्षित और रोशनी से भरे पक्के घर में रह रहा है। उनका कहना है कि अब हमारे बच्चों को बरसात में भीगना नहीं पड़ता। यह घर हमें सम्मान और सुरक्षा दोनों देता है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने सेमरा पंचायत में बहुआयामी परिवर्तन को गति दी है। घरों के निर्माण से स्थानीय मजदूरों, राजमिस्त्रियों और सामग्री विक्रेताओं को रोजगार मिला, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त हुई। प्रत्येक आवास के साथ शौचालय और स्वच्छता सुविधाओं ने स्वास्थ्य मानकों में सुधार किया और खुले में शौच की समस्या में उल्लेखनीय कमी आई। महिलाओं के नाम पर आवास स्वामित्व से सामाजिक सम्मान और आत्मनिर्भरता बढ़ी। आवेदन से भुगतान तक डिजिटल और पारदर्शी प्रक्रिया ने पंचायतों में तकनीकी जागरूकता बढ़ाई और पारदर्शिता सुनिश्चित की। साथ ही, स्वच्छ भारत मिशन, उज्ज्वला योजना और नल-जल योजना जैसे कार्यक्रमों के समन्वय से पंचायत एक आदर्श ग्राम की ओर अग्रसर हुई। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने यह सिद्ध किया है कि घर केवल ईंट-छत नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास का प्रतीक है।

छात्रों को प्रमाण पत्र व पालकों को मिला सम्मान

बाराद्वार। ग्राम पंचायत सकरेली के ज्ञानकुंज पब्लिक हायर सेकंडरी स्कूल में सोमवार को विद्यार्थी प्रतिभा सम्मान एवं पालक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. कुमुदिनी बाघ द्विवेदी मौजूद थीं।

विशिष्ट अतिथियों में शासकीय हाई स्कूल सकरेली के प्राचार्य इंदल सिंह राठिया, हाईकोर्ट अधिवक्ता चितरंजय पटेल, भाजपा नेता प्रकाश साहू, सरपंच गोवर्धन सिंह गोंड और सरोज दास महंत शामिल रहे। अतिथियों द्वारा मां शारदे और छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा-अर्चना के बाद कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. कुमुदिनी बाघ द्विवेदी ने कहा कि बच्चों को स्कूलों में शिक्षा के साथ संस्कार भी दिए जाते हैं, जो उनके जीवन के लिए बेहद जरूरी है। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षकों और पालकों का परस्पर सहयोग आवश्यक है। इस दौरान बेस्ट पालक सम्मान 2025 सीताराम गोड़, श्रीमती रूपा गोड़, राधेश्याम पटेल और विमलेश्वर पटेल को प्रदान किया गया। विद्यालय के प्रतिभावान छात्रों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य दुलीचंद साहू ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें बेहतर ढंग से पढ़ाई कर समाज में माता-पिता और गुरुजनों का नाम गौरवान्वित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में स्कूल के सभी शिक्षक, छात्र और पालक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी केंद्र का सांसद राठिया ने किया लोकार्पण

रायगढ़। प्रधानमंत्री जन मन योजना के तहत धर्मजयगढ़ विकासखंड के चिकला पानी, बेलपेदा और बसंतपुर में जून-जुलाई 2025 में 11.69 लाख रुपये की लागत से आंगनबाड़ी भवनों की स्वीकृति दी गई थी, जिनका निर्माण ग्राम पंचायत द्वारा किया गया। 29 दिसंबर को सांसद राधे श्याम राठिया, सभापति विनय शर्मा, मंडल अध्यक्ष नीरज शर्मा और कुम्ही चूआ के सरपंच ने आंगनबाड़ी केंद्र का लोकार्पण किया। भारत सरकार की इस योजना का उद्देश्य विशेष पिछड़ी आदिम जनजाति बहुल ग्रामों में आंगनबाड़ी केंद्र खोलकर बच्चों, गर्भवती और शिशुवती माताओं के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना है। बेलपेदा में केंद्र खुलने से अब बाल विकास परियोजना की सेवाएं आसानी से उपलब्ध होंगी। बच्चों को बेहतर अनौपचारिक शिक्षा मिलेगी और कार्यकर्ता-सहायिकाओं को संचालन में सुविधा होगी। केंद्र को आकर्षक तरीके से सजाया गया है ताकि बच्चे अधिक से अधिक आकर्षित हों। नए केंद्र के शुरू होने से बच्चों के माता-पिता भी बेहद खुश हैं।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सक्ती, जिला-सक्ती (छ.ग.)

// ईश्तहार//

क्रमांक/Q / अनु.अधि./रीडर/2025
सक्ती, दिनांक 22.12.2025
रा.प्र.क्र./अ-2/2025-26
ग्राम-कुम्हारीपठान, तहसील-जैजैपुर

एतद् द्वारा आम जनता साकिन सक्ती तहसील सक्ती, जिला-सक्ती (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि श्री साजिदा बेगम पिता कुद्दूस खान निवासी ग्राम कुम्हारीपठान तहसील भोथिया जिला-सक्ती (छ.ग.) के द्वारा उनके नाम पर ग्राम कुम्हारीपठान तहसील जैजैपुर में स्थित भूमि ख.नं. 103/4 रकबा 1.39 एकड़ भूमि में से 0.55 एकड़ भूमि का औद्योगिक (पोल्ट्री फार्म) प्रयोजन उपयोग हेतु व्यपवर्तन किये जाने के लिए इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः आवेदक के उक्त भूमि का औद्योगिक (पोल्ट्री फार्म) प्रयोजन उपयोग हेतु किये जाने पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई अपत्ति हो वे अपनी आपत्ति इस न्यायालय में दिनांक 09.01.2026 को स्वयं या जरिये अधिवक्ता द्वारा उपस्थित होकर विधि अनुसार लिखित रूप में पेश कर सकते हैं पेशी तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 16.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया।

सील

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सक्ती, जिला-सक्ती (छ.ग.)

रात में महिला ने कमरे में लगाई फांसी, जांच शुरू

अंबिकापुर। शहर के केनाबांध इलाके में एक महिला ने फांसी लगा ली। पुलिस ने बताया कि केनाबांध निवासी रीना सिंह 48 वर्ष सोमवार की रात अपने कमरे में सोयी थीं। सुबह काफी समय होने के बाद भी जब वह नहीं उठीं तो परिजनों ने आवाज लगाई। कमरे के अंदर से जवाब नहीं आने पर परिजनों ने दरवाजा तोड़ा तो वह फांसी से लटकी हुई मिली। सूचना पर पुलिस पहुंची और शव को नीचे उतरवाया। आत्महत्या के कारण का पता नहीं चला है। महिला के पति की करीब 15 साल पहले मौत हो गई थी। इससे वह काफी परेशान रहतीं थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

अनमोल वचन......

आज आप जो दर्द महसूस करते हैं, वही कल आपकी ताकत बन जाएगा।

वोट खरीद की योजनाएं

बुजुर्गों को पेंशन मिले, यह कल्याणकारी सोच है। मगर ऐसी सामाजिक सुरक्षा सिर्फ सरकारी कर्मचारियों को क्यों मिलनी चाहिए। सरकारी कर्मचारियों को एक अलग सुविधा-प्राप्त वर्ग के रूप में रखने के प्रयासों के दुष्परिणाम पहले भी सामने आ चुके हैं। बिहार की तर्ज पर असम सरकार ने भी विधानसभा चुनाव से ठीक पहले महिलाओं के खाते में रुपया भेजने की योजना घोषित की है। वहां इसे मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता योजना कहा जाएगा। इसके तहत 37 लाख महिलाओं के खाते में 8000 रुपये ट्रांसफर किए जाएंगे। इससे लगभग 30 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ राज्य के खजाने पर आएगा। अगले अप्रैल- मई में विधानसभा चुनाव तमिलनाडु में भी होना है। तो वहां सरकार ने पहले अपने कर्मचारियों को लुभाने की योजना घोषित की है। तमिलनाडु एश्योर्ड पेंशन स्कीम के तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि रिटायर्ड होने वाले राज्य सरकार के हर कर्मचारी को कम से कम अपने आखिरी वेतन का 50 फीसदी हिस्सा बतौर पेंशन मिले। इसके लिए कर्मचारी को सिर्फ दस फीसदी योगदान करना होगा। अतिरिक्त सारा बोझ राज्य सरकार उठाएगी। साथ ही रिटायर हो रहे कर्मचारियों को 25 लाख रुपये तक ग्रैच्युटी मिले, इसे सुनिश्चित किया जाएगा। फिलहाल इन योजनाओं से राज्य सरकार पर 13 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा। चूंकि पेंशन की रकम महंगाई दर के अनुपात में बढ़ेगी, इसलिए यह खर्च हर गुजरते वर्ष के बढ़ता जाएगा। कहना कठिन है कि सरकारी कर्मचारियों को खुश करने की इस कोशिश का कितना चुनावी लाभ सत्ताधारी डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन को मिलेगा, मगर इस प्रयास में जो देनदारी बनेगी, उसका बोझ आने वाली सभी सरकारों को उठाना होगा। पेंशन के रूप में बुजुर्गों को सामाजिक सुरक्षा मिले, यह कल्याणकारी सोच है। मगर ऐसी सुरक्षा सिर्फ सरकारी कर्मचारियों को क्यों मिलनी चाहिए। सरकारी कर्मचारियों को एक अलग सुविधा-प्राप्त वर्ग के रूप में रखने के प्रयासों के दुष्परिणाम पहले सामने आ चुके हैं। उसका समाधान नई पेंशन व्यवस्था से ढूंढा गया था। तमिलनाडु सरकार (इसके कुछ अन्य उदाहरण भी हैं), उस व्यवस्था को पलटने जा रही है। चुनाव से ठीक पहले ऐसा कदम समस्याग्रस्त है। बेहतर नजरिया यह होता कि समाज के सभी तबकों को न्यूनतम सामाजिक सुरक्षा देने की दिशा में कदम उठाया जाता। आखिर सरकारी कर्मचारी भी समाज की ही हिस्सा हैं। उन्हें अलग वर्ग में रखकर राजनीतिक दल खराब मिसाल पेश कर रहे हैं।

राशिफल

मेष राशि- आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। परिवार विशेषकर बच्चों से अच्छी खबर मिल सकती है। पढ़ाई और क्रिएटिव फील्ड से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल है। बेरोजगार लोगों के लिए आज अवसर बनते दिखाई देंगे और आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं।

वृषभ राशि- आज का दिन करियर ग्रोथ के लिहाज से शानदार रहने वाला है। सरकारी या बड़ी संस्थाओं में काम करने वालों के प्रमोशन के योग बन रहे हैं। बिजनेस से जुड़े लोगों को विदेश या दूरस्थ स्थान से लाभ हो सकता है। घर का माहौल भी आज खुशी से भरा रहेगा।

मिथुन राशि- आज का दिन सामान्य रहेगा लेकिन पारिवारिक और व्यक्तिगत जीवन में संतुलन बनाए रखना आवश्यक होगा। करियर को लेकर थोड़ी चिंता रहेगी पर सही सलाह और धैर्य आपको बेहतर परिणाम देगा। सरकारी परीक्षा की तैयारी करने वालों के लिए दिन शुभ है।

कर्क राशि- आज परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। माता-पिता के साथ कहीं घूमने जाने का कार्यक्रम बन सकता है। घरेलू वातावरण खुशनुमा रहेगा और मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक स्थिति भी सहायक बनी रहेगी।

सिंह राशि- आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे। कारोबारी लोगों के लिए दिन लाभदायक है। नौकरी और प्रोफेशन में नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। कला और क्रिएटिव क्षेत्र वालों के लिए भी अच्छे ऑफर आने के संकेत हैं।

कन्या राशि- आज बिजनेस में कोई बड़ी डील मिलने की संभावना है, जिससे लाभ के अवसर बनेंगे। परिवार में तालमेल बेहतर रहेगा और कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। शाम का समय परिवार और बच्चों के साथ अच्छा बीतेगा।

तुला राशि- आज आप नए काम और विचारों की ओर आकर्षित होंगे। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करेंगे तो आने वाले समय में आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। ऑफिस में अतिरिक्त काम करने से आपके अधूरे काम पूरे हो जाएंगे।

वृश्चिक राशि- आज का दिन दोस्तों और करीबी लोगों के साथ अच्छा बीतेगा। यदि किसी नए काम की शुरुआत कर रहे हैं तो बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लेना लाभदायक रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें और खानपान में सावधानी बरतें।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। काम आपकी इच्छा के अनुसार पूरे होंगे। ऑफिस में आपके काम और आइडियाज की सराहना होगी। सम्मान और मान प्रतिष्ठा बढ़ने के योग हैं और बॉस भी आपका सहयोग करेंगे।

मकर राशि- आज का दिन कामकाज में अच्छी प्रगति देने वाला रहेगा। आमदनी बढ़ने के संकेत हैं। यदि कोई महत्वपूर्ण काम आज पूरा करना चाहते हैं तो योजना बनाकर चलने से सफलता मिलेगी और काम समय से पहले पूरे हो सकते हैं।

कुंभ राशि- आज लंबे समय से अटके हुए कामों में सफलता मिलने की उम्मीद है। ऑफिस में जल्दबाजी से बचें और सोच-समझकर निर्णय लें। स्टूडेंट्स के लिए दिन सकारात्मक रहेगा और पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ेगी।

मीन राशि- आज का दिन शानदार रहेगा। वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ेगी और जीवनसाथी के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात हो सकती है जिससे पुरानी यादें ताजा होंगी। धार्मिक कार्यों में मन लगा रहेगा।

क्या रूसी लोग युद्धखोर हैं?

//शंकर शरण//

रूसी इतिहास में युद्ध सदियों से बार-बार की परिघटना है। अमेरिकी इतिहासकार प्रो. ग्रेगोरी कार्लटन ने अपनी पुस्तक 'रसियाः द स्टोरी ऑफ वार' (2017) में रूसी इतिहास का एक रोचक आकलन किया है। ज ऐतिहासिक रूप से रूसियों के लिए युद्ध उन के अस्तित्व का सामान्य अंग रहा है। रूसी सैन्य अकादमी के प्रमुख रहे निकोलाई सुखोतिन ने उन्नीसवीं सदी के अंत में हिसाब लगाकर बताया था कि उस से पिछली पाँच सदियों में रूस का लगभग दो तिहाई समय युद्ध लड़ते बीता है। उस के बाद, आगे बीसवीं सदी का हिसाब तो ऊपर देख ही चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस-उक्रेन युद्ध के जल्द ही खत्म होने का दावा किया है। पर रूसी राष्ट्रपति पूतिन जल्दी में नहीं लगते। न ही उक्रेनी राष्ट्रपति जेलेन्स्की बहुत अधीर लगते हैं। इसीलिए कूटनीतिक बात-चीत में प्रगति जरूर हो रही है, पर ट्रंप का दावा अधिक विश्वसनीय नहीं लगता।

इसलिए भी, कि कुछ ही पहले ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति पूतिन को 'पागल' कहा था। क्योंकि उन्होंने फटाफट ट्रंप की बात मान उक्रेन से युद्ध खत्म नहीं किया। पर ट्रंप रूसियों का चरित्र नहीं जानते। वे रूस के इतिहास से भी अनजान लगते हैं। यह कुछ स्वाभाविक भी है। अमेरिकियों द्वारा युद्ध को अपवाद, असहज घटना सा लिया जाता है। संभवतः कारण यह भी हो कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने कभी विदेशी कब्जा नहीं झेला है। द्वितीय विश्व युद्ध और वियतनाम, दोनों में मिलाकर भी कुल पाँच लाख अमेरिकी सैनिक मारे गये। लेकिन उसी से अमेरिकी काफी खिन्न हुए थे। आज तक उस की मनोवैज्ञानिक स्मृति वहाँ की रचनाओं में आती रहती है।

परन्तु रूसी इतिहास में युद्ध सदियों से बार-बार की परिघटना है। अमेरिकी इतिहासकार प्रो. ग्रेगोरी कार्लटन ने अपनी पुस्तक 'रसिया द स्टोरी ऑफ वार' (2017) में रूसी इतिहास का एक रोचक आकलन किया है। उस से पता चलता है अब तक रुसियों ने अनेक ऐसे युद्ध झेले जो मानो रूसियों को समूल खत्म कर देने लिए हुए थे। केवल द्वितीय विश्व युद्ध में ही 2 करोड़ से अधिक रूसी मारे गये थे, जबकि पूरे देश की आबादी 17 करोड़ थी।

हिटलर ने सचमुच रूसियों के खात्मे के लिए ही लेनिनग्राद पर घेरा डाला था। वह लेनिनग्राद पर कब्जा कर सकता था, परन्तु उस ने सितंबर 1941 से जनवरी 1944, ढाई साल तक, उस शानदार नगर की घेरेबंदी कर तमाम रूसियों को भूख से मार डालना तय किया था! उसे झेल कर तमाम रूसी लड़ते रहे। अंत में बर्लिन तक जाकर हिटलर को हराया। उस युद्ध के चार साल में रूस की संपूर्ण युवा पुरूष आबादी के तीन चौथाई से अधिक मारे गये! वह रूस के लिए वैसा अपवाद युद्ध भी न था। उस से पहले प्रथम विश्व युद्ध, कम्युनिस्ट क्रांति, और गृह-युद्ध – यानी 1914 से 1921 के बीच – मात्र छः-सात वर्ष में 1 करोड़ रूसी मारे गये थे। जबकि रूस की कुल आबादी मात्र 18 करोड़ थी। और पीछे जाएं, तो 1812 में नेपोलियन की महान सेना ने मास्को को जलाकर राख कर दिया था। वह फ्रांसीसी सेना तब तक यूरोपीय इतिहास में सब से बड़ी थी! लेव टॉलस्टाय का कालजयी उपन्यास 'वार एंड पीस' उसी पृष्ठभूमि पर लिखा हुआ है, जो विश्व का महानतम उपन्यास माना जाता है।उस से पहले 13-15 वीं सदी में मंगोल और तातार हमलावरों ने रयाजान, सुजदल, मॉस्को, त्वेर, कीव, रोस्तोव, आदि कितने ही रूसी नगरों का पूर्ण विनाश कर दिया था! मंगोलों ने रूस पर दो सदियों तक, 15वीं सदी के अंतिम चरण तक शासन किया। अंततः हारने के बाद भी मंगोल हमलावर क्रीमिया पर छापे मारते रहते थे। उन्होंने भी दो बार मास्को को जला डाला था और 16वीं सदी तक रूसियों को गुलाम बनाकर सीरिया, फारस और तुर्की बाजारों में बेचा। इसलिए, रूसी मानस में दोनेत्स्क, क्रीमिया, आदि केवल भौगौलिक क्षेत्र नहीं है। वह विदेशी हमलों, भयावह उत्पीड़न झेलने और लड़ने का ऐतिहासिक प्रतीक भी है। न केवल क्रीमिया रूस का ऐतिहासिक अंग है, बल्कि स्वयं उक्रेनी लोग भी 'छोटे रूसी' कहे जाते रहे हैं। पहले सदियों तक रूस का नाम ही 'कीव-रूस' था। पूरा उक्रेन ही रूस का अंग था। उसे सोवियत संघ का एक अलग प्रांत भी रूसी नेता लेनिन ने 1919 में बनाया। उस से पहले उक्रेन कभी रूस से अलग देश तो क्या, अलग प्रांत भी नहीं रहा था। अतः रूस-उक्रेन युद्ध भाइयों की लड़ाई है। चाहे दोनों के चरित्र में अब काफी अंतर क्यों न आ गया हो।

अतः, ऐतिहासिक रूप से रूसियों के लिए युद्ध उन के अस्तित्व का सामान्य अंग रहा है। रूसी सैन्य अकादमी के प्रमुख रहे निकोलाई सुखोतिन ने उन्नीसवीं सदी के अंत में हिसाब लगाकर बताया था कि उस से पिछली पाँच सदियों में रूस का लगभग दो तिहाई समय युद्ध लड़ते बीता है। उस के बाद, आगे बीसवीं सदी का हिसाब तो ऊपर देख ही चुके हैं।इसीलिए, रूसी समाज अपने सैनिकों और स्मारकों के प्रति जो विशेष और नियमित आदर स्थान रखता है, वह विश्व में अन्यत्र कहीं नहीं है। मॉस्को में विवाह के बाद नवविवाहित जोड़ा सब से पहले 'अनाम सैनिक के स्मारक' पर जाकर फूल चढ़ाता है। हिटलर पर जीत का दिन, 9 मई रूस में सब से बड़े राष्ट्रीय पर्व जैसा है, जिस में सभी रूसी समान श्रद्धा रखते हैं। ऐसा संभवतः दुनिया के किसी अन्य देश में नहीं है।रूसी ऑर्थोडॉक्स चर्च ने अनेक रूसी योद्धाओं को संत की उपाधि दी है। इसलिए नहीं कि उन्होंने ऑर्थोडॉक्स चर्च को फैलाया या उस के मिशनरी थे, जैसा कैथोलिक चर्च परंपरा में है। बल्कि इसलिए कि उन रूसी योद्धाओं ने समाज की रक्षा की। दमित्री दोन्सकी, अलेक्जेंडर नेवस्की, और एडमिरल उसाकोव ऐसे कुछ ऐतिहासिक रूसी योद्धा रहे हैं, जिन्होंने मंगोलों, ट्यूटनों, या तुर्कों से लड़ कर मातृभूमि को मुक्त कराया, या उस की रक्षा की थी। उन्हें रूसी चर्च ने संत की उपाधियाँ दी। यह भी दुनिया में अपवाद है, कि सैनिक योद्धाओं को 'संत' की उपाधि मिली। इसीलिए, रूसियों की भावना, संस्कृति और प्रतिक्रिया को अन्य देशों के सांस्कृतिक पैमाने से देखना भूल है। वैसे भी, भिन्न-भिन्न संस्कृतियाँ अपने कुछ विशिष्ट मानदंड रखती हैं। रूसियों पर तो यह और भी अधिक लागू है।

जर्मन-अमेरिकी राजनीति शास्त्री हान्स मार्गेन्थाऊ ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'पॉलिटिक्स एमंग नेशंस' (1948) में 'राष्ट्रीय चरित्र' पर एक विस्तृत और बड़ा रोचक अध्याय लिखा है। उस में, सौ सालों के अंतराल में रूसी चरित्र के दो अनोखे विवरण हैं। एक में द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद बर्लिन में एक रूसी सैनिक की दयालुता और दृढ़ता एक ही घटना में इकट्ठे दिखाई गयी है। तब बर्लिन रूसी फौज के अधिकार में आ चुका था। वह वास्तविक घटना इस प्रकार है।

कोई रूसी सैनिक बारह जर्मन बंदियों को लाइन में लगाकर लिए जा रहे हैं। एकाएक नागरिकों में एक युवती चीख कर बंदियों में अपने पति/प्रेमी को पहचान लेती है। वह दौड़ कर आकर उस से लिपट जाती है। रूसी सैनिक उसे रोकता है। आस-पास के जर्मन लोग सकते में आ जाते हैं, क्योंकि फौजी कामों में बाधा डालने वाले को गोली मार देना सामान्य था। पर रूसी सैनिक युवती को सांत्वना देता है। फिर उस बंदी को अपने टॉमीगन से धक्का देकर आजाद कर देता है। पर कुछ देर में अपना सिगार जलाते हुए ठिठकता है, कि बंदियों की संख्या तो निश्चित थी। अपने गंतव्य पर उसे उतने ही बंदी सौंपने हैं, जितने चले थे। वह रूसी सैनिक आसपास चल रहे जर्मन नागरिकों पर नजर दौड़ाता है। उस में एक युवक को पकड़ कर बंदियों की पंक्ति में लगा देता है। संख्या पूरी हो गई। फिर मजे से सिगार जला कर बंदियों को निगरानी में लिए चलता है। मानो कुछ न हुआ हो! यह घटना 'टाइम' मैगजीन के 21 अप्रैल 1947 अंक में छपी थी।ऐसे अनेक प्रकरण रूसियों का बिलकुल अलग चरित्र दिखाता है। दूसरों को उक्रेन पर रूसी प्रहार अत्यधिक निर्मम, अनुचित या बेबूझ लग सकता है। किंतु रूसी नजर से वह अस्तित्व की लड़ाई है। उन्होंने इतिहास में बार-बार वही देखा, झेला है। फिर यह तो है ही कि जर्मनी के एकीकरण के बाद, 1990-91 में अमेरिका ने वादा किया था कि नाटो जर्मनी से पूरब की ओर नहीं बढ़ेगा। परन्तु आने वाले दशकों में पोलेंड, हंगरी, और बाल्टिक देश नाटो में शामिल कर लिए गये। अब यूक्रेन की बारी थी, क्यों कि उक्रेनी नेता ही उस दिशा में बढ़ रहे थे। वह रूस के घर में घुस जाने के समान होता। तब पूतिन ने, सही या गलत, मान लिया कि अब रूस पर फिर अस्तित्व की लड़ाई वाला हमला निकट है। इसे अधिकांश रूसियों ने पुनः वैसे ही मर्मांतक प्रहार का आरंभ समझा जो मंगोलों, तातारों, फिर नेपोलियन, और हिटलर ने उन के साथ पहले किया था।सो, रूसी चरित्र उस के अनुभवों से बना है। यही कारण है कि आम रूसी इस मामले में पूतिन को मोटे तौर पर सही मानते हैं। क्यों कि उन की मानसिकता में युद्ध कोई बीते युग की चीज नहीं है। वह मानो चक्रीय गति से आता रहता है, जिस में समय-समय पर लगना रूसी लोग कर्तव्य मानते हैं। इसीलिए कितना भी कष्ट उठाकर, कोई भी कीमत देकर युद्ध लड़ना और जीतने का यत्न करना उन्हें सामान्य लगता है।यहाँ रुसी कवि फ्योदोर त्युतचेव की कविता स्मरणीय हैं। रूस को कोई माथा लगा कर नहीं समझ सकता। न सामान्य पैमाने से माप सकता है। वह देश अकेला खड़ा रहा है। रूस पर कोई केवल विश्वास ही कर सकता है।÷ यह 1866 में लिखी पंक्तियाँ आज भी लागू लगती है। रूस सचमुच अकेला है, और उसे सामान्य पैमाने से समझना कठिन है। अमेरिकी राष्ट्रपति कम से कम एक भूल जरूर कर रहे हैं। नाटो के विस्तार की नीति पर अमेरिका ने रूस को दिए वचन का उल्लंघन किया है। अब उस पर रूस की प्रतिक्रिया ऐसी नहीं, वैसी होनी चाहिए – यह विवाद, और राष्ट्रीय हितों की अपनी-अपनी समझ का प्रश्न है। जहाँ तक सपाट रूप से युद्ध के विरोधी, हर हाल में शांति-अहिंसा के गीत गाने वाले लोग हैं, तो कहना होगा कि उन्हें राजनीति की समझ नहीं। वे सुरक्षित, आरामदायक जीवन जीते हुए कल्पना से बातें करते हैं जो केवल सदिच्छाएं हैं। इस में रूस ही नहीं भारतीय इतिहास भी देखना चाहिए। भीरुता की हद तक शान्ति-प्रिय भारत सदियों से बर्बर आक्रमणकारियों द्वारा रौंदा जाता रहा। गत सौ साल में अंदरुनी जिहादियों द्वारा भी। क्या वह कभी सद्भावना से निपटने वाली बात थी, या है। हर मामले में शान्ति की दुहाई देने वाले ध्यान दें कि हथियार कभी भी बीते युग की चीज नहीं है।

नेताओं की बदजुबानी का सभी तरफ असर

//विनीत नारायण//

लोकतंत्र में असहमति आवश्यक है, लेकिन असंसदीय भाषा उसकी आत्मा को चोट पहुंचाती है। अगर हम एक मजबूत भारत चाहते हैं, तो राजनीतिक बयानों व भाषणों को सभ्य बनाना होगा। नेता याद रखें कि वे जनता के सेवक हैं, न कि शासक। नागरिक, कार्यकर्ता और मीडिया सब मिलकर इस प्रवृत्ति को रोक सकते हैं। तभी हमारा लोकतंत्र सच्चे अर्थों में चमकेगा।

भारतीय लोकतंत्र की मजबूती उसके नेताओं की गरिमा और संवाद की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। लेकिन हाल के वर्षों में, राजनीतिक भाषणों व बयानों में अभद्र टिप्पणियां व असंसदीय भाषा, गाली-गलौज का बढ़ता प्रयोग एक गंभीर मुद्दा बन गया है। यह न केवल संसद और विधानसभाओं तक सीमित है, बल्कि चुनावी रैलियों, मीडिया इंटरव्यू और सोशल मीडिया पर भी फैल चुका है। यह मुद्दा इतना संवेदनशील बन चुका है कि राजनीतिक दल चाहे कोई भी क्यों न हो उनके बिगड़े बोल, आम नागरिकों, पार्टी कार्यकर्ताओं और मीडिया पर एक नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। साथ ही, महिलाओं, विपक्षी दलों और पत्रकारों के प्रति नेताओं के दुर्व्यवहार भी आजकल चर्चा में है जो कि इन अमर्यादित नेताओं के सच्चे चरित्र को सामने लाता है।

संसदीय परंपराओं में, असंसदीय भाषा वह होती है जो अपमानजनक, अभद्र या व्यक्तिगत हमला करने वाली होती है। भारतीय संसद में, स्पीकर अक्सर ऐसी भाषा को हटाने का आदेश देते हैं, लेकिन संसद के बाहर ऐसे बयानों पर किसी का कोई नियंत्रण नहीं होता। राजनीतिक नेता अक्सर विपक्षी नेताओं को 'चोर', 'गद्दार' या इससे भी बदतर शब्दों से संबोधित करते हैं।चुनावी मौसम में यह और तीव्र हो जाता है, जहां व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप की जगह ले लेते हैं। गौरतलब है कि कुछ नेताओं की यह प्रवृत्ति नई नहीं है, लेकिन सोशल मीडिया के युग में यह वायरल होकर लाखों लोगों तक पहुंच जाती है, जिससे समाज पर इसका प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है।भारतीय वोटर या नागरिक अपनी पसंद अनुसार राजनीतिक दलों का समर्थन करते हैं और उन दलों के नेताओं को अपना आदर्श भी मानते हैं। जब नेता सार्वजनिक मंचों पर गाली-गलौज करते हैं, तो यह नागरिकों में नेतृत्व के प्रति सम्मान की भावना को कमजोर करता है। विशेषकर युवा पीढ़ी, जो सोशल मीडिया पर सक्रिय है, इससे प्रभावित होती है। वे सोचते हैं कि अगर देश के लोकप्रिय नेता खुले मंचों पर ही ऐसी भाषा का प्रयोग करते हैं, तो सामान्य जीवन में क्या करते होंगे। इससे समाज में असहिष्णुता और हिंसा की संस्कृति पनपती है। उदाहरणस्वरूप, जब कोई नेता विपक्षी को 'कुत्ता' या 'सुअर' जैसे शब्दों से नवाजता है, तो यह न केवल उस व्यक्ति का अपमान है, बल्कि पूरे लोकतंत्र का मजाक उड़ाता है। नागरिकों में यह धारणा बनती है कि राजनीति एक गंदा खेल है, जहां नैतिकता की कोई जगह नहीं। परिणामस्वरूप, मतदान में उदासीनता बढ़ती है और लोग राजनीति से दूर होते जाते हैं। एक सर्वेक्षण के अनुसार, कई नागरिकों का मानना है कि ऐसी भाषा से राजनीति की विश्वसनीयता घटती है, जिससे लोकतंत्र कमजोर होता है। राजनीतिक दल के कार्यकर्ता अपने नेताओं को आदर्श मानकर उनका अनुसरण करते हैं। जब शीर्ष नेता असंसदीय भाषा का प्रयोग करते हैं, तो यह कार्यकर्ताओं में भी वैसी ही प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करता है। चुनावी रैलियों में कार्यकर्ता विपक्षी दलों के खिलाफ नारे लगाते समय अक्सर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हैं, जो कभी-कभी हिंसक झड़पों में बदल जाता है। इससे दल के अंदर अनुशासनहीनता बढ़ती है और कार्यकर्ता व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा में उलझ जाते हैं।इसके अलावा, जब कोई नेता अपनी ही पार्टी के सदस्यों के खिलाफ ऐसी भाषा इस्तेमाल करता है (जैसे असंतोषी सदस्यों को 'गद्दार' कहना), तो यह आंतरिक कलह को जन्म देता है। पार्टी कार्यकर्ता निराश होते हैं और उनका मनोबल गिरता है। लंबे समय में, यह दलों की एकजुटता को प्रभावित करता है और राजनीतिक स्थिरता को खतरे में डालता है। कार्यकर्ता सोचते हैं कि अगर नेता ही सम्मान नहीं रखते, तो वे क्यों रखें। इससे राजनीतिक संस्कृति में गिरावट आती है।वहीं मीडिया पर इसका प्रभाव सबसे अधिक चिंताजनक है। पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, जो नेताओं से सवाल पूछकर जवाबदेही सुनिश्चित करती है। लेकिन जब पत्रकार तीखे सवाल पूछते हैं, तो कई नेता उन पर व्यक्तिगत हमला करते हैं या अभद्र व्यवहार करते हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेता पत्रकारों को 'पेड मीडिया' या 'दलाल' कहकर अपमानित करते हैं। कभी-कभी यह शारीरिक धमकी तक पहुंच जाता है, जैसे कैमरा छीनना या बाहर निकालना। इससे मीडिया की स्वतंत्रता पर खतरा मंडराता है। पत्रकार डर के मारे सवाल पूछने से हिचकिचाते हैं, जिससे जनता को सच्ची जानकारी नहीं मिलती। सोशल मीडिया पर नेता पत्रकारों के खिलाफ ट्रोल आर्मी को सक्रिय करते हैं, जो अभद्र टिप्पणियों से उन्हें परेशान करते हैं। यह न केवल मीडिया की ट्रीय रिपोर्ट्स में भारत में पत्रकारों पर हमलों की संख्या बढ़ने का उल्लेख है, और असंसदीय भाषा इसका एक प्रमुख कारण है।भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है, लेकिन उनके खिलाफ लिंगभेदी टिप्पणियां एक बड़ी समस्या हैं। नेता अक्सर महिला विपक्षी नेताओं की शारीरिक बनावट, कपड़ों या व्यक्तिगत जीवन पर अभद्र टिप्पणियां करते हैं। जैसे 'आइटम' या 'डांस करने वाली' जैसे शब्दों का प्रयोग। यह न केवल महिलाओं का अपमान है, बल्कि पूरे समाज में लिंग असमानता को बढ़ावा देता है। इससे महिला कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरता है और वे राजनीति में आने से हिचकिचाती हैं।विपक्षी दलों के प्रति भी ऐसी भाषा का प्रयोग आम है। नीतिगत मतभेदों की बजाय, नेता व्यक्तिगत हमलों में उलझ जाते हैं, जैसे परिवार को निशाना बनाना या जाति-धर्म पर टिप्पणियां। इससे राजनीतिक बहस का स्तर गिरता है और समाज में विभाजन बढ़ता है। पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार का जिक्र पहले हो चुका है, लेकिन महिलाओं पत्रकारों के साथ यह और गंभीर होता है, जहां लिंगभेदी टिप्पणियां जोड़ी जाती हैं।यह सब देखकर लगता है कि भारतीय राजनीति में सभ्यता की कमी एक बड़ी चुनौती है। लेकिन इसका समाधान क्या है। सबसे पहले, नेताओं को स्वयं अपनी भाषा पर नियंत्रण रखना चाहिए। संसद और विधानसभाओं में सख्त नियम लागू करने चाहिए और बाहर के मंचों पर भी नैतिक दिशानिर्देश। मीडिया को ऐसी भाषा को बढ़ावा न देकर, जिम्मेदारी से रिपोर्टिंग करनी चाहिए। नागरिकों को भी सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री को शेयर न करके, विरोध जताना चाहिए।

तस्वीरों की दुनिया

दिल्ली विधानसभा के विंटर सेशन के दौरान, दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने आप विधायकों, नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर बिगड़ते प्रदूषण की स्थिति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

नई दिल्ली में कम विजिबिलिटी के बीच यात्री घने स्मॉग से गुज़र रहे हैं।

नई दिल्ली में दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान आम आदमी पार्टी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के विधायकों ने पोस्टर पकड़े हुए हैं।

नई दिल्ली में दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान दिल्ली विधानसभा का एक दृश्य।

राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जम्मू में बस स्टैंड पर श्री माता वैष्णो देवी मेडिकल इंस्टीट्यूट में एडमिशन विवाद को लेकर विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने सिलेक्शन लिस्ट में बदलाव करने और सिर्फ हिंदू छात्रों को एडमिशन देने की मांग की।

जम्मू और कश्मीर के पुंछ जिले के छात्रों के एक ग्रुप ने नेशनल इंटीग्रेशन टूर के तहत नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

दिल्ली-एनसीआर में कोहरे का कहर और हवाई संकट बढ़ा कश्मीर-हिमाचल में बर्फबारी, यूपी में स्कूल बंद

नईदिल्ली, 07 जनवरी [एजेंसी]।

उत्तर भारत में भीषण ठंड और शीतलहर का प्रकोप जारी है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, और मध्य प्रदेश जैसे मैदानी राज्यों में घना कोहरा छाया हुआ है, जबकि कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में ताजा बर्फबारी हो रही है। दिल्ली-एनसीआर दिल्ली में आज साल के सबसे ठंडे दिनों में से एक दर्ज किया गया है। यहां अधिकतम तापमान 16°C से 18 °C के बीच रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 7°C के आसपास बना हुआ है। मौसम विभाग ने घने कोहरे के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। यूपी के कई जिलों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इटावा प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा जहाँ न्यूनतम तापमान 2.6°C दर्ज किया गया। वाराणसी और नोएडा जैसे शहरों में कोहरे और ठंड के कारण कक्षा 8 तक के स्कूल 10 जनवरी 2026 तक बंद कर दिए गए हैं। राज्य के कई जिलों में शीतलहर का असर है। ग्वालियर-चंबल संभाग सहित 16 जिलों में स्कूलों की छुट्टी घोषित की गई है या समय बदला गया है। रात का तापमान कई हिस्सों में 5°C से 7°C तक गिर गया है। गुलमर्ग

और पहलगाम जैसे ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी हो रही है। घाटी में तापमान शून्य से नीचे बना हुआ है। हिमाचल और उत्तराखंड शिमला, मनाली और बद्रीनाथ जैसे क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बर्फबारी का अनुमान है। उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में ग्राउंड फ्रॉस्ट (पाला) की चेतावनी दी गई है, जो फसलों के लिए नुकसानदायक हो सकता है।घने कोहरे के कारण उत्तर भारत की कई ट्रेनें और उड़ानें देरी से चल रही हैं। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे घर से निकलने से पहले अपनी यात्रा का स्टेटस चेक करें।

भीषण ठंड को देखते हुए बुजुर्गों और बच्चों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। राष्ट्रीय राजधानी में कड़ाके की ठंड के साथ घने कोहरे ने हवाई यातायात की रफ्तार पर लगाम लगा दी है। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) पर आज सुबह दृश्यता का स्तर बेहद कम दर्ज किया गया, जिससे विमानों के संचालन में भारी बाधा आई। आंकड़ों के मुताबिक, मौसम की मार के कारण मंगलवार को कुल 6 उड़ानें रद की गई और 150 से अधिक विमान अपने निर्धारित समय से देरी से संचालित हुई।

दिल्ली एयरपोर्ट पर कोहरे का असर, 6 उड़ानें रद, 150 विमानों ने देरी से भरी उड़ान

नईदिल्ली, 07 जनवरी [एजेंसी]।

राष्ट्रीय राजधानी में कड़ाके की ठंड के साथ घने कोहरे ने हवाई यातायात की रफ्तार पर लगाम लगा दी है। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आइजीआई) पर आज सुबह दृश्यता का स्तर बेहद कम दर्ज किया गया, जिससे विमानों के संचालन में भारी बाधा आई। आंकड़ों के मुताबिक, मौसम की मार के कारण मंगलवार को कुल 6 उड़ानें रद की गई और 150 से अधिक विमान अपने निर्धारित समय से देरी से संचालित हुई। मंगलवार तड़के रनवे पर दृश्यता का स्तर काफी गिर गया था। कोहरे के कारण दिल्ली आने वाले 3 विमानों को सुरक्षित लैंडिंग के लिए दूसरे शहर (जयपुर और लखनऊ) की ओर डायवर्ट करना पड़ा। हालांकि एयरपोर्ट पर कैट-III तकनीक का उपयोग किया जा रहा है, लेकिन टेक-ऑफ के लिए आवश्यक न्यूनतम दृश्यता न होने के कारण उड़ानों के प्रस्थान में 15 मिनट से लेकर 1 घंटे तक की देरी देखी गई है। उड़ानों में हो रही लगातार देरी और रद्दीकरण की वजह से टर्मिनलों पर यात्रियों की भीड़ बढ़ गई है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे घर से निकलने से पहले अपनी संबंधित एयरलाइन के संपर्क में रहें और आधिकारिक वेबसाइट पर फ्लाइट स्टेटस की जांच करते रहें।

महाराष्ट्र के मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में छात्रा को नमाज पढ़ने के लिए किया गया मजबूर, विरोध प्रदर्शन, बढ़ा तनाव

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले के वाडा तालुका स्थित एक निजी मेडिकल कालेज के छात्रावास में रैगिंग का मामला सामने आया है। एक लड़की ने अपनी सहपाठी छात्रा को नमाज पढ़ने के लिए मजबूर किया। इस घटना के बाद संस्थान के प्रबंधन ने छात्रावास वार्डन और एक शिक्षक को निलंबित कर दिया है। बताया जा रहा है कि यह घटना रविवार रात पोशेरी स्थित कालेज में हुई। इस घटना के बाद मेडिकल कालेज में तनाव फैल गया। छात्रों ने विरोध प्रदर्शन भी किया। इसके बाद वहां पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस ने सोमवार रात इस संबंध में एफआईआर दर्ज की।एक अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि यह घटना रैगिंग से जुड़ी हो सकती है।

सीएम योगी का बड़ा बयान: अब गड्ढा खोदना और पाटना बंद, जी राम जी बनेगा विकसित भारत की नींव

लखनऊ 07 जनवरी। प्रदेश को एक ट्रिलियन की इकोनोमी बनाने और ग्राम्य विकास के जरिए विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में जी राम जी- कानून अहम कड़ी साबित होगा। ऐसी ही संकल्पना के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लोकभवन में जब विकसित भारत जी राम जी-गारंटी फार रोजगार एवं आजीविका मिशन को लेकर प्रेस वार्ता की तो साफ हो गया कि भाजपा न सिर्फ इसे विकास का खास टूल बनाएगी, बल्कि मनरेगा को असफल और भ्रष्ट बताकर कांग्रेस व सपा समेत कई दलों पर निशाना भी साधेगी। सीएम ने जी राम जी की सराहना करते हुए कहा कि अब गड्ढा खोदने एवं पाटने के बजाय रेन वाटर हारवेस्टिंग, चेक डैम, सड़क, नाली, खेल मैदान, ओपन जिम, मंडी निर्माण एवं बड़ी पंचायतों में माल निर्माण जैसे स्थायी कार्य कराए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह अधिनियम विकसित भारत की नींव बनेगा। प्रदेश की करीब 58 हजार ग्राम पंचायतों और एक लाख से अधिक राजस्व ग्रामों को लाभ मिलेगा। प्रदेश को सर्वाधिक लाभ होगा। सीएम ने कहा कि पुरानी मनरेगा में फर्जी जाब कार्ड, फर्जी हाजिरी, भुगतान में कटौती, मजदूरी में देरी जैसी कई समस्याएं थीं। किसानों को खेती के समय मजदूर नहीं मिलते थे और मजदूरों को जरूरत पर काम नहीं मिलता था। मनरेगा पूरी तरह विफल रही। योगी ने नए अधिनियम के तहत प्रत्येक परिवार को 125 दिन का रोजगार मिलने, साप्ताहिक भुगतान एवं काम न मिलने पर भत्ता देने की बात कही।यह भी कहा कि बुआई और कटाई के समय 60 दिन का विराम होगा, ताकि किसानों और मजदूरों के हित सुरक्षित रहें।

डिजिटल भुगतान, बायोमेट्रिक उपस्थिति, जियो टैगिंग, एआई टूल्स का इस्तेमाल होगा। हर छह माह में सोशल आडिट और कैग से आडिट होगा। केंद्र और राज्य की साझेदारी 60.40 होगी। कुल आवंटन में वृद्धि से 17 हजार करोड़ रुपये अधिक धन मिलेगा। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश इस समय देश का फूड बास्केट है। बड़ी पंचायतों में माल बनाए जा सकेंगे। विकसित गांव ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएंगे। विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि संसाधनों पर डकैती डालने वाले, गरीबों को भूखा मारने और युवाओं को बेरोजगार रखने वालों की पोल खुल रही है। वे अब सवाल उठा रहे हैं, लेकिन मनरेगा की विफलताओं पर चुप हैं। सीएम ने कहा कि हर पात्र को समय पर काम, हर गांव में टिकाऊ ढांचा व हर श्रमिक के जीवन में सम्मान एवं खुशहाली देने का लक्ष्य है।

अमेरिकी इस्लामिक स्कॉलर की एंट्री पर ब्रिटेन ने लगाई रोक, कहा- नफरत फैलाने वाले के लिए देश में कोई जगह नहीं

लंदन। सात अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हुए हमले के बाद हमास जैसे चरमपंथी संगठन के समर्थन में दिए गए बयानों को लेकर ब्रिटेन ने एक इस्लामिक उपदेशक की देश में एंट्री पर प्रतिबंध लगा दिया है।गृह सचिव शबाना महमूद ने अमेरिका के इस्लामिक स्कालर डॉ. शेडी एलमासरी की यात्रा अनुमति रद्द कर दी। डॉ. एलमासरी को बर्मिंघम, बोल्टन और लंदन में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेना था, जिन्हें मुस्लिम चैरिटी ग्लोबल रिलीफ ट्रस्ट द्वारा आयोजित किया गया था। हालांकि, ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि नफरत फैलाने या चरमपंथी विचारधाराओं को बढ़ावा देने वाले विदेशी नागरिकों के लिए देश में कोई स्थान नहीं है। गृह मंत्रालय के अनुसार, सार्वजनिक सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के मद्देनजर यह फैसला लिया गया है।

कौन सा पानी पी रहे हैं आप: नल का गंदा पानी या खनिज रहित आरओ? दिल्ली के कई इलाकों में TDS की मात्रा 900 के पार

नईदिल्ली, 07 जनवरी [एजेंसी]।

जहरीले पेयजल की आपूर्ति केवल मध्य प्रदेश के इंदौर तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय राजधानी के निवासियों तक को स्वच्छ व स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद पेयजल की आपूर्ति मयस्सर नहीं है।स्थिति यह कि दिल्ली के कई क्षेत्रों पेयजल में टोटल डिजॉल्व सॉलिड्स (टीडीएस) की मात्रा खतरनाक स्तर 968 तक है, जिसे पीने पर लोगों को पेट, किडनी और बालों से संबंधित बीमारियां हो रही हैं।पानी की गुणवत्ता की इस स्थिति को देखते हुए राजधानी वासियों की रिवर्स ऑस्मोसिस (आरो) मशीन तथा बोतलबंद पानी पर निर्भरता बढ़ती जा रही है। जिसके चलते गली-गली में उसका कारोबार काफी फलफूल रहा है। इसी तरह, स्वाधीनता के इतने वर्षों बाद भी दिल्ली के कई इलाकों में अभी तक दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) का पेयजल नहीं पहुंचा है। कई इलाकों, गलियों में पाइपें बिछी है, लेकिन नियमित पानी नहीं आता है। ऐसे में वहां के लोगों की पूरी निर्भरता टैंकर या बोरवेल के साथ बोतलबंद पानी पर अभी भी है। हर बूंद हो स्वच्छ-हर घूंट हो स्वच्छ अभियान के तहत जागरण के रिपोर्टरों ने करीब 50 स्थानों पर पानी की जांच की, जिसमें से कुछ स्थानों पर पानी खतरनाक स्तर पर मिले। इसमें रोहिणी जैसी बड़ी कॉलोनियां भी अछूती नहीं है।बाहरी दिल्ली के भलस्वा डेरी के यादव चौक पर पानी का टीडीएस 968 और रोहिणी सेक्टर-13 में 580 से लेकर 891 मिला। इसी तरह, जांच में दक्षिणी दिल्ली के कालकाजी में टीडीएस भी मानक से अधिक 561 रहा।जांच में मिला कि बाहरी दिल्ली के जिन रिहायशी क्षेत्रों में डीजेबी की जलापूर्ति की लाइन लीकेज की समस्या ज्यादा है, उन इलाकों में टीडीएस तय मानकों से अधिक पाया गया। उसमें 25 लाख से अधिक आबादी वाले भलस्वा डेरी, किराड़ी, बवाना, नरेला जैसे क्षेत्र की कॉलोनियों में टीडीएस 200 से लेकर 900 तक पाया गया। गंदे और बदबूदार पानी की आपूर्ति के चलते बड़ी संख्या में लोगों ने जल के पानी का इस्तेमाल छोड़ दिया है, इनके घरों में टैंकर से पानी पहुंच रहा है। जहां पानी गंदा है, वहां के निवासियों के अनुसार, पाइप लाइनें क्षतिग्रस्त है और उसमें सीवर की लाइनें मिल रही है।पूर्वी दिल्ली के मौजपुर गांव में पानी का टीडीएस 965 मापा गया।

यहां अधिकतर लोगों ने बोरवेल किए हुए हैं। जल बोर्ड का पानी कई बार बदबूदार आने के साथ ही दूषित आता है।ऐसे में यहां के लोग बोरवेल के पानी का इस्तेमाल करते हैं। इस पानी में कई तरह के रसायन मिले हुए हैं। इस पानी को पीकर लोग संक्रमण का शिकार हो रहे हैं। संक्रमण होने पर लोगों के पेट में दर्द व उल्टियां होने लगती है।बाहरी दिल्ली के किराड़ी, नरेला, भलस्वा डेरी क्षेत्र के बड़े हिस्से में नियमित रूप से पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है। क्षेत्र के निवासी जल बोर्ड के टैंकर पर आश्रित हैं।

नेपाल में भारतीय सीमा के पास फिर हिंसा भड़की, हाई अलर्ट के बाद बॉर्डर सील

नईदिल्ली, 07 जनवरी [एजेंसी]।

पड़ोसी देश नेपाल एक बार फिर हिंसा की चपेट में आ गया है। भारतीय सीमा से सटे नेपाल के पारसा और धनुषा धाम जिले में हिंसा भड़क उठी है। पूरे इलाके में हाई अलर्ट जारी किया गया है। इसी बीच भारत-नेपाल सीमा भी सील कर दी गई है। धनुषा जिले में मस्जिद में तोड़-फोड़ के बाद नेपाल में सांप्रदायिक हिंसा शुरू हो गई है, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी सामने आई हैं।

पारसा के बीरगंज में हिंसक प्रदर्शन पर काबू पाने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे हैं। पारसा जिले की सीमा बिहार के रक्सौल जिले से लगती है। दक्षिणी नेपाल में सीमा से आवाजाही रोकने के लिए भारतीय सीमा भी सील कर दी गई है। नेपाल पुलिस के अनुसार, धनुषा के सखुवा मारान इलाके में कुछ लोगों ने मिलकर मस्जिद में तोड़-फोड़ शुरू कर दी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया, जिसके जवाब में हिंदू समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाने वाले बयान सामने आए। सोशल मीडिया से प्रभावित होकर मुस्लिम समुदाय के युवाओं ने हिंसक प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने धनुषा में टायर जलाकर विरोध जताया। पुलिस का कहना है, जब पुलिस ने हालात पर काबू पाने की कोशिश की, तो प्रदर्शनकारी पुलिस पर भी पत्थरबाजी करने लगे। ऐसे में पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे, जिससे स्थिति को नियंत्रण में किया जा सके।

ओडिशा हाईकोर्ट की सख्ती: पीयूसी न होने पर पेट्रोल न देने के नियम पर सरकार को नोटिस, परिवहन आयुक्त से स्पष्टीकरण मांगा

भुवनेश्वर, 07 जनवरी [एजेंसी]।

वाहन का प्रदूषण प्रमाणपत्र (पीयूसी) नहीं होने पर ईंधन नहीं दिए जाने के मामले में हाईकोर्ट ने राज्य परिवहन आयुक्त से स्पष्टीकरण मांगा है। इसी तरह, पुराने जुर्माने का भुगतान नहीं करने पर प्रदूषण प्रमाणपत्र जारी नहीं करने संबंधी निर्देश पर भी भ्रम दूर करने को कहा गया है। इस मामले में परिवहन आयुक्त को आगामी 2 सप्ताह के भीतर शपथपत्र दाखिल करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से भी इस पर स्पष्ट जवाब मांगा है। परिवहन विभाग ने एक अधिसूचना जारी कर कहा है कि जिन वाहनों के पास प्रदूषण प्रमाणपत्र नहीं होगा, उन्हें ईंधन नहीं मिलेगा और प्रदूषण प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए सभी पुराने जुर्माने का भुगतान करना अनिवार्य होगा। इस अधिसूचना को चुनौती देते हुए भुवनेश्वर

निवासी स्निग्धा पात्र ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। याचिका में उन्होंने उल्लेख किया है कि यदि कोई वाहन चालक निर्धारित समय के भीतर प्रदूषण प्रमाणपत्र नहीं बनवा पाता है, तो नियमों के अनुसार उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है। लेकिन ईंधन न देने का प्रावधान कानूनसम्मत नहीं है। इसी तरह पुराने जुर्माने की वसूली के लिए किसी को बाध्य करना भी गैरकानूनी है, ऐसा याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया।

इस प्रकार की कोई व्यवस्था न तो केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम में है और न ही राज्य परिवहन कानून में। इसलिए कानून का उल्लंघन कर मनमाने ढंग से कोई नियम लागू करना असंवैधानिक है। इसी आधार पर याचिकाकर्ता ने अपने आवेदन में इस नियम को रद्द करने की मांग की है। आज इस याचिका की प्रारंभिक सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और परिवहन आयुक्त दोनों को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 2 सप्ताह बाद होगी।

मिर्गी के मरीजों को बड़ी राहत, दिल्ली एम्स में फ्री होगी थेरेप्यूटिक ड्रग मॉनिटरिंग जांच

दक्षिणी दिल्ली 07 जनवरी। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली अब मिर्गी के मरीजों के लिए थेरेप्यूटिक ड्रग मॉनिटरिंग जांच की निशुल्क सुविधा शुरू करने जा रहा है। इससे मरीजों को जांच के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा और कहीं भी किसी प्रकार के कोई शुल्क नहीं देना पड़ेगा। एम्स प्रशासन ने एनसीआई सहित सभी विभागों और केंद्रों को निर्देश जारी किए हैं कि वे मरीजों के नमूनों को जांच के लिए नामित प्रयोगशाला में भेजें। थेराप्यूटिक ड्रग मॉनिटरिंग जांच के तहत फेनोबार्बिटल, कार्बामाजेपाइन, वैल्प्रोइक एसिड और फिनाइटोइन दवाओं को लेकर मरीज एम्स में जांच करा सकेंगे। एम्स के मुताबिक थेरेप्यूटिक ड्रग मॉनिटरिंग जांच ब्लड में दवाओं के स्तर को मापने के लिए की जाती है, जिससे दवा की खुराक के प्रभाव का मूल्यांकन कर दोबारा से खुराक तय की जाती है। इस जांच में यह भी देखा जाता है कि दवा कहीं विषाक्तता तो पैदा नहीं कर रही है।मिर्गी के मरीजों को कई दवाएं दी जाती हैं, जिसमें फेनोबार्बिटल, कार्बामाजेपाइन, वैल्प्रोइक एसिड और फिनाइटोइन दवाओं की निगरानी के लिए मरीजों को निशुल्क जांच की सुविधा उपलब्ध कराने का फैसला लिया है। अस्पताल में भर्ती और ओपीडी में उपचार के लिए आने वाले मरीज जांच सुविधा का लाभ ले सकेंगे।एम्स के ओपीडी मरीजों को कलेक्शन सेंटर रूम नंबर तीन में सुबह साढ़े 8 बजे से लेकर दोपहर एक बजे तक मिलेगी। इसके अलावा झज्जर स्थित राष्ट्रीय कैंसर संस्थान और एम्स में भी मरीजों को यह सुविधा मिलेगी।

करुर भगदड़ मामले में एक्टर विजय को बड़ा झटका, पूछताछ के लिए सीबीआई ने किया तलब

नईदिल्ली, 07 जनवरी ।

अभिनेता से नेता बने विजय को करुर भगदड़ मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ा झटका दिया है। सीबीआई ने टीवीके प्रमुख विजय को 12 जनवरी को पूछताछ के लिए तलब किया है। यह मामला पिछले साल 27 सितंबर को विजय की रैली में हुई उस भगदड़ से जुड़ा है, जिसमें 41 लोगों की जान चली गई थी।यह घटना करुर जिले के वेलुसामीपुरम में हुई थी। विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) की रैली में भारी भीड़ जमा हो गई थी। अधिकारियों के मुताबिक, जगह की क्षमता करीब 10 हजार लोगों की थी, लेकिन वहां लगभग 30 हजार लोग इकट्ठा हो गए। सुरक्षा के नियमों का पालन नहीं हुआ और खाने-पीने की पानी की उचित व्यवस्था भी नहीं थी, जिससे हालात और बिगड़ गए।भीड़ को इकट्ठा करने में लापरवाही सबसे बड़ा कारण बताई गई। विजय दोपहर 12 बजे पहुंचने वाले थे, लेकिन शाम करीब 7 बजे आए। इस देरी से भीड़ और बढ़ती गई। जब उनका कैंपेन बस आया, तो लोगों में उत्साह की लहर दौड़ गई। कई लोग विजय को देखने के लिए पेड़ों, छतों और बिजली के खंभों पर चढ़ गए। बिजली का करंट लगने के डर से अधिकारियों ने लाइनें काट दीं। भगदड़ के अगले दिन ही विजय ने बड़ा ऐलान किया। उन्होंने हर मृतक के परिवार को 20 लाख रुपये और घायलों को 2 लाख रुपये की मदद देने की घोषणा की। साथ ही, अपनी राज्यव्यापी यात्रा को भी स्थगित कर दिया। टीवीके के करुर पश्चिम जिला सचिव मथियाझागन को पुलिस ने गिरफ्तार किया था, क्योंकि उन पर व्यवस्था में चूक का आरोप लगा। लेकिन बाद में कोर्ट ने उनकी हिरासत बढ़ाने से इनकार कर दिया और उन्हें रिहा कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर यह मामला सीबीआई को सौंपा गया है। इससे पहले पार्टी के कई बड़े नेताओं से पूछताछ हो चुकी है। अब विजय खुद जांच के दायरे में आ गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, विजय से रैली की प्लानिंग, भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा इंतजामों पर सवाल किए जाएंगे। विजय ने पहले कहा है कि वे जांच में पूरा सहयोग करेंगे। यह मामला 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले टीवीके के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है।

गाजियाबाद में 28.37 लाख से घटकर 20.19 लाख रह गई मतदाताओं की संख्या, 8.18 लाख नाम हटाए गए

गाजियाबाद। चुनाव आयोग के निर्देश पर मतदाता सूची के एसआईआर का पहला चरण पूरा हो गया है। मंगलवार को गाजियाबाद के पांचों विधानसभा क्षेत्र की अनंतिम मतदाता सूची के ड्रॉफ्ट का प्रकाशन प्रत्येक पोलिंग बूथ, तहसील के साथ ही जिला मुख्यालय पर कर दिया गया है।इसके तहत जिले में 63,824 मृतक, 3,19,838 अनट्रेस, 3,59,889 परमानेंटली शिफ्टेड, 31,787 आलरेडी इनराल्ड और गणना प्रपत्र जमा न करने वाले 51,781 अन्य श्रेणी के मतदाताओं समेत कुल 8.18 लाख से अधिक मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से काट दिया गया है।जिले में अब मतदाताओं की संख्या 28.37 लाख से घटकर 20.19 लाख रह गई है। सबसे अधिक 3,99,387 मतदाताओं के नाम साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र में काटे गए हैं। सबसे कम 51,781 मतदाताओं के नाम मोदीनगर मतदाता सूची में काटे गए हैं।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने झारखंड को दिए कई तोहफे सड़क और गंगा पुल परियोजनाओं को दी हरी झंडी

रांची, 07 जनवरी [एजेंसी]।

राजधानी रांची से साहिबगंज के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग के मिसिंग क्षेत्र में फोरलेन एवं सिक्सलेन सड़क निर्माण के लिए केंद्र सरकार ने पूरी सहायता देने का आश्वासन दिया है। इस पर आगे की कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।नई दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत मंडपम के अंतगर्त केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए। इसमें राजमहल से पश्चिम बंगाल के मानिक चक तक गंगा नदी पर पुल निर्माण के प्रस्ताव पर विचार कर डीपीआर बनाने का निर्देश दिया गया । केंद्रीय मंत्री ने राज्य में माइनिंग, इंडस्ट्रीयल और पर्यटन के विकास एवं सुलभ यातायत की परियोजनाओं से संबंधित प्रस्ताव देने को कहा जिससे झारखंड का इन क्षेत्रों में समग्र विकास हो सके। बैठक में झारखंड अंतर्गत एनएचएआई, एनएच एवं राज्य सरकार के तहत क्रियान्वित एवं स्वीकृत योजनाओं की समीक्षा की गई। केंद्रीय मंत्री गडकरी द्वारा विगत साल पथ निर्माण से संबंधित फारेस्ट क्लीयरेंस एवं भूमि अधिग्रहण के मामले पर संतोष व्यक्त किया गया। उन्होंने शेष लंबित अधिग्रहण एवं एनओसी के मामलों को ससमय निष्पादित करने का निर्देष दिया। केंद्रीय मंत्री द्वारा झारखंड एवं सीमावर्ती राज्यों में खनन एवं औद्योगिक गतिशीलता के लिए प्रस्ताव बनाकर पीएम गति शक्ति पोर्टल पर डालने का निर्देश राज्य के पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार को दिया। ताकि सक्षम प्राधिकार द्वारा उसकी समीक्षा कर प्रस्ताव को योग्य करार देते हुये आगे की कार्रवाई की जा सके। केंद्रीय मंत्री के समक्ष राष्ट्रीय राजमार्ग के रांची से साहिबगंज के बीच जैनामोड़, डुमरी और फुसरो तथा देवघर से मिर्खाबाद के बीच मिसिंग इलाकों के बीच फोरलेन एवं सिक्स लेन सड़क बनाने के प्रस्ताव पर भी प्राथमिक सहमति दी गई। सक्षम प्राधिकार के समक्ष प्रस्ताव रखने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही राजमहल से पश्चिम बंगाल के मानिक चक तक गंगा नदी पर पुल बनाने के प्रस्ताव पर प्राथमिक सहमति जताई गई। इससे झारखंड से पश्चिम बंगाल एवं नार्थ ईस्ट तक गेटवे खुल जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने झारखंड सरकार द्वारा प्रस्तुत इन प्रस्तावों को न केवल राज्य, बल्कि पूरे क्षेत्र के आर्थिक विकास के लिए अत्यंत व्यावहारिक और महत्वपूर्ण बताया।

नोएडा-गाजियाबाद में 10 जनवरी तक बंद रहेंगे स्कूल, ठंड के चलते बढ़ाई गई छुट्टियां

गाजियाबाद 7 जनवरी। अत्यंत ठंड और शीतलहर को ध्यान में रखते हुए नोएडा-ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद जिले के स्कूलों में छुट्टियां बढ़ा दी गई हैं। अब आठवीं तक के सभी स्कूलों में 10 जनवरी तक अवकाश रहेगा।इस संबंध में गाजियाबाद जिलाधिकारी के निर्देश पर बेसिक शिक्षा अधिकारी ने 10 जनवरी तक अवकाश घोषित कर दिया। बच्चों के स्वास्थ्य और स्कूल आने जाने में असुविधा को ध्यान में रखते हुए अवकाश घोषित करने का निर्णय लिया गया है। जिले के स्कूलों में पांच जनवरी तक छुट्टी की गई थी। छह जनवरी को भीषण सर्दी देखते हुए छुट्टियां बढ़ा दी गई हैं। बीएसए ओपी यादव का कहना है कि अभी ठंड काफी ज्यादा पड़ रही है। बच्चों के स्वास्थ्य और समस्या को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर 10 जनवरी तक अवकाश घोषित करने का निर्णय लिया गया है। सभी बोर्ड के स्कूल 10 जनवरी तक बंद रहेंगे।

रुक्मिणी वसंत का भव्य अनावरण, यश की फिल्म टॉक्सिक ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स में 'मेलिसा' के रूप में

यश की टॉक्सिक- ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स हर नए खुलासे के साथ और भी गहरी, डार्क और बेबाक होती जा रही है। यह फिल्म अब एक ऐसी सिनेमाई दुनिया गढ़ रही है, जो हर मोड़ पर चौंकाती है। इसी रोमांचक सफर में मेकर्स ने एक बड़ा पत्ता खोला है—रुक्मिणी वसंत की एंट्री, जो 'मेलिसा' के किरदार में नजर आएंगी। शालीन, प्रभावशाली और बिल्कुल न झुकने वाली मेलिसा के रूप में रुक्मिणी की मौजूदगी फिल्म के इंटेंस ड्रामा को एक नया आयाम देती है। यह फिल्म रुक्मिणी वसंत और यश के बीच पहली दमदार साझेदारी को भी चिन्हित करती है, वो भी निर्देशक गीतू मोहनदास की खास सिनेमाई दृष्टि के साथ।

अपनी समझदार परफॉर्मेंस और भावनात्मक गहराई के लिए जानी जाने वाली रुक्मिणी की एंट्री इस बात का संकेत है कि दर्शकों को एक ऐसी अदाकारी देखने को मिलेगी, जो गीतू की परतदार और माहौल रचने वाली कहानी कहने की शैली में पूरी तरह घुली-मिली होगी। वहीं यश का सपना भी साफ झलकता है—एक ऐसी भारतीय फिल्म बनाना, जो स्केल में ग्लोबल हो और भावनाओं में हर किसी से जुड़ जाए। नादिया के रूप में कियारा आडवाणी, एलिज़ाबेथ के रूप में हुमा कुरैशी, गंगा के रूप में नयनतारा और रेबेका के रूप में तारा सुतारिया के दमदार फर्स्ट लुक्स के बाद, अब टॉक्सिक की रहस्यमयी दुनिया में मेलिसा की एंट्री होती है। 1960 के दशक के आखिरी दौर की एक रंगीन लेकिन धुंधली पार्टी की पृष्ठभूमि में मेलिसा खुद को पूरे आत्मविश्वास के साथ पेश करती हैं। चारों ओर जश्न, शोर और हलचल है, लेकिन उनकी नजरें एकदम सटीक और दृढ़ हैं। जहां बाकी दुनिया बहती हुई सी लगती है, वहीं मेलिसा हर कदम सोच-समझकर रखती हैं, ऐसे अंदाज़ में कि पूरी महफिल पर उनका ही असर छा जाता है।

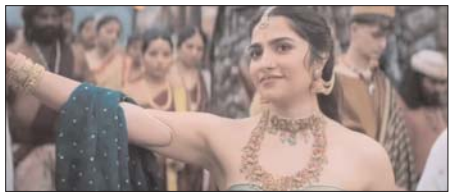

हर नए खुलासे के साथ फिल्म और भी धारदार होती जा रही है। इसका भावनात्मक दायरा फैल रहा है, सिनेमाई पैमाना और बड़ा हो रहा है और टॉक्सिक खुद को 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित भारतीय फिल्मों में मजबूती से स्थापित कर रही है।

निर्देशक गीतू मोहनदास कहती हैं, रुक्मिणी में मुझे सबसे ज्यादा जो चीज़ पसंद है, वो है एक कलाकार के तौर पर उनकी बुद्धिमत्ता। वो सिर्फ अभिनय नहीं करतीं, वो किरदार को समझती हैं, उसे प्रोसेस करती हैं। उनके सवाल शक से नहीं, जिज्ञासा से आते हैं और यही बात मुझे भी एक निर्देशक के तौर पर और गहराई से सोचने पर मजबूर करती है। कई बार तो अपने ही फैसलों पर दोबारा विचार करने लगती हूं। उन्हें काम करते देख मुझे एहसास होता है कि स्क्रीन पर इंटेलिजेंस अक्सर वहां होती है, जो कहा नहीं जाता। शूट के बीच-बीच में मैं उन्हें चुपचाप अपनी डायरी में कुछ लिखते देखती हूं—सेट से जुड़े छोटे किस्से, अपने विचार। ये छोटे पल उनके प्रोसेस के बारे में बहुत कुछ कह जाते हैं। वो लगातार अपनी एक अंदरूनी दुनिया बना रही होती हैं। उनका यह अप्रोच मुझे बेहद सोच-समझ से भरा लगता है और सच कहूं तो कई बार मन करता है कि उनकी डायरी के पन्ने चुपके से पढ़ लूं, ताकि उस दिमाग को समझ सकूं, जो इतनी परतदार परफॉर्मेंस के पीछे है।

यश और गीतू मोहनदास द्वारा लिखी गई और गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी टॉक्सिक- ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स को कन्नड़ और अंग्रेज़ी में एक साथ फिल्माया गया है। इसके साथ ही हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम और कई अन्य भाषाओं में डब वर्ज़न की योजना है, जो इसके ग्लोबल विज़न को साफ दर्शाता है। फिल्म की तकनीकी टीम भी उतनी ही दमदार है—नेशनल अवॉर्ड विजेता राजीव रवि सिनेमैटोग्राफी संभाल रहे हैं, संगीत में रवि बस्रूर का जादू होगा, एडिटिंग की कमान उज्ज्वल कुलकर्णी के हाथ में है और प्रोडक्शन डिजाइन टीपी आबिद ने किया है। हाई-ऑक्टेन एक्शन को हॉलीवुड के मशहूर एक्शन डायरेक्टर जेजे पेरी, जिन्हें जॉन विक के लिए जाना जाता है, के साथ नेशनल अवॉर्ड विजेता जोड़ी अंबरिव और केचा खाम्फाकडी ने कोरियोग्राफ किया है।

वेनकट के. नारायण और यश द्वारा केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी टॉक्सिक की भव्य थिएट्रिकल रिलीज़ 19 मार्च 2026 को तय है। यह लंबा फेस्टिव वीकेंड होगा, जब ईद, उगादी और गुड़ी पड़वा एक साथ आएंगे—और टॉक्सिक बड़े पर्दे पर जश्न को और भी बड़ा बनाने के लिए पूरी तरह तैयार होगी।

बॉक्स ऑफिस पर को बढ़ी 'हक' और 'जटाधरा' की कमाई, द गर्लफ्रेंड के कलेक्शन में भी मामूली बढ़त

बॉक्स ऑफिस पर कुछ फिल्मों के लिए शुभ संकेत लेकर आया। वहीं कुछ में गिरावट देखने को मिली है। हक की कमाई में एकबार फिर से उछाल देखने को मिला है। वहीं जटाधरा, प्रेडेटर बैडलैंड्स और द गर्लफ्रेंड के कलेक्शन में भी मामूली बढ़त देखने को मिली है। चलिए जानते हैं द ताज स्टोरी, थामा से लेकर एक दीवाने की दीवानियत का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन। यामी गौतम और इमरान हाशमी की फिल्म हक ने बॉक्स ऑफिस पर 1.75 करोड़ रुपये से शुरुआत की थी। इसके बाद फिल्म के कलेक्शन में कुछ बढ़त देखने को मिली थी। लेकिन वीकएंड के बाद फिल्म की कमाई में गिरावट आई थी। बीते दिन मंगलवार को फिल्म ने 1.25 करोड़ रुपये कमाए, जबकि इसने सोमवार को 1.05 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म हक ने अभी तक पांच दिनों में कुल 11.25 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। इस फिल्म का निर्देशन सुपर्ण एस. वर्मा ने किया है। सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा अभिनीत 'जटाधरा' शुरुआती दिनों से बॉक्स ऑफिस पर कमजोर पड़ती नजर आई। फिल्म ने बीते दिन मंगलवार को 60 लाख रुपये कमाए थे। वहीं इसने सोमवार को 55 लाख रुपये कमाए थे। जटाधरा ने अभी तक 5 दिनों में कुल 4.54 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। फिल्म का निर्देशन

अभिषेक जायसवाल ने किया है। इसके अलावा फिल्म में सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा के साथ शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णन, रवि प्रकाश, राजीव कनकला और सुभलेखा सुधाकर जैसे सशक्त कलाकार नजर आए हैं। रश्मिका मंदाना की फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' ने बीते दिन मंगलवार को बॉक्स ऑफिस पर 80 लाख रुपये कमाए। वहीं इसने सोमवार को 83 लाख रुपये कमाए थे। फिल्म ने अभी तक पांच दिनों में कुल 8.03 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना और दीक्षित शेट्टी के अलावा अनु इमैनुएल, रोहिणी, कौशिक मेहता और राव रमेश हैं। इसका निर्देशन और लेखन राहुल रवींद्रन ने किया है। आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की फिल्म थामा ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त शुरुआत करते हुए 24 करोड़ रुपये कमाए थे। इस फिल्म ने मंगलवार को 15 लाख रुपये कमाए, जबकि इसने सोमवार को 40 लाख रुपये कमाए थे। थामा ने अभी तक 22 दिनों में कुल 131.6 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।

सनम तेरी कसम स्टार हर्षवर्धन राणे अभिनीत फिल्म एक दीवाने की दीवानियत ने मंगलवार को सिर्फ 15 लाख रुपये कमाए को 1.9 करोड़ । वहीं इसने सोमवार को 50 लाख रुपये कमाए थे। फिल्म ने अभी तक कुल 75.6 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।

मुंबई के प्रदूषण से हिना खान की सेहत पर पड़ा बुरा असर, सांस लेने में हो रही तकलीफ

भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई हमेशा अपने तेज रफ्तार जीवन और चमक-दमक के लिए जानी जाती है। हाल के वर्षों में मुंबई में हवा की गुणवत्ता लगातार गिरती जा रही है और लोगों के लिए दिन-प्रतिदिन की जिंदगी मुश्किल बनती जा रही है। प्रदूषण ने ना सिर्फ आम लोगों की सेहत पर असर डाला है, बल्कि सेलिब्रिटी भी इससे अछूते नहीं हैं। टीवी की लोकप्रिय अभिनेत्री हिना खान ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि वह बढ़ते प्रदूषण की समस्या से परेशान हैं और इससे उनके स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। हिना खान ने कहा, मुंबई की बिगड़ती हवा के कारण मुझे सांस लेने में मुश्किल हो रही है। प्रदूषण की वजह से लगातार खांसी है और यह सेहत पर बुरा असर डाल रहा है। ब्रेस्ट कैंसर से जूझने के कारण यह मेरे लिए और भी चुनौतीपूर्ण है।

हिना खान ने कहा, प्रदूषित हवा की वजह से मेरा बाहर निकलना और शारीरिक तौर पर कोई काम करना भी सीमित हो गया है। यह मेरे दैनिक जीवन की सामान्य गतिविधियों पर भी असर डाल रहा है। अपने अनुभव को और स्पष्ट करने के लिए हिना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर मुंबई के एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) का स्क्रीनशॉट साझा किया। इस स्क्रीनशॉट में शहर का एक्यूआई 209 दर्ज किया गया, जो बताता है कि हवा की गुणवत्ता खराब स्तर पर है।

हिना ने कैप्शन में लिखा, क्या हो रहा है? सांस नहीं ले पा रही हूं। बाहर जाना कम कर दिया है। लगातार खांसी हो रही है। सुबह से ही हालत बहुत खराब है।

इससे पहले हिना खान ने अभिनेत्री सोहा अली खान के पॉडकास्ट ऑल अबाउट हर में अपने कैंसर से जूझने की चुनौतीपूर्ण यात्रा के बारे में भी खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया कि उनका इलाज कठिन रहा और इस दौरान उन्हें अच्छे और बुरे दोनों दिन देखने को मिले।

हिना ने कहा कि उन्होंने हर तीन हफ्ते में कीमोथेरेपी ली, और कीमो के पहले हफ्ते में उन्हें बहुत दर्द होता था। लेकिन बाकी के दो हफ्ते, वह सामान्य जीवन जीने की कोशिश करती थीं और अपने परिवार और प्रियजनों के साथ वक्त बिताती थीं।

हिना ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, देखने का नजरिया बहुत महत्वपूर्ण है। लोग जैसे ही किसी गंभीर बीमारी का पता लगाते हैं, सोचते हैं कि उनकी जिंदगी खत्म हो गई। मैं भी पहले ऐसा ही सोचती थी। लेकिन अनुभव करने के बाद मैंने समझा कि जीवन में बुरे और दर्दनाक दिन जरूर होते हैं, लेकिन अच्छे दिन भी आते हैं, जब आप अपने परिवार और प्यार के बीच सामान्य जीवन जीते हैं। यह संतुलन ही जीवन की खूबसूरती है।

पृथ्वीराज सुकुमारन विलायथ बुद्ध का टीचर रिलीज

पृथ्वीराज सुकुमारन की मलयालम थ्रिलर परियोजना विलायत बुद्ध रिलीज़ के लिए तैयार है, जिसका टीज़र हाल ही में तेलुगु और अखिल

भारतीय भाषाओं में जारी किया गया है। जयन नांबियार द्वारा निर्देशित यह फिल्म जीआर इंदुगोपन के इसी नाम के प्रशंसित उपन्यास का रूपांतरण है। दिलचस्प बात यह है कि इस टीज़र की तुलना अल्लू अर्जुन की पुष्पा से की जा रही है, और कुछ दृश्य इस फिल्म से मिलते-जुलते हैं। हालाँकि, पृथ्वीराज का किरदार, डबल मोहनन, टीज़र में पुष्पा के संदर्भ पर प्रतिक्रिया देते हुए कहता है, नहीं, वह अंतर्राष्ट्रीय है। हम स्थानीय हैं।कहानी शम्मी थिलकन द्वारा अभिनीत भास्करन मास्टर और उनके पूर्व शिष्य डबल मोहनन के बीच विलायत बुद्ध नामक एक मूल्यवान चंदन के पेड़ के स्वामित्व को लेकर सत्ता संघर्ष के इर्द-गिर्द घूमती है। यह पेड़ अपने उच्च निर्यात मूल्य के लिए बेशकीमती है और दोनों पात्रों के बीच संघर्ष का केंद्र है।इस फिल्म में अनु मोहन, प्रियंवदा कृष्णन और कोट्टायम रमेश जैसे प्रतिभाशाली कलाकार हैं, संगीत जैक्स बिजॉय का है और छायांकन अरविंद कश्यप का है, जो कंतारा में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। फिल्मांकन के दौरान पृथ्वीराज की चोट के कारण देरी का सामना करने के बावजूद, विलायत बुद्धा एक एक्शन से भरपूर थ्रिलर होने का वादा करती है।

बड़े पर्दे पर अब मचेगा कॉस्मिक कॉमेडी का बवाल

ज़ी स्टूडियोज़ और ब्लाइव प्रोडक्शन्स के बैनर तले बनी फिल्म राहु केतु का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज़ हो चुका है और आते ही इसने साफ कर दिया है कि दर्शकों को मिलने वाला है एक ऐसा पागलपन भरा सफर, जहां पौराणिक कथाएं टकराएंगी आज के हंगामे से और हंसी के पीछे छुपा होगा एक बड़ा कॉस्मिक मैसेज।

चुटीले ह्यूमर, शार्प राइटिंग और दमदार परफॉर्मेंस से भरा यह ट्रेलर एक ऐसी फिल्म का वादा करता है, जो जितनी एंटरटेनिंग है, उतनी ही सोचने पर मजबूर करने वाली भी। ट्रेलर की शुरुआत होती है पियूष मिश्रा की प्रभावशाली आवाज़ से, जो अपनी खास कहानी कहने की शैली में राहु और केतु के पौराणिक महत्व से दर्शकों को रूबरू कराते हैं। उनकी आवाज़ लोककथाओं की जड़ों में कहानी को मजबूती से बांधती है और एक ऐसी दुनिया की नींव रखती है, जहां प्राचीन मान्यताएं टकराती हैं आज के मॉडर्न कन्फ्यूज़न से। फिल्म की कमान संभालते हैं पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा, जिनकी कॉमिक टाइमिंग और आपसी केमिस्ट्री ट्रेलर में ही दिल जीत लेती है। पुलकित अपने किरदार में चार्म, चालाकी और अनिश्चितता लेकर आते हैं, जो शॉर्टकट और महत्वाकांक्षा से चलने वाला है। वहीं वरुण शर्मा एक बार फिर साबित करते हैं कि सिचुएशनल कॉमेडी उनका मजबूत हथियार है, जहां उनका फिज़िकल ह्यूमर और ऑब्ज़र्वेशनल कॉमिक सेंस खूब रंग जमाता है। फिल्म की थीम पर बात करते हुए पुलकित सम्राट कहते हैं, फैंटेसी की दुनिया हमेशा से मुझे आकर्षित करती रही है। राहु केतु में जो बात मुझे सबसे ज्यादा एक्साइटिंग लगी, वो था इस रंगीन और अराजक यूनिवर्स का हिस्सा बनना, जो पूरी तरह कॉमेडी से जुड़ा है। पौराणिक विचारों को मज़ेदार और आसान अंदाज़ में, खासकर बच्चों के लिए, ज़िंदा होते देखना और उस सफर का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खुशी की बात रही। वहीं वरुण शर्मा जोड़ते हैं, राहु केतु का ह्यूमर पूरी तरह सिचुएशंस और इंसानी कमज़ोरियों से निकला है। हम सिर्फ लोगों को हंसा नहीं रहे, बल्कि एक आईना दिखा रहे हैं, बस थोड़ा सा पागलपन, ढेर सारी मस्ती और अराजकता के साथ। शालिनी पांडे ट्रेलर में एक मजबूत और आत्मविश्वासी अवतार में नज़र आती हैं। उनका किरदार कहानी को भावनात्मक गहराई देता है और फिल्म की नैतिक रीढ़ को मज़बूती से थामे रखता है, जिससे स्क्रीन पर चल रहे पूरे हंगामे को एक ठोस दिशा मिलती है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए शालिनी पांडे कहती हैं, राहु केतु मेरे करियर के सबसे मज़ेदार सफरों में से एक रहा है। विपुल विग का विज़न बहुत स्पष्ट है, लेकिन वह अपने कलाकारों को अपनी सहज प्रवृत्ति लाने की पूरी आज़ादी देते हैं।

रीना रॉय : पर्दे की पहली नागिन ने जब चुराया लोगों का दिल, हर रोल में दिखीं बेहद खास

बॉलीवुड की दुनिया में कई कलाकार हैं, लेकिन कुछ ही ऐसे होते हैं जो हर तरह के किरदार को इतनी मजबूती से निभाते हैं कि दर्शक उन्हें हमेशा याद रखें। रीना रॉय भी उन्हीं में से एक हैं। चाहे कोई रोल नेगेटिव हो या पॉजिटिव, उनकी परफॉर्मेंस में हमेशा आत्मविश्वास देखने को मिलता है। 1970 और 1980 के दशक में उन्होंने जिस तरह से फिल्मों में खुद को साबित किया, वह आज भी दर्शकों के दिलों में जिंदा है। उनकी खूबसूरती और अभिनय क्षमता ने उन्हें सिर्फ हिट फिल्मों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्होंने हर किरदार से अपनी छाप छोड़ी। रीना रॉय का जन्म 7 जनवरी 1957 को मुंबई में हुआ था। उनका असली नाम सायरा अली था। उनका परिवार फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ा था। उनके पिता, सादिक अली, अभिनेता थे, और उनकी मां, शारदा रॉय, भी फिल्मों में काम करती थीं। माता-पिता के तलाक के बाद, उनका नाम बदलकर पहले रूपा रॉय और फिर फिल्म निर्माता की सलाह पर रीना रॉय रखा गया। उनकी रुचि बचपन से ही अभिनय में थी।

रीना ने 1972 में फिल्म जरूरत से अपने करियर की शुरुआत की। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा सफल नहीं हुई, लेकिन रीना की परफॉर्मेंस ने दर्शकों और फिल्म निर्माताओं का ध्यान खींचा। इसके बाद उन्होंने 1973 में जैसे को तैसा और 1975 में जख्मी जैसी फिल्मों में काम किया। उन्होंने फिल्मों में नेगेटिव किरदारों के जरिए अभिनय की ताकत दिखाई। 1976 में रीना के करियर का सुनहरा मोड़ आया। उन्होंने कालीचरण और नागिन जैसी फिल्मों में मुख्य भूमिकाएं निभाईं। कालीचरण में उनकी केमिस्ट्री शत्रुघ्न सिन्हा के साथ पसंद की गई, जबकि नागिन में उन्होंने एक इंसान और नागिन के रूप में जटिल भूमिका निभाई। इस फिल्म ने उन्हें बॉक्स ऑफिस स्टार बना दिया। इस समय उनकी खूबसूरती के साथ-साथ किरदार निभाने की मजबूती ने दर्शकों को प्रभावित किया। 1977 में रीना ने अपनापन में काम किया और फिल्मफेयर अवॉर्ड के लिए नामांकित हुई। इसके बाद उन्होंने 1980 में आशा, 1981 में नसीब, और 1982 में सनम तेरी कसम जैसी हिट फिल्मों में काम किया। इन फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग किरदार निभाए, कभी प्यार में हारी प्रेमिका की, तो कभी संस्कारी बहू की, तो कभी साहसी महिला की, उनके किरदारों में हमेशा गहराई और मजबूती देखने को मिलती थी। रीना रॉय ने अपने करियर में कई बड़े सितारों के साथ काम किया। उन्होंने जितेंद्र के साथ कई हिट फिल्में दीं, जैसे बदलते रिश्ते, अर्पण, और आशा। उन्होंने शत्रुघ्न सिन्हा के साथ भी कई हिट फिल्में कीं। उनके किरदार चाहे नेगेटिव हों या पॉजिटिव, हमेशा दर्शकों के दिलों पर असर छोड़ते थे। उनके अभिनय की यही खासियत उन्हें अलग बनाती है।

लंबे समय बाद सेट पर लौटीं कंगना रनौत शुरू की भारत भाग्य विधाता की शूटिंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस और मंडी से सांसद कंगना रनौत काफी समय से फिल्मों से दूर और राजनीति में ज्यादा सक्रिय हैं। अभिनेत्री ने शीतकालीन सत्र में कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा था, लेकिन अब काफी समय बाद कंगना वापस फिल्मी सेट पर लौटी हैं। उन्होंने शूटिंग करते हुए वीडियो पोस्ट किया है। सेट पर वापसी करने का अनुभव अभिनेत्री के लिए खुश कर देने वाला है। कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह मनोज तापड़िया के साथ दिख रही हैं। अभिनेत्री सेट पर बाकी लोगों के साथ मिलजुल रही हैं और मनोज तापड़िया उन्हें फिल्म के सीन भी समझा रहे हैं। उन्होंने वीडियो को शेयर कर लिखा, फिल्म के सेट पर वापसी कर अच्छा लग रहा है। कंगना फिल्म इमरजेंसी के बाद लंबे समय के बाद दूसरी फिल्म की शूटिंग कर रही हैं, जिसका नाम है भारत भाग्य विधाता। इमरजेंसी के रिलीज के साथ कंगना ने भारत भाग्य विधाता की अनाउंसमेंट कर दी थी, लेकिन अब तकरीबन एक

साल बाद फिल्म की शूटिंग शुरू की गई है। भारत भाग्य विधाता को यूनोइया फिल्म्स की बबीता आशिवाल और फ्लोटिंग रॉक्स एंटरटेनमेंट के आदि शर्मा मिलकर प्रोड्यूस करने वाले हैं, जबकि डायरेक्ट मनोज तापड़िया करेंगे, जिन्होंने मद्रास कैफे, चीनी कम, एनएच10, और माई जैसी फिल्मों को डायरेक्ट किया है। भारत भाग्य विधाता एक देशभक्ति फिल्म है।

शब्द सामर्थ्य -279

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भुत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे
2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए, ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 278 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा		म	हा	र	त
क		ह					ज	न
	जा	न	की		क	म	नी	य
		त	म	क	ना			
म			त	ह	त		दा	ब
सी	मा			ला		स	न	द
हा	थ	म	ल	ना		वा		च
		द			घा	ल	मे	ल
	ब	द	ह	वा	स			न

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मातेश्वरी द्विवेदी कर्तव्य परायणता की मिसाल बनी

बलरामपुर। बलरामपुर रामानुजगंज नगर के वार्ड क्रमांक 4 में स्थित आदर्श जवाहरलाल नेहरू आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकर्ता मातेश्वरी द्विवेदी ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसएआर) कार्य के दौरान कर्तव्यपरायणता की मिसाल पेश की है। अतिरिक्त दायित्वों के बावजूद उन्होंने अपने कार्य को पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निभाया। जानकारी के अनुसार, विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य के अंतर्गत नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 11 एवं वार्ड क्रमांक 6 में बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) का दायित्व भी मातेश्वरी द्विवेदी द्वारा सफलतापूर्वक निर्वहन किया जा रहा है। दो वार्डों का अतिरिक्त कार्यभार होने के बावजूद उन्होंने अपने मूल पद की जिम्मेदारियों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती। एसएआर कार्य के दौरान जहां नगर के कई आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन प्रभावित रहा और कुछ केंद्र बंद रहने की स्थिति में भी पहुंचे, वहीं वार्ड क्रमांक 4 स्थित आदर्श जवाहरलाल नेहरू आंगनबाड़ी केंद्र का नियमित रूप से संचालन होता रहा। केंद्र में बच्चों की उपस्थिति, पोषण आहार वितरण, शैक्षणिक गतिविधियां एवं अन्य शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन निरंतर जारी रहा। स्थानीय नागरिकों एवं अभिभावकों ने भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की कार्यशैली की सराहना की है। उनका कहना है कि अतिरिक्त जिम्मेदारियों के बावजूद केंद्र का नियमित संचालन होना अन्य कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। मातेश्वरी द्विवेदी की यह कार्यनिष्ठा न केवल आंगनबाड़ी व्यवस्था को सुदृढ़ करती है, बल्कि शासन की योजनाओं को जमीनी स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

प्लास्टिक प्रोसेसिंग इकाई के संचालन हेतु 16 जनवरी तक आवेदन आमंत्रित

सूरजपुर। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत जिले के 06 विकासखंड के 04 ग्राम पंचायत में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रोसेसिंग इकाई स्थापित किया गया है। उक्त प्लास्टिक अपशिष्ट इकाई (पीडब्लूएमयू) के संचालन कार्य के लिए इच्छुक रिसाईक्लर्स, फर्म या थर्ड पार्टी से मोहर बंद लिफाफे में आवेदन (रूचि की अभिव्यक्ति) 16 जनवरी दोपहर 12 बजे तक आमंत्रित किया गया है। अधिक जानकारी के लिए जिला पंचायत सूरजपुर के सूचना पटल एवं जिले के वेबसाइट पर अवलोकन कर सकते हैं।

कलेक्टर ने एसआईआर अंतर्गत नो मैपिंग प्रकरणों की समीक्षा बैठक ली

सूरजपुर। श्री एस. जयवर्धन ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के समस्त राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) के अंतर्गत नो मैपिंग प्रकरणों की सुनवाई की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि नोटिस तामिल और सुनवाई की प्रक्रिया युद्ध स्तर पर कराते हुए तय सीमा समय पर निर्धारित कार्यो को पूर्ण करना है।उल्लेखनीय है कि एसआईआर के तहत बीएलओ के माध्यम से संबंधित व्यक्तियों को नोटिस तामील कराई जा रही है, जिनकी सुनवाई निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ) द्वारा नियमानुसार की जा रही है। बैठक में उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार वर्चुअल माध्यम से बैठक ली।

आईटीआई में 12 जनवरी को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन

कोरिया। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बैकुण्ठपुर में 12 जनवरी को प्रातः 10:30 बजे से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया जाएगा। इस मेले में समस्त औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं से सभी व्यवसायों में उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी अपने समस्त आवश्यक दस्तावेजों शैक्षणिक व व्यवसायिक प्रमाण पत्र, निवास, जाति, आधार कार्ड, फ़ोटो व अन्य प्रमाण पत्र, दस्तावेज के साथ सहभागिता कर सकते हैं। अप्रेंटिसशिप मेला प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न प्रतिष्ठानों में प्रशिक्षण एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। इस संबंध में अधिक जानकारी प्राप्त करने हेतु प्रशिक्षणार्थी शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बैकुण्ठपुर में कार्यालयीन समय के दौरान संपर्क कर सकते हैं।

कड़ाके की ठंड का असर, कक्षा 5वीं तक के विद्यार्थियों की छुट्टी घोषित

कोरिया बैकुंठपुर। जिले में लगातार बढ़ती ठंड और शीतलहर को देखते हुए जिला प्रशासन ने छात्रों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए बड़ा निर्णय लिया है। कलेक्टर के अनुमोदन से जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा आदेश जारी कर 10 जनवरी 2026 तक जिले के सभी विद्यालयों में कक्षा 5वीं तक के विद्यार्थियों के लिए अवकाश घोषित किया गया है। जारी आदेश के अनुसार यह अवकाश जिले के समस्त शासकीय, अशासकीय, अनुदान प्राप्त, मान्यता प्राप्त एवं सभी बोर्डों से संबद्ध विद्यालयों में लागू रहेगा। हालांकि, विद्यालयों के शिक्षक एवं अन्य कर्मचारी पूर्व निर्धारित समयानुसार विद्यालय में उपस्थित रहेंगे। प्रशासन का कहना है कि अत्यधिक ठंड के कारण छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई है, इसी को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। अभिभावकों ने भी इस फैसले का स्वागत किया है और इसे बच्चों की सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक बताया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी विद्यालय प्रबंधन को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

वर्ष 2026 का पहला जनदर्शन- धूप में बैठकर कलेक्टर ने सुनीं आमजन की समस्याएँ

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिले की कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने वर्ष 2026 के पहले साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में भी आम नागरिकों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए कलेक्ट्रेट परिसर में खुले आसमान के नीचे, मीठी धूप में जनदर्शन आयोजित किया। कलेक्टर ने न केवल फरियादियों की समस्याएँ सुनीं, बल्कि उनके त्वरित एवं नियमसम्मत निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 के अंतिम जनदर्शन की तरह इस वर्ष का पहला जनदर्शन भी खुले वातावरण में आयोजित किया गया, जिसे आम नागरिकों ने सराहा। जनदर्शन कार्यक्रम में बैकुण्ठपुर, पटना, सोनहत एवं पोड़ी-बचरा क्षेत्र से आए फरियादियों ने अपनी विभिन्न समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से पढ़ते हुए त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के समीप आयोजित इस जनदर्शन में सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी केवल आवेदनों को प्राप्त करना नहीं, बल्कि उनका समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि कड़ाके की ठंड को देखते हुए नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसी उद्देश्य से धूप में जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन के दौरान भूमि पर अवैध कब्जा हटाने, बंटांकन, नामांतरण, नक्शा प्रदाय, लंबित भुगतान सहित विभिन्न विषयों से जुड़े अनेक आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, अपर कलेक्टर सुरेंद्र वैध, डी.डी. मंडावी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विकसित कोरिया के लिए जनप्रतिनिधि जीरामजी योजना निर्माण में सहभागी हों:मोहित

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में अध्यक्ष ने वीबी जीरामजी के बारे में रखी बात

कोरिया। जिला पंचायत के मंथन कक्ष में सोमवार को जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक संपन्न हुई। जिला पंचायत क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों द्वारा पर्यवेक्षण व क्षेत्र भ्रमण के दौरान दर्ज किए गए विषयों पर सदन में चर्चा हुई और जिला पंचायत सीईओ ने सभी संबंधित अधिकारियों को उन विषयों के निराकरण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। अध्यक्ष मोहित पैकरा की उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में उपाध्यक्ष वंदना राजवाड़े और जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी शामिल रहे।

सामान्य सभा की बैठक में सभी जिला पंचायत सदस्य व विभागीय अधिकारियों के साथ उपसंचालक पंचायत व अन्य अधिकारी उपस्थित हुए। सामान्य सभा की बैठक के आरंभ में गत बैठक में सदन मे रखे गए सभी विषयों पर संबंधित विभाग प्रमुखों द्वारा की गई कार्यवाही की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। सदन में सदस्य सौभाग्यवती सिंह ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केद्रों तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाली ग्रामीण गर्भवती माताओं को स्वल्पाहार उपलब्ध कराया जाए। इस पर जिला पंचायत सीईओ ने स्वास्थ्य विभाग को कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में होने वाले प्रत्येक योजना के कार्यों की जानकारी पूर्व से ही जिला सदस्यों को प्रदान की जाए जिससे योजनांतर्गत होने वाले कार्यों में गुणवत्ता की देखरेख जनप्रतिनिधि कर सकेगें। संचार संकर्म समिति के सभापति सुरेश सिंह ने वनांचल क्षेत्रों में संलग्नीकरण की व्यवस्था को समाप्त कर सभी विद्यालयों में शिक्षक की नियमित व्यवस्था किए जाने का विषय रखा तथा आगामी सभा की बैठक में वन विभाग के प्रमुख को सदन में उपस्थिति हेतु पत्र प्रेषित किए जाने की मांग रखी। इस पर जिला पंचायत सीईओ ने उप संचालक को इस आशय का पत्र तैयार कर विभाग में प्रेषित किए जाने के निर्देश दिए। कुछ स्थानों पर कराए गए कार्यों में श्रमिकों के भुगतान लंबित होने के विषय पर वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सभी विभागीय कार्यों में संलग्न श्रमिकों के भुगतान करा दिए गए हैं। सदन में प्रत्येक विद्यालय में चल रहे मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता को निरंतर परीक्षण की मांग रखी गई। जिस पर शिक्षा अधिकारी को सतत निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश प्रदान किए गए। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में नियमित तौर पर गर्भवती माताओं की जांच व रात में भी प्रसव सुविधा उपलब्ध रखने की मांग पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त अन्य सदस्यों ने भी विभिन्न विभागों से संबंधित विषय सदन में रखे जिनपर चर्चा उपरांत कार्यवाही कर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश जारी किए गए। सभा को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा ने कहा कि आने वाले समय में हमारे जिले में विकसित भारत जीरामजी योजना लागू होने जा रही है और इसकी वार्षिक कार्ययोजना तैयार करने का काम चल रहा है। हम सभी जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र में ग्रामीणों को जागरूक कर इसमें सहभागिता के लिए तैयार करें और ज्यादा से ज्यादा जल संरक्षण के कार्यों को चिन्हित करें ताकि आने वाले समय मे जीरामजी योजना से पूरे कोरिया को विकसित करने की राह बन सके।

सामान्य सभा की बैठक में जिला पंचायत सभापति राजेश साहू, गीता राजवाड़े, संगीता सोनवानी, सुषमा कोराम, शिवकुमारी, स्नेहलता उदय और जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह तथा सोनहत जनपद अध्यक्ष आशा देवी सोनपाकर ने भी अपने विषय रखे और जिला पंचायत सीईओ ने सभी पर जल्द कार्यवाही के निर्देश दिए। अंत में सभी को नए वर्ष की शुभकामनाओं के साथ सभा की कार्यवाही समाप्त की गई।

देवेंद्र का एक साल का कार्यकाल पूरा

कोरिया बैकुंठपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष के रूप में देवेंद्र तिवारी का एक वर्ष का कार्यकाल सफलतापूर्वक पूर्ण होना पूरे संगठन के लिए गर्व, प्रेरणा और आत्मविश्वास का विषय है। देवेंद्र तिवारी ने जिला अध्यक्ष के रूप में संगठन को एक परिवार की तरह जोड़े रखा। उनके नेतृत्व में प्रत्येक छोटा-बड़ा कार्यकर्ता स्वयं को संगठन का महत्वपूर्ण अंग महसूस करता है। कार्यकर्ताओं के साथ उनका आत्मीय व्यवहार, सादगी और सहजता उनकी सबसे बड़ी पहचान बनी। यही कारण है कि संगठन में आपसी विश्वास, समर्पण और एकजुटता की भावना और अधिक मजबूत हुई। उन्होंने हर कार्यकर्ता की बात को गंभीरता से सुना और संगठनात्मक निर्णयों में सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास किया। अपने कार्यकाल के दौरान देवेंद्र तिवारी ने संगठनात्मक मजबूती को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। बूथ स्तर से लेकर मंडल और जिला स्तर तक संगठन को सक्रिय, अनुशासित और ऊर्जावान बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए गए। नियमित बैठकों, संवाद कार्यक्रमों और संगठनात्मक अभियानों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया गया और पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को आमजन तक पहुंचाने का कार्य किया गया। कठिन परिस्थितियों और चुनौतियों के बीच भी देवेंद्र तिवारी ने धैर्य, दृढ़ता और साहस के साथ संगठन का नेतृत्व किया। राजनीतिक और सामाजिक चुनौतियों के समय उनका संतुलित निर्णय, स्पष्ट सोच और निस्वार्थ सेवा भाव कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत बना।

सरभोका में पुस्तक विमोचन हुआ

एमसीबी। ग्राम सरभोका स्थित के.बी. पटेल कॉलेज ऑफ नर्सिंग में आयोजित पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के कृषि विकास मंत्री राम विचार नेताम मुख्य अतिथि और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल अतिथि के रूप में शामिल हुए।

गणतंत्र पर्व के लिए बैठक में चर्चा

सूरजपुर। कलेक्टर एस जयवर्धन की अध्यक्षता में जिला संयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई थी। 26 जनवरी 2026 गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सूरजपुर के स्टेडियम ग्राउंड में निर्धारित किया गया है। जिसकी तैयारियां निर्धारित तिथि के पूर्व सुनिश्चित की जाए इस हेतु कलेक्टर द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए। उन्होंने कार्यक्रम के सुव्यवस्थित एवं गरिमामय आयोजन हेतु कार्य विभाजन के आधार पर संबंधितों से क्रमवार चर्चा की। इसके साथ ही सौंपे गये दायित्वों के आधार पर जिला स्तरीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।बैठक में मुख्यमंत्री घोषणाओं की प्रगति पर बिन्दुवार समीक्षा की गयी। जिसमें जिलाधिकारियों को मुख्यमंत्री घोषणाओं से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता देते हुए उन्हें समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने पर बल दिया। समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को लंबित मुख्यमंत्री घोषणाओं की नियमित समीक्षा कर कार्यों में अपेक्षित गति लाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने प्रत्येक कार्य के लिए स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित करने तथा प्रगति से शासन को समय-समय पर अवगत कराने की बात कही।

धान खरीदी, अपार आईडी, सहित विभिन्न योजनाओं पर दिए निर्देश

लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण पर कलेक्टर सख्त समय-सीमा बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा

कोरिया बैकुंठपुर। कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों एवं योजनाओं की गहन समीक्षा की गई। जनदर्शन एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त आवेदनों के लंबित रहने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने धान खरीदी की प्रगति की समीक्षा करते हुए सहकारिता, खाद्य, मार्कफेड, राजस्व एवं नोडल अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने किसानों से संबंधित समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही ऑनलाइन टोकन नहीं कटने एवं रकबा समर्पण से जुड़े विषयों पर आवश्यक कार्यवाही करने के लिए कहा। बैठक के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी से अपार आईडी की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले के प्रत्येक विद्यार्थी का अपार आईडी में अनिवार्य रूप से पंजीकरण किया जाए। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत अपार आईडी एक ऑटोमेटेड परमानेंट अकैडमिक अकाउंट रजिस्ट्री है, जिसमें विद्यार्थियों के शैक्षणिक अभिलेख एवं उपलब्धियाँ डिजिटल रूप से सुरक्षित रहती हैं। यह व्यवस्था शासकीय एवं निजी दोनों विद्यालयों के विद्यार्थियों पर लागू है। कलेक्टर ने शत-प्रतिशत अपार आईडी निर्माण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त कलेक्टर ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की ली तथा सभी निर्माण कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की और समय पर पूरे करने के निर्देश दिए।

हेलमेट जागरूकता के लिए पुलिस ने निकाली बाइक रैली, दिया यातायात सुरक्षा का संदेश

कोरिया बैकुंठपुर। सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ती मौतों और गंभीर चोटों के मामलों को देखते हुए आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कोरिया जिला पुलिस द्वारा हेलमेट जागरूकता बाइक रैली का आयोजन किया गया। यह रैली पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा के निर्देश एवं पुलिस अधीक्षक कोरिया रवि कुमार कुर्रे के मार्गदर्शन में आयोजित की गई।

हेलमेट जागरूकता बाइक रैली की शुरुआत सिटी कोतवाली परिसर से हुई, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए विभिन्न चौक-चौराहों से गुजरी। रैली के माध्यम से आम नागरिकों, विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों को यह संदेश दिया गया कि हेलमेट पहनना केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि जीवन सुरक्षा का सबसे प्रभावी साधन है। रैली के दौरान पुलिस कर्मियों ने स्वयं हेलमेट पहनकर बाइक चलाई और 'हेलमेट पहनें, सुरक्षित रहें 'आपकी सुरक्षा, आपकी जिम्मेदारी' जैसे स्लोगनों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। रैली के दौरान कई स्थानों पर वाहन चालकों को रोककर उन्हें हेलमेट के महत्व के बारे में समझाया गया तथा यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली अधिकांश मौतों और गंभीर सिर की चोटों का प्रमुख कारण हेलमेट का उपयोग न करना है। हेलमेट पहनने से सिर को गंभीर चोटों से बचाया जा सकता है, जिससे दुर्घटना के समय जान बचने की संभावना काफी बढ़ जाती है। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया। तेज रफ्तार, शराब पीकर वाहन चलाना, मोबाइल फोन का उपयोग और बिना हेलमेट बाइक चलाना दुर्घटनाओं के मुख्य कारण हैं। इनसे बचने के लिए प्रत्येक नागरिक को स्वयं जागरूक होना आवश्यक है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि कानून का पालन केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि स्वयं और परिवार की सुरक्षा के लिए किया जाना चाहिए। हेलमेट जागरूकता अभियान के अंतर्गत असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर धनंजय सिंह आरक्षक राकेश मिश्रा ने नागरिकों से अपील की कि वे न केवल स्वयं हेलमेट पहनें, बल्कि अपने परिवार के सदस्यों, विशेषकर युवाओं को भी इसके लिए प्रेरित करें। युवाओं में लापरवाही और स्टाइल के नाम पर हेलमेट न पहनने की प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए पुलिस ने कहा कि एक छोटी सी सावधानी जीवन को सुरक्षित बना सकती है। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से यह संकल्प लिया कि यातायात नियमों के पालन को लेकर भविष्य में भी ऐसे जागरूकता अभियान निरंतर चलाए जाएंगे। हेलमेट जागरूकता बाइक रैली ने नगर में यातायात सुरक्षा को लेकर सकारात्मक संदेश दिया और लोगों को सोचने पर मजबूर किया कि हेलमेट वास्तव में जीवन रक्षक कवच है।

कटकोना में अंजनी कुमार मिश्र स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ

कोरिया बैकुंठपुर। स्व. अंजनी कुमार मिश्र की स्मृति में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन 08 जनवरी को कटकोना में किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती पूनम झा, अध्यक्ष सौम्य महिला समिति ह्यद्रष्ध्य बैकुंठपुर क्षेत्र उपस्थित रहेंगी। इस प्रतियोगिता में कुल 16 टीमें भाग लेंगी, जो खेल भावना और आपसी सौहार्द के साथ रोमांचक मुकाबले प्रस्तुत करेंगी। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में खेल के प्रति उत्साह जगाना, टीम भावना को प्रोत्साहित करना और स्व. अंजनी कुमार मिश्र के योगदान को स्मरण करना है। फ़ाइनल मैच 18 जनवरी को खेला जायेगा। प्रतियोगिता के विजेता को ट्रॉफी एवं 25,000 की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी, जबकि उपविजेता टीम को ट्राफी 12,500 की इनाम राशि दी जाएगी। आयोजन समिति की ओर से योगेंद्र कुमार मिश्र ने बताया कि यह प्रतियोगिता वर्ष 2020 से लगातार आयोजित हो रहा है, यह प्रतियोगिता का 7वां वर्ष है। उद्घाटन समारोह में स्थानीय नागरिकों, खिलाड़ियों और सम्मानित अतिथियों की उपस्थिति से कार्यक्रम और भी प्रेरणादायी बनेगा। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा और दर्शकों को रोमांचक खेल का आनंद प्राप्त होगा। आयोजन समिति ने सभी खेल प्रेमियों और नागरिकों से आग्रह किया है कि वे इस आयोजन में शामिल होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करें।

आदिवासी अंचल की खेल प्रतिभाओं को मिलेगा नया मंच

सूरजपुर। सरगुजा संभाग, जो कि अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्र है, खेल प्रतिभाओं से परिपूर्ण माना जाता है। यहां के युवाओं में खेलों के प्रति स्वाभाविक रुचि और अपार क्षमता को पहचानकर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सरगुजा ओलंपिक 2025-26 का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप तथा खेल मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री (खेल एवं युवा कल्याण विभाग) श्री अरुण साव के मार्गदर्शन में आयोजित यह प्रतियोगिता आदिवासी अंचल के युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगी।सरगुजा ओलंपिक 2025-26 निश्चित रूप से क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को नई पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा। इस आयोजन का उद्देश्य शासन और जनता के बीच मजबूत एवं प्रत्यक्ष संबंध स्थापित करते हुए युवाओं की रचनात्मक और खेल प्रतिभा को निखारना है।

25 किमी पीछा कर पकड़ा गया अवैध धान से लदा ट्रक

रामानुजगंज। कलेक्टर राजेंद्र कटारा के मार्गदर्शन में जिले में अवैध धान परिवहन पर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। शासन के निर्देशानुसार अवैध धान परिवहन, भंडारण में संलिप्त कोचियों एवं बिचौलियों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अनुविभाग वाड्रफनगर क्षेत्र अंतर्गत गत मध्यरात्रि अवैध धान परिवहन के खिलाफ प्रशासन द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई। गिरवानी मार्ग से उत्तर प्रदेश की ओर से छत्तीसगढ़ में एक ट्रक के माध्यम से अवैध रूप से धान का परिवहन किया जा रहा था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ट्रक में लगभग 750 बोरी धान लोड थी, जिसे बिना किसी वैध दस्तावेज के ले जाया जा रहा था। मध्यरात्रि बैरियर ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों द्वारा जब संदिग्ध ट्रक को रोकने का प्रयास किया गया, तो चालक वाहन को लेकर मौके से फरार हो गया। इसकी सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। सूचना मिलते ही अनु विभागीय अधिकारी नीर निधि नंदेहा के निर्देशन में त्वरित कार्रवाई करते हुए तहसीलदार वाड्रफनगर, तहसीलदार रघुनाथ नगर, नायब तहसीलदार तथा पुलिस बल की संयुक्त टीम गठित की गई।

एकीकृत किसान पोर्टल से जुड़ी समस्याओं का होगा निराकरण

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राज्य के किसानों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए एकीकृत किसान पोर्टल के माध्यम से पंजीयन एवं सत्यापन की प्रक्रिया संचालित की जा रही है। किसानों द्वारा एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन से संबंधित संशोधन एवं आवेदन किए गए हैं। किसानों को समयबद्ध लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से यह प्रक्रिया सुचारू रूप से जारी है। राज्य शासन द्वारा प्राप्त आवेदनों के परीक्षण के उपरांत संबंधित राजस्व विभाग एवं अन्य अधिकृत विभागों के अधिकारियों एवं पटवारियों को भौतिक सत्यापन का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए है। जिससे पात्र किसानों को योजना का लाभ बिना विलंब के प्रदान किया जा सकेगा। जिले के समस्त एसडीएम एवं तहसीलदारों को व्हीसी के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान कर आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समय-सीमा में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने कहा गया है। साथ ही किसानों से सत्यापन प्रक्रिया में आवश्यक सहयोग प्रदान करने की अपील की गई है।

आल्हामाड़ा बन गया आदिवासी अस्मिता का केंद्र

एमसीबी। छत्तीसगढ़ की महान, गौरवशाली एवं प्राचीन लोकसंस्कृति को संजोए रखने वाला लोकपर्व छेरता तिहार इस वर्ष आल्हामाड़ा धाम, ग्राम पंचायत बंजी में अपार श्रद्धा, आस्था और सांस्कृतिक उल्लास के साथ ऐतिहासिक रूप से संपन्न हुआ। यह भव्य आयोजन न केवल छत्तीसगढ़ी लोकपरंपराओं की जीवंत झलक प्रस्तुत करता रहा, बल्कि सामाजिक एकता, जनविश्वास, सांस्कृतिक चेतना और सामूहिक सहभागिता का सशक्त प्रतीक बनकर उभरा। तीन दिवसीय इस महापर्व का आयोजन 03 जनवरी 2026 से 05 जनवरी 2026 तक बंजी ग्राम पंचायत स्थित ऐतिहासिक एवं आस्था के केंद्र आल्हामाड़ा धाम में किया गया। आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह और उमंग का माहौल बना रहा। दूर-दराज के गांवों से श्रद्धालु, जनजातीय समाज के लोग, सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारी वर्ग, जनप्रतिनिधि और सांस्कृतिक प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित होकर छेरता पर्व की गरिमा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाते नजर आए। छेरता तिहार के दौरान धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ी लोकसंस्कृति से ओत-प्रोत विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियां हुईं। सुवा नृत्य, सैला, कर्मा, लोकड़ी जैसे पारंपरिक लोकनृत्यों ने दर्शकों का मन मोह लिया, वहीं कबड्डी प्रतियोगिता जैसे खेल आयोजनों ने युवाओं में विशेष उत्साह भर दिया। पूरे परिसर में पारंपरिक वेशभूषा, लोकगीतों और ढोल-मांदर की गूंज ने छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक आत्मा को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस गरिमामय अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, जिला अध्यक्ष चंपादेवी पावले, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह, जिला पंचायत सदस्य रामजीत लकड़ा, श्रीमती अनीता सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और समाजसेवी मंचासीन रहे। सभी ने लोकसंस्कृति के संरक्षण और संवर्धन का सामूहिक संदेश दिया। इस अवसर पर डीएम ने हसदेव क्षेत्र की ओर से समस्त क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि आल्हामाड़ा की पावन धरती पर छेरछेरा पर्व का यह भव्य आयोजन अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि छेरछेरा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि गांवों की मूल और जीवंत संस्कृति की पहचान है, जिसे हम पीढ़ी दर पीढ़ी सहेजते आ रहे हैं। उन्होंने बच्चों द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर दिए गए संदेश की सराहना करते हुए कहा कि यह हमारी आने वाली पीढ़ी की जागरूकता का प्रतीक है। उन्होंने संस्कृति और प्रकृति को एक-दूसरे का पूरक बताते हुए आयोजन समिति की सराहना की और 11 हजार रुपये के सहयोग की घोषणा की। वहीं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आल्हामाड़ा और जोगी डोंगरी की जयघोष के साथ अपने संबोधन में कहा कि छेरता पर्व और इससे जुड़ा मेला इस क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है। उन्होंने कहा कि यह स्थान न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था का केंद्र है, बल्कि प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण ऐसा स्थल है, जहां दूर-दूर से लोग आते हैं। उन्होंने जिले में स्वीकृत और निर्माणाधीन सड़कों, किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, तेंदूपत्ता संग्रहण, महतारी वंदन योजना और श्रमिक परिवारों के कल्याणकारी कार्यों की जानकारी देते हुए सरकार की जनकल्याणकारी सोच को रेखांकित किया। प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने धरती माता, गहिवार बाबा, जोगी डोंगरी और बूढ़ादेव की जयकारा के साथ अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा कि छेरछेरा पूरे छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान है। उन्होंने आल्हामाड़ा को आदिवासी समाज का प्रमुख तीर्थ स्थल बताते हुए इसके व्यापक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया और मीडिया के माध्यम से आल्हामाड़ा की पहचान प्रदेश और देशभर में स्थापित की जानी चाहिए।

तरुण छत्तीसगढ़

खदान में मारपीट करने वालों की तलाश कर रही पुलिस

कोरबा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड दीपिका खदान में पिछले दिनों कला लिफ्टर के दो गुट में हुई मारपीट के मामले को लेकर पुलिस ने अपराध पंजीबद किया है। दोनों पक्षों की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। मामले में कुछ आरोपियों के फरार होने की खबर है जिस पर संज्ञान लिया गया है। संबंधितों की तलाश की जा रही है।

प्रभारी पायलट कल लेंगे बैठक

कोरबा। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सचिव पायलट का कल रायपुर आगमन हो रहा है। उनका वहां पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के द्वारा जोरदार स्वागत किया जाएगा। इसके बाद कांग्रेस की बैठक हेगी। जिसमें कोरबा ग्रामीण अध्यक्ष मनोज चौहान व शहर अध्यक्ष मुकेश राठौर शामिल होगें।

महासंघ की बैठक हैदाराबाद में

कोरबा। बिजली कर्मचारी महासंघ की बैठकि हैदराबाद में 9 जनवरी से शुरू हो रहा है। जिसमें राष्ट्रीय सचिव राधेश्यामजायसवाल, प्रदेश महामंत्री नवरत्न बरेठ, पूर्णिमा साहू शामिल होगें।

हर तरफ कोयला खनन की तैयारी, उद्योगों की बाढ़ जारी

बिजली घरों व खदानों से घिरकर कुछ वर्षों में कोरबा बन सकता है आईलैंड

-नगर संवाददाता-

कोरबा। अगले वर्षों में कोरबा की तस्वीर क्या आग का गोला जैसी बन सकती है या आईलैंड की, यह सवाल अब हर तरफ गूंज रहा है और लोगों को हैरान भी कर रहा है। 1957 से शुरू हुआ कोयला खनन और पॉवर सेक्टर की स्थापना के बाद के 8 दशक में कोरबा औद्योगिक हब के रूप में उभरकर सामने आया। मौजूदा स्थिति में चौतरफा बिजली घरों और कोयला खदानों की न केवल उपस्थिति है बल्कि इसके लगातार विस्तार पर सरकार का फोकस है। विस्थापन के साथ प्रदूषण की समस्या से लेकर स्वास्थ्यगत परेशानियां लोगों के सामने है। ऐसे में उन्हें लगता है कि आने वाला भविष्य कोरबा की दिशा और दशा बदल सकता है।

जिले में 2600 मेगावाट की एनटीपीसी, 1800 मेगावाट के सीएसईबी के पॉवर प्लांट, 1200 मेगावाट की बालको की बिजली परियोजना, 1200 मेगावाट क्षमता वाली अडाणी की केपीएल के अलावा कई बिजली घर जिले में संचालित हो रहे हैं। इनके अलावा एल्यूमिनियम प्लांट और सबसे ज्यादा संख्या में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की कोयला खदानें जिले को अलग रूप देती हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि कोल इंडिया की मिनी रत्न कंपनी एसईसीएल की कुल कोयला खनन क्षमता का 60 फीसदी हिस्सा कोयला जिला उत्पादित कर रहा है। इस पर भी कोल इंडिया की महत्वाकांक्षा राष्ट्र की कोयला आवश्यकता की पूर्ति के लिए कोरबा जिले को बड़ी जिम्मेदारी देने की है इसलिए खदानों का विस्तार तेजी से किया जा रहा है। मामला देश से जुड़ा है इसलिए प्रदेश सरकार और प्रशासन को इस दिशा में सहयोग करना ही है। जिले में तेज रफ्तार से जमीनों के अर्जन के साथ विस्थापन के कार्य जारी हैं। पुराने गांवों का अस्तित्व समाप्त हो रहा है और वे अपने लिए नए पते ढूंढ रहे हैं।

जिले में कोरबा क्षेत्र की मानिकपुर से लेकर कुसमुंडा, गेवरा और दीपका खदानों का विस्तार हजारों हेक्टेयर में होना दर्शाता है कि कोयला निकालने के लिए आगे जमीन कम पड़ सकती है। भले ही बिजली घरों को लेकर सरकार की नीति साफ हो गई है, ऐसे में संयंत्रों की स्थापना के लिए खदानों के मुकाबले कम जमीन की आवश्यकता है लेकिन राखड़ की संग्रहण के लिए बांध बनाना है तो सैकड़ों हेक्टेयर जमीन चाहिए ही। कहा जा रहा है कि जब जन आवश्यकता और उद्योग संचालन के मामले सामने हो तो सरकार को नीतिगत रूप से किसी की भी जमीन लेने का अधिकार बनता ही है। ऐसे में लोगों को कुल मिलाकर जमीन छोड़ने की मानसिकता बनानी ही पड़ेगी। मौजूदा परिदृश्य को देखते हुए अब हरदीबाजार, दीपका से लेकर आसपास के बड़े हिस्से में इसी बात की चिंता हो रही है कि आने वाले कुछ दशक में कोरबा रहने लायक रहेगा नहीं, इसलिए विकल्प खोजे जाएं।

दूसरे हिस्सों में बढ़ते औद्योगीकरण के कारण शहरों का जो हाल हुआ है, उसे सामने रख स्थानीय स्तर पर मंथन तो नहीं लेकिन चिंता जरूर हो रही है। जानकारों का कहना है कि इस बात में कोई संदेह नहीं कि कोयला खदानों का विस्तार इसी रफ्तार से चलता रहा और बिजली घरों की स्थापना से प्रदूषण जैसी समस्याएं थमी नहीं तो निश्चित रूप से कोरबा आईलैंड भी बन सकता है। उस स्थिति में खतरा ये भी होगा कि बड़ी आबादी आग के गोले के आसपास अपनी मौजूदगी दर्ज कराएगी। शायद भविष्य के पहलुओं को लेकर उच्च स्तर पर फिलहाल सोचने की जरूरत नहीं समझी जा रही है।

सड़क पर खड़ी ट्रेलर से टकराई अन्य ट्रेलर चालक फंसा केबिन में

कोरबा। कोरबा-कुसमुंडा मुख्य मार्ग पर आए दिन दुर्घटनाएं घटित हो रही है जिसमें वाहनों को क्षति पहुंचने के साथ उसमें सवार चालक व अन्य लोगों को चोटें आ रही है। कई बार लोगों की जान भी दुर्घटनाओं में चली जा रही है। इसके लिए मार्ग पर पसरे अंधेरे तथा वाहनों की तेज रफ्तार को जिम्मेदार माना जा रह है। बीती रात इस मार्ग पर फिर एक दुर्घटना गेवरा रेलवे स्टेशन के सामने घटित हो गई जिसमें सड़क पर खड़ी ट्रेलर से इमलीछापर की ओर से आ रही तेज रफ्तार अन्य ट्रेलर टकरा गई। इस दुर्घटना में जहां टक्कर मारने वाले ट्रेलर का आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया वहीं उसका चालक केबिन में फंस गया, जिसे वहां से गुजर रहे लोगों ने किसी तरह बाहर निकाला और उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा। दुर्घटना के बाद क्षतिग्रस्त वाहन सड़क पर ही खड़ा हुआ है वहीं दूसरे वाहन का चालक अपना वाहन लेकर फरार हो गया। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है। ज्ञात रहे इस मार्ग पर हमेशा अंधेरा पसरा रहता है। मार्ग पर लाइट लगाने की मांग कोयलांचल वासियों द्वारा काफी समय से की जा रही है लेकिन इस ओर न तो नगर निगम ध्यान दे रहा है और न ही एसईसीएल प्रबंधन। फलस्वरूप दुर्घटनाओं का सिलसिला जारी है।

लक्ष्य सामने रखें तो जरूर मिलेगी जीत, कहा-कंसल ने

पॉवर सेक्टर की खेल प्रतियोगिता का हुआ उद्घाटन

कोरबा। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी लिमिटेड कोरबा पूर्व, अन्तरक्षेत्रीय व्हालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन विद्युत कंपनी के दिशा-निर्देश पर डीएसपीएम ताप विद्युत परियोजना के व्हालीबॉल मैदान में जारी है। प्रतियोगिता में, रायपुर सेन्ट्रल, रायपुर क्षेत्र, दुर्ग, राजनंदगांव, बिलासपुर, मड़वा, कोरबा पश्चिम, एवं कोरबा पूर्व की कुल आठ टीमें प्रतिनिधित्व कर रही है।

प्रतियोगिता का शुभारंभ संजीव कंसल, मुख्य अभियंता उत्पादन डीएसपीएम के मुख्य आतिथ्य, एस. के. बंजारा, कार्यापालक निदेशक (पीजीटीआई) के विशिष्ट आतिथ्य, एल.एन. सूर्यवंशी, अति मुख्य अभियंताआ ईधन प्रबंधन की अध्यक्षता में किया गया। डी.एन. राय ने सभी क्षेत्र से आये खिलाडियों को शपथ दिलाई। संजीव कंसल एवं एस.के बंजारा द्वारा फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। मुख्य अतिथि कंसल ने प्रतियोगिता के उद्घाटन की घोषणा करते हुए कहा कि विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए व्हालीबॉल के खिलाडियों का जीत के लक्ष्य के साथ खेल भावना का प्रदर्शन करते हुए खेलेंगे। खेल के माध्यम से आपसी सौहार्द्र को कायम रखना एवं अनुशासन का पालन करना हम सबकी जिम्मेदारी है। एस. के. बंजारा ने कहा खेल कोई भी हो खिलाडियों में खेल भावना अवश्य होनी चाहिए, मैच कोई जीतता है तो कोई उससे सीखता है। प्रतियोगिता में राजेश्वर सिंह, दास गुप्ता, प्रमोद सिंह, कोमल दास, एवं सुमित सिंह निर्णायक हैं। क्षेत्रीय क्रीडा एवं कला परिषद के सचिव पी. आर. वार्ते अधीक्षण अभियंता, गोवर्धन सिदार, मालती जोशी, वरि. कल्याण अधिकारी सह मुख्य रसायनज्ञ डीएसपीएम टी.पी.एस. उपस्थित रहे।

एसईसीएल ग्राउंड में की गई खेलकूद स्पर्धा

कोरबा। महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत कोरबा जिले में विभिन्न गतिविधियां की जा रही है । पुलिस की ओर से एसईसीएल खेल मैदान में बालिकाओं के लिए खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है जिसमें खिलाड़ी अपना कौशल दिखा रहे हैं। सीएसईबी चौकी प्रभारी भीम यादव ने बताया कि महिला सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत उन्हें विभिन्न प्रकार की जानकारी देने के साथ एक अच्छा सुरक्षित वातावरण भी देना है। इस उद्देश्य के साथ खेलकूद प्रतियोगिता रखी गई है। इसमें फुटबॉल सहित दूसरे खेल को शामिल किया गया है। विभिन्न क्षेत्रों के खिलाड़ी इसमें अपना प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके प्रोत्साहन के लिए पुरस्कार की व्यवस्था भी पुलिस परिवार ने की है। महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण अंतर्गत प्रतिदिन अलग-अलग कार्यक्रम किया जा रहे हैं। इसमें महिलाओं के अधिकारों के अलावा उनके लिए बनाए गए कानून की जानकारी दी जा रही है।

जुराली का मुआवजा हल होने पर बन सकेगा हाईवे का बाईपास

नगर में आवागमन को लेकर हो रही

कोरबा। क्या सिर्फ तीन किलोमीटर की दूरी का बाईपास बनाने का काम कोरबा जिले के कटघोरा क्षेत्र के जर्ली में वर्ष 2026 में नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया करा सकेगा? यह अपने आप में एक अहम सवाल है जिसका जवाब क्षेत्र के लोग चाहते हैं। नेशनल हाईवे पर बाईपास निर्माण का काम जुराली में जमीन के मुआवजा को लेकर अटका हुआ है और इसके चक्कर में मुख्य शहर में ट्रैफिक का तमाम बढ़ने से लोग परेशान है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बीते वर्षों में नेशनल हाईवे के लिए इस इलाके की जमीन को चिन्हित किया गया। काफी संख्या में कृषक और अन्य समुदाय के लोग इस कड़ी में शामिल थे जिनकी जमीन संबंधित परियोजना के लिए अर्जित की गई और इसका प्रकाशन भी कर दिया गया। जानकारी मिली है कि प्रशासनिक अधिकारी की लापरवाही से नगर पालिका क्षेत्र आने वाले इलाके की जमीन को ग्रामीण में दर्शा दिया गया, जिसके चक्कर में मुआवजा को लेकर पेंच फस गया। लोगों ने मामले का निराकरण करने के साथ पुनरीक्षित रेट पर मुआवजा देने की स्थिति में ही अपनी जमीन का उपयोग नेशनल हाईवे के बाईपास के लिए करने की बात कही। इसी मसले को लेकर लंबे समय से इस क्षेत्र में नेशनल हाईवे कटघोरा के लिए बाईपास का निर्माण नहीं कर सक रहा है। कई बार इसे लेकर लोगों ने प्रदर्शन किया और बाईपास निर्माण की सरकारी कोशिशें को नाकाम कर दिया। प्रशासनिक और तकनीकी गलतियों के कारण या मामला अब तक अटका हुआ है। लोगों ने कह दिया है कि जब तक इस मामले का निराकरण नहीं होता है, उनकी जमीन को कोई भी नहीं ले सकता।

बाईपास का निर्माण न होने के कारण नेशनल हाईवे संख्या 130 में कटघोरा नगर के भीतर से होकर भारी वाहनों का परिचालन हो रहा है। इस वजह से आए दिन हादसे हो रहे हैं। वहीं कई प्रकार के खतरे बने हुए हैं। जाम लगने से लेकर अन्य समस्याएं पैदा हो रही है और ऐसे में कई स्तर पर अधिकारियों को मोर्चे संभालने पड़ रहे हैं।

कटघोरा नगर के लिए काफी मायने रखने वाले इस विषय को लेकर लोगों ने मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के साथ-साथ नेशनल हाईवे अथॉरिटी प्राधिकरण के उच्च अधिकारियों को अवगत कराया है। लोग चाहते हैं कि कम से कम 2026 में इस मामले को निराकृत किया जाए ताकि बाईपास के अधूरे निर्माण को पूरा करने के साथ परियोजना के उद्देश्य को सार्थक किया जाए।

कोयला कामगारों की समस्याओं पर चर्चा

कोरबा। एसईसीएल गेवरा केन्द्रीय कर्मशाला के नए कार्यविक प्रबंधक के साथ परिचयात्मक बैठक में कोयला कामगारों की समस्याओं को जेसीसी सदस्यों ने सामने रखा। जिसमें साल में मिलने वाली छुट्टी एवं अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में जेसीसी सदस्य विकास शुक्ला , एलपी चंद्रा, पीएल खुटे , राकेश, मुकुल कर्ष सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे। कोरबा पूर्व के नए कार्यप्रबंधक के साथ जेसीसी सदस्यों की परिचयात्मक बैठक के बाद वेलफेयर कमेटी के साथ चर्चा हेगी। इस बैठक में वेलफेयर कमेटी के सदस्य दिनेश साहू, एनके साव डीपी लहरे, बाबूलाल चन्द्रा, विपिन उपाध्याय उपस्थित रहेगें। कालोनी में कई निर्माण कार्य कराए जाने है। जिन पर चर्चा होगी।

शिव मंदिर दीपका में नवीन मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा 19 को

कोरबा। ज्योतिनगर दीपका के शिव मंदिर का जीर्णोद्धार कर लिया गया है। यहां नवीन मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा का पांच दिवसीय समारोह 19 जनवरी से शुरू होगा। इस नवीन शिव धाम मंदिर परिसर में नव मूर्तियों के स्थापना कार्यक्रम में 1100 माता बहनें लाल साड़ी में कलश यात्रा में शामिल होंगी। जबकि पुरुष पीले वस्त्र धारण करेंगे।

कलश यात्रा 19 जनवरी व मूर्तियों के नगर भ्रमण कार्यक्रम 22 जनवरी में रामपुर के कर्मा नृत्य दल के साथ निकलेगी। कार्यक्रम के लिए मनोज शर्मा, महेन्दर सिंह, विमल सिंह, केदारनाथ सिंह, संतोष बारिक, डी डी अग्रवाल आदि के साथ समिति अध्यक्ष दिलीप सिंह, पार्षद रामजय सिंह, सचिव विशाल अग्रवाल, सुशील सोनी, अर्जुन साहू, श्री नंदकिशोर शर्मा, रघुबीर शर्मा, संजय पाठक, रोहित राठौर आदि के साथ सर्वेश सोनी पूरी तन्मयता से जुड़े हुए हैं।

अजा काउसिंल की आईआर मुख्यालय में

कोरबा। अनुसूचित जाति जन जाति काउसिंल की आईआर बैठक बिलासपुर में आयोजित की गई है। जिसमें कोयला कामगारों की समस्याओं पर चर्चा होगी। एसईसीएल महामंत्री ए विश्वास कई समस्यसओं को सामने रखेंगे। जबकि कुसमुंडा के विरेन्द्र टडंन जवाहर मारको भी समस्याओं को सामने रखते हुए मांग करेगें कि कुसमुंडा में कालोनी का निर्माण कराना जरूरी हो गया है क्योंकि बाहर से स्नातरण होकर कर्मचारी आ रहे है। उनके रहने के लिए आवास नही है।

जिले के डायलिसिस यूनिट से 574 मरीजों को मिला नि:शुल्क लाभ

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन. केशरी के नेतृव में जिले के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध कराने के निरंतर प्रयास किया जा रहा है। इन्हीं प्रयासों में बडी पहल के रूप में जिला चिकित्सालय (मेडिकल कॉलेज) कोरबा में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम के तहत 'जीवनधारा' नि:शुल्क डायलिसिस सेवा संचालित किया जा रहा है। इस यूनिट में अत्याधुनिक 09 डायलिसिस मशीनों की स्थापना होने से समय स्थानीय स्तर पर गंभीर किडनी रोगियों के को उपचार की सुविधा का लाभ मिल रहा है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी ने बताया कि जिला चिकित्सालय कोरबा में डॉयलिसस यूनिट प्रारंभ होने से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बडी राहत है क्योंकि गरीब परिवार के रोगियों को किडनी (गुर्दे) का इलाज असंभव होता था। उनके लिए डायलिसिस कराना ही मुख्य रास्ता बचता था , इसके लिए दूर दराज के शहरों में जाकर उपचार

कराते थे लेकिन इसके लिए हर महीने हजारों रूपये की आवश्यकता होती है। ऐसे मे जिला चिकित्सालय में डायलिसिस यूनिट प्रारंभ होने से किडनी के मरीजों को अब अपने शहर में ही सस्ती या मुफ्त डायलिसिस सुविधा मिल रही है। जिले के डायलिसिस यूनिट में 09 मशीने संचालित है अभी तक 36520 सत्रों में 574 मरीजों को अभी तक नि:शुल्क उपचार मिल चुका है । कलेक्टर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जिले के नागरिकों से आग्रह किया है कि जो भी व्यक्ति किडनी (गुर्दे) की बीमारी से पीड़ित है जिला चिकित्सालय के डायलिसिस यूनिट में आकर नि:शुल्क इलाज प्राप्त कर सकते है। इलाज प्राप्त करने के लिए सिर्फ आधार कार्ड की आवश्कता है।

घायल मरीज को तीन घंटे बाद भी नहीं मिली संजीवनी एंबुलेंस

पोड़ी उपरोड़ा का मामला

कोरबा। जिले में 108 संजीवनी एम्बुलेंस सुविधा की व्यवस्था लचर होने लगी है। यह कई मौकों पर उजागर भी होता रहा है। मंगलवार की रात पोड़ी उपरोड़ा सीएचसी में तड़प रहे दुर्घटनाग्रस्त मरीज को शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक 3 घंटे बाद भी नहीं 108 एम्बुलेंस की सुविधा नहीं मिल सकी।

बताया गया कि पीड़ित को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर कटघोरा ले जाना था किंतु वाहन नहीं मिला और मरीज अकेला बेसहारा। ऐसा नहीं था कि यह वाहन किसी इवेंट में बिजी रहा हो बल्कि सम्पर्क नम्बर ही लगातार बिजी बता रहा था और जब स्थानीय सहयोगी से पता लगवाया गया तो रात 8:13 बजे 108 एम्बुलेंस जटगा में ही खड़ी मिली। इसके बावजूद नम्बर डायल करने पर केस में बिजी बताना कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही को ही प्रदर्शित करता है। कोरबा जिले में महज चार ही 108 एम्बुलेंस संचालित हैं बाकि सभी खराब पड़े हैं। स्थानीय लोगो ने इसे घोर लापरवाही बताया है।

बीमार जिंदगियों को राहत मिली स्वास्थ्य शिविर में

कोरबा। पतंजलि योगपीठ दिव्य योग मंदिर ट्रस्ट हरिद्वार के 31वें एवं भारत स्वाभिमान ट्रस्ट हरिद्वार के 17वें स्थापना दिवस पर कोरबा के पतंजलि चिकित्सालय में शिविर का आयोजन हुआ। सैकड़ों लोग स्वास्थ्य लाभ लेने में सफल रहे।

महापौर श्रीमती संजू देवी सिंह राजपूत मुख्य अतिथि थीं। नीमा छत्तीसगढ़ के प्रांतीय सचिव डॉ. विकास अग्रवाल, नाड़ीवैद्य पं. शिव कुमार शर्मा अतिथि थे। शिविर में गुजरात आयुर्वेद डेंटिस्ट्री के दंत चिकित्सक डॉ. विकास अग्रवाल, पतंजलि योगपीठ हरिद्वार से प्रशिक्षित नाड़ीवैद्या डॉ. वागेश्वरी शर्मा, डॉ. नागेन्द्र नारायण शर्मा, डॉ. संजय वैष्णव, डॉ. प्रदीप सिंह कश्यप, शिव कुमार शर्मा ने अपनी चिकित्सकीय सेवायें दी। शिविर में आँख, नाक, कान, गला, दंतरोग सहित असाध्य रोगों से पीड़ित स्त्री-पुरुष एवं बच्चों सहित 351 रोगी लाभान्वित हुए। महापौर ने अपनी बात रखी और आयुर्वेद की विशेषता पर रौशनी डाली। दंत रोग विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. विकास अग्रवाल ने 63 दंत रोगियों की जांच कर उन्हें राहत दी।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रासंपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com